3 **राजधानी** सोसाइटी, कालोनियों में एलडीए पहुंचाएगा सामान

6 **अभिमत** तिब्बत में शुरू हो गया कामकाज

10 **स्पोर्ट्स** भारत में विदेशी कोचों के अनुबंध बने रहेंगे

11 **विदेश** विश्व में संक्रमितों की संख्या पांच लाख हुई

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 10 अंक 157
लखनऊ, शुक्रवार, 27 मार्च, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

अभिनय और सिंगिंग दोनों करना चाहती हूं
विविध-12

www.dailypioneer.com

कोई नहीं रहेगा भूखा, मुफ्त में मिलेगा राशन और गैस

कोरोना से जंग में केंद्र ने खोला खजाना-1.70 लाख करोड़ के पैकेज का ऐलान

● किसानों के खातों में जमा होंगे 2-2 हजार और महिलाओ के जनधन खातों में जाएंगे 5-5 सौ रुपये, बुजुर्ग-विधवा-दिव्यांगों को मिलेगी अनुग्रह राशि और मनरेगा कामगारों को ज्यादा मजदूरी, डॉक्टरों-स्वास्थ्य कर्मियों का होगा 50 लाख का जीवन बीमा

● लॉकडाउन के दौरान गरीबों,किसानों, मजदूरों की अन्न और धन से मदद करेगी सरकार : वित्त मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना के खिलाफ जंग में निर्णायक कदम उठाती मोदी सरकार ने लॉकडाउन से प्रभावित हो रहे गरीबों किसानों, मजदूरों, बुजुर्गों, दिव्यांगों और महिलाओं के लिए अपना खजाना खोल दिया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में 1.70 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज का ऐलान करते हुए कहा कि सरकार किसी को भी भूखा नहीं रहने देगी। अन्न और धन से गरीबों की मदद की जाएगी। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत तीन माह तक बीपीएल परिवारों को 5 किलो अतिरिक्त राशन और गैस सिलिंडर मुफ्त मिलेगा। मनरेगा कामगारों को ज्यादा मजदूरी मिलेगी और बुजुर्गों-दिव्यांगों और (शेष पेज 9)

नई दिल्ली में पत्रकारों को संबोधित करतीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

सरकार के पास पर्याप्त अनाज भंडार

राजेश कुमार। नई दिल्ली

● गोदामों में है आवश्यक रिजर्व से अधिक (58.49 मिलियन टन) गेहूं और चावल

कोरोना वायरस की रोकथाम को राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान गरीबों के लिए केंद्र सरकार के पास पर्याप्त अनाज है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के भंडारों में इस वक्त 58.49 मिलियन टन अनाज उपलब्ध है। इसमें 30.97 मिलियन टन चावल और 27.52 मिलियन टन गेहूं है। यह जरूरत से बहुत ज्यादा है। तय मानकों के हिसाब से एक अप्रैल को इन गोदामों में 21 मिलियन टन अनाज होना चाहिए। अपनी पीडीएस योजना के तहत सरकार अगले तीन महीने तक दो किलो अतिरिक्त अनाज देगी। अभी सिर्फ पांच किलो अनाज मिलता है। इस तरह अब सात किलो मिलेगा। सूत्रों का कहना है कि 58.49 मिलियन टन भंडारण से देश के गरीब तबके (शेष पेज 9)

प्रधानमंत्री ने विश्व स्वास्थ्य संगठन में सुधार को कहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसी संस्थाओं में सुधार को कहा है। जी-20 वीडियो कांफ्रेंस में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वास्थ्य सुविधा से जुड़े मुद्दों से निपटने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) जैसे वैश्विक संगठनों को मजबूत करने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया भर में कहीं अधिक अनुकुल, प्रतिक्रियात्मक और सस्ती मानव स्वास्थ्य सुविधा प्रणाली का विकास करने की हिमायत की। उन्होंने कहाकि वैश्विक महामारी से निपटने के लिए प्रभावी टीका विकसित करने के वास्ते डब्ल्यूएचओ को मजबूत

करना जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने आपस में जुड़ी दुनिया के लिए नए संकट प्रबंधन प्रोटोकॉल और कार्यप्रणाली तैयार करने की हिमायत की। मोदी ने कहाकि (शेष पेज 9)

फेस मास्क की खुदरा कीमत 16 रुपए तय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केन्द्र सरकार ने 3 प्लाई वाले मेल्टब्लोन फेस मास्क की कीमत 30 जून तक 16 रुपए प्रति मास्क पर सीमित कर दी है। साथ ही सरकार ने कहा कि उसने डिस्टिलरी और चीनी मिलों को थोक में हैंड सैनिटाइजर बनाने की अनुमति दे दी है और इसके लिए 45 डिस्टिलरी को पहले ही लाइसेंस जारी किया जा चुका है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सामान्य लोगों और अस्पतालों को उचित मूल्य पर हैंड सेनिटाइज़र उपलब्ध हों, सरकार ने 200 मिलीलीटर की बोतल के लिए हैंड सेनेटर्स की अधिकतम खुदरा कीमत 100 रुपए (शेष पेज 9)

युद्ध जीतने को मोदी ने कसी कमर मंत्रियों को सौंपा राज्यों का दायित्व

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी राजनाथ सिंह, संजीव बलियान, महेंद्र पांडे व कृष्णापाल गुर्जर को, रोज देंगे रिपोर्ट

कोरोना वायरस के खिलाफ छेड़े युद्ध को 21 दिनों के भीतर जीतने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कमर कस ली है। इस सिलसिले में गुरूवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उन्होंने अपनी कैबिनेट के मंत्रियों को तमाम राज्यों का प्रभार सौंपकर उनसे स्थिति पर सतत नजर रखने को कहा है। मंत्रियों को रोजाना संबद्ध प्रदेशों के हर जिले के डीएम और अधिकारियों से बात कर गृह मंत्रालय एवं स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी दिशा निर्देशों के क्रियान्वयन के बाबत फीडबैक लेना होगा और अपनी रिपोर्ट देनी होगी।

प्रधानमंत्री ने अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों से कहा कि केंद्रीय मदद के बारे में जानकारी जुटाएं और सुनिश्चित करें (शेष पेज 9)

कम्युनिटी किचन से मिलेगा जरूरतमंदों को भोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लाकडाउन की कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि जिला व पुलिस प्रशासन के अधिकारी संयुक्त रूप से पेट्रोलिंग करें। किसी भी स्थल पर भीड़ न इकट्ठी होने दी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि रैन बसेरों, आश्रय स्थलों, सीमावर्ती क्षेत्रों में रुके हुए लोगों तक प्राथमिकता के आधार पर भोजन एवं पेयजल उपलब्ध कराया जाए। इस कार्य में वालण्टियर्स का सहयोग लिया जाए।

निराश्रित व्यक्तियों, श्रमिकों, बुजुर्गों, झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोगों, किसी भी तरह के आश्रय स्थलों में रहने वाले व्यक्तियों, हास्टलों आदि में रहने वाले लोगों के लिए कम्युनिटी किचन स्थापित कर दिये गये हैं। पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से आम जनता को घर से बाहर न निकलने और लाकडाउन का पालन करने के लिए जागरूक किया जाए। आमजन को आवश्यक वस्तुएं होम डिलीवरी व्यवस्था के माध्यम से उपलब्ध करायी जाएं। जमाखोरी, कालाबाजारी, मुनाफाखोरी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। ऐसे कार्यों में लिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी की जाए। आवश्यकता पड़ने पर एनएसए के अन्तर्गत भी कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर कोरोना वायरस के नियंत्रण हेतु लागू की गयी लाकडाउन व्यवस्था के क्रियान्वयन की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा है कि लाकडाउन की अवधि में आमजन को आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराने के लिए होम डिलीवरी सिस्टम को सुदृढ़ किया जाए। इसके लिए स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ समन्वय कर वालण्टियर्स तैयार किये जाएं। व्यापारियों और व्यावसायियों को होम डिलीवरी सिस्टम अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि लोग आवश्यकता पड़ने पर कंट्रोल रूम, 112, 108, 102 आदि नम्बरों पर सम्पर्क करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मीडिया एवं सोशल मीडिया में अपील के माध्यम से लोगों को वे जहां हैं, वहीं रुकने के लिए जागरूक किया जाए। ऐसे लोगों के लिए भोजन और पानी की व्यवस्था की जाए। उन्होंने (शेष पेज 9)

तृतीय चन्द्रघंटा

**पिण्डजप्रवरारूढ़ा चण्डकोपास्त्रकेर्युता।
प्रसादं तनुते मह्यं चंद्रघण्टेति विश्रुता॥**

शक्ति हैं चंद्रघंटा। नवरात्र में तीसरे दिन इनकी पूजा-आराधना की जाती है। देवी का यह स्वरूप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। इसीलिए कहा जाता है कि हमें निरंतर उनके पवित्र विग्रह को ध्यान में रखकर साधना करनी चाहिए। उनका ध्यान हमारे इहलोक और परलोक दोनों के लिए कल्याणकारी और सद्गति देने वाला है। इस देवी के मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्र है।

16 मौत के साथ कोरोना मामले पहुंचे 700 के पास

स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहाकि भारत में संक्रमण की दर तुलनात्मक रूप से स्थिर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि गुरवार तक देश में 16 लोगों की कोरोना वायरस संक्रमण से मौत हुई है वहीं इस वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 694 हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि आज देश में कोरोना वायरस संक्रमण के करीब 90 नए मामले आए हैं। मंत्रालय ने रात आठ बजे ताजा बयान में बताया कि देश में अभी तक 16 लोगों की इस संक्रमण से मौत हुई है।

आंकड़ों के अनुसार, देश में फिलहाल 633 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण के लिए इलाज चल रहा है, वहीं 44 लोगों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। वहीं एक व्यक्ति दूसरी जगह चला गया है। बुधवार को संक्रमित लोगों की संख्या 606 थी। मंत्रालय ने गुरुवार को कोरोना के देश में अब तक के आंकड़ों के आधार पर कहा है कि भारत में संक्रमण की दर तुलनात्मक रूप से स्थिर है। मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि भारत में अभी कोरोना का संक्रमण दूसरे चरण में ही है और इसके सामुदायिक संक्रमण से जुड़े तीसरे चरण में पहुंचने के फिलहाल कोई ठोस प्रमाण सामने नहीं आए है। कोरोना के संक्रमण को रोकने और लॉकडाउन (बंद) के कारण लोगों को हो रही परेशानियों से राहत देने के लिए केन्द्र और राज्य सरकारों ने युद्धस्तर पर तैयारियां तेज कर दी है। एक तरफ केन्द्र सरकार ने निर्धन आय वर्ग के लोगों की सहायता के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 1.7 लाख करोड़ रुपए के पैकेज की घोषणा (शेष पेज 9)

यूपी में पांच और कोरोना के मरीज मिले, संख्या हुई 43

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में कोरोना वायरस के संकट से उत्पन्न स्थिति से निजात पाने के लिए सरकारी स्तर पर चल रहे प्रयास के बीच गुरुवार को पांच और नए मरीजों में पॉजिटिव होने के लक्षण मिले हैं।

इन मरीजों में वायरस के होने की पुष्टि किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी ने की है। इन मरीजों में नोएडा के गिम्स में 3 मरीज भर्ती हैं, एक आगरा में जबकि एक बागपत में भर्ती है। प्रदेश में कोरोना वायरस से पीड़ित मरीजों की संख्या 43 पहुँच गई है। केजीएमयू प्रवक्ता डा. सुधीर सिंह ने बताया कि नोयडा में 21 वर्षीय युवती के परिवारजन पॉजिटिव थे। रिपोर्ट में युवती भी पॉजिटिव है जो नोएडा में ही भर्ती है। ऐसे ही 33 साल की महिला और 39 साल के पुरुष की कोई हिस्ट्री नहीं है और दोनों नोएडा में भर्ती हैं। वहीं दुबई से लौटे 32 साल के युवक को कोरोना की पुष्टि हुई है जो कि बागपत में भर्ती है। इसके अलावा आगरा में भी एक पाजिटिव केस मिला है। सभी का इलाज जारी है।

आईआईटी कानपुर बनाएगा किफायती वेंटिलेटर

भाषा। नई दिल्ली

देश में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच राहत वाली खबर है कि कानपुर का भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) ऐसे पोर्टेबल वेंटिलेटर बना रहा है जो बाजार में उपलब्ध अन्य वेंटिलेटरों से सस्ता होगा। आईआईटी कानपुर के प्रोफेसरों का दावा है कि बाजार में इन्वेसिव वेंटिलेटर की कीमत करीब चार लाख रुपए है जबकि इस वेंटिलेटर की कीमत 70 हजार रुपए आएगी क्योंकि इसके सारे कल-पुर्जे और घटक भारत में ही बने हैं। संस्थान के दो छात्र निखिल कुरुले और हर्षित राठौर ने इस आसानी से कहीं भी ले जाए जा सकने वाले वेंटिलेटर का प्रोटोटाइप तैयार किया है। दोनों नोक्का रोबोटिक्स नाम से स्टार्ट अप चलाते हैं। आईआईटी कानपुर ने नारायणा इंस्टीट्यूट ऑफ (शेष पेज 9)

कोरोना से जंग जीतने को हम तैयारः योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी सरकार ने कोरोना से जंग जीतने के लिए मुकम्मल ऐक्शन प्लान तैयार किया है। इसके लिए शीर्ष अधिकारियों की 12 कमेटियों का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय खुद आइजीआरएसए सीएम हेल्पलाइन के जरिए सभी कमेटियों के काम की निगरानी के साथ उनमें समन्वय स्थापित करने का काम करेगा। सभी कमेटियां दिन-रात चौबीसो घंटे पूरे हालात पर नजर रखेंगी। इसके साथ ही कोविड 19 की टेस्टिंग, स्क्रीनिंग व अन्य सुविधाओं के लिए विधायक निधि की गाइड लाइन में संशोधन का आदेश भी जारी कर दिया गया है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के जरिए प्रदेश की 60 हजार ग्राम पंचायतों के साथ संपर्क में है। हम हर संदिग्ध को ट्रैक कर रहे हैं। जरूरत के अनुसार उनको आइसोलेट कर निगरानी कर रहे हैं। रोजमर्रा की जरूरत की चीजों की किसी को कमी न हो इसके लिए युद्ध स्तर पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता में समाज का वह तबका है जो रोज कमाता और खाता है। साथ ही वह भी जिनको काम के दिन के अनुसार वेतन मिलता है। रोज कमाने-खाने वाले तबके में निर्माण कार्य में लगे श्रमिक, पटरी व्यवसायी, ठेले, खोमचे, रेहड़ी और रिक्शा चालक आदि आते हैं। इन सबके खाते में एक-एक हजार रुपये (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	29,946 ↑	1410
निफ्टी	8,641 ↑	323
सोना		/10g
चांदी		/kg

क्विक न्यूज

सीआरपीएफ ने प्रधानमंत्री आपदा राहत कोष में दिए 33.81 करोड़

नई दिल्ली। सीआरपीएफ ने कोविड-19 से लड़ने के लिए अपने जवानों के एक दिन के वेतन से एकत्र की गई 33.81 करोड़ रुपए की राशि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष में दी है। अर्द्धसैनिक बल के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह आम सहमति से लिया गया फैसला था और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) देश के समक्ष कोरोना वायरस के चुनौतीपूर्ण समय में पूरी प्रतिबद्धता के साथ खड़ा है। प्रवक्ता ने कहा, यह तय किया गया कि सीआरपीएफ के कर्मचारी प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष में एक दिन के वेतन का योगदान करेंगे।

दायित्व के साथ मानवता भी दिखा रही यूपी पुलिस

● गैर प्रदेशों से घर लौट रहे मजदूरों व मेहनतकशों के लिए बनी मसीहा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस को लेकर पूरे देश में लागू लॉकडाउन के चलते उत्तर प्रदेश में भी पुलिस घरों से बाहर निकलने वालों के साथ जहां सख्ती से पेश आ रही है वहीं दूसरी ओर उसका मानवीय चेहरा भी उजागर हुआ है। अपने घरों से सैकड़ों किलोमीटर दूर रोजी रोटी कमाने दूसरे प्रदेशों में गए दिहाड़ी मजदूर व अन्य पेशेवर अचानक हुए लॉकडाउन की वजह से वहीं पर फंस के रह गए हैं।

ऐसे में अब अपनी जान जोखिम में डालकर किसी भी प्रकार अपनी घर वापसी का प्रयास कर रहे ऐसे लोगों के लिए यूपी पुलिस फरिश्ता बनकर सामने आई है। पिछले दो

बुलंदशहर में अपने घरों को लौट रहे मजदूर और उनके बच्चों को खाने के पैकेट देती उत्तर प्रदेश पुलिस

दिनों के दौरान प्रदेश में आधा दर्जन से अधिक ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें पुलिस ने इन गरीब असहाय लोगों की न सिर्फ मदद की बल्कि उन्हें भोजन पानी करा कर बसों व अन्य साधनों के जरिए उनके गंतव्य तक रवाना कराया। 21 मार्च को एक दिन के जनता कर्फ्यू के बाद काफी मजदूर अपने प्रदेशों को लौटने लगे लेकिन पहले ट्रेन और बस सेवा बंद हुई और 24 तारीख को लॉकडाउन पूरे देश में लागू हो गया। लॉकडाउन के चलते दूसरे राज्यों में काम कर रहे दिहाड़ी मजदूरों के सामने संकट खड़ा हो गया है। इन मजदूरों के पास काम नहीं है। ट्रेन और बस समेत सभी परिवहन सेवाएं बंद होने के बाद अब घर वापसी का भी कोई विकल्प नहीं बचा और इन प्रवासी मजदूरों के सामने भूखों मरने की नौबत आ गयी है। सरकार के निर्देश जो जहां है वहीं रुका रहे के बावजूद अब यह लोग अपनी जान जोखिम में डालकर माल गाड़ियों में छुपकर, पैदल व अन्य संसाधनों के जरिए अपने घर पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ऐसी ही एक सूचना प्राप्त हुई के 1000 से अधिक लोक परिवार समेत दिलली से अपने घरों के लिए पैदल निकल पड़े हैं। उन्होंने तुरंत बुलंदशहर के डीएम और एसपी इस संबंध में जानकारी करने और उन्हें मदद पहुंचाने के निर्देश दिए। पुलिस ने तत्काल इनका पता लगाया और डीएम एसएसपी मौके पर पहुंच गए। दिल्ली व अन्यत्र स्थानों से बुलंदशहर होते हुए पैदल ही अपने गंतव्य को जा रहे लोगों को रोककर पुलिस ने सबसे पहले स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से मिले फूड पैकेट वितरित किए फिर उन्हें घर तक छोड़ने की व्यवस्था कराई।

वही झांसी में आज सूचना मिली 300 लोगों की भीड़ मालगाड़ी से झांसी स्टेशन पर उतरी है। इस बारे में तुरंत ही चंबल के मंडलायुक्त को सूचना दी गई। झांसी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सभी को एक स्थान पर एकत्र किया। उनके बारे में जानकारी की गई तो पता चला इनमें से तमाम लोग ट्रेनों की पैंट्री कर्मचारी हैं। सबसे पहले सभी का मेडिकल चेकअप कराया गया। थर्मल चेकअप में किसी को बुखार नहीं मिला। (शेष पेज 9)

अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों पर रोक 14 तक बढ़ी

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने गुरूवार को घोषणा की कि सभी अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक यात्री उड़ानें 14 अप्रैल तक निलंबित रहेंगी। डीजीसीए ने 19 मार्च को घोषणा की थी कि 22 मार्च देर रात 1:30 बजे से 29 मार्च सुबह 5:30 बजे तक भारत से किसी अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक यात्री उड़ान का परिचालन नहीं होगा। अब देशव्यापी लॉकडाउन के बीच इसे बढ़ा दिया गया है। डीजीसीए ने कहा, फैसला किया गया है कि सभी निर्धारित अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक यात्री उड़ानें 14 अप्रैल 2020 को भारतीय समयानुसार रात्रि 12 बजे तक बंद रहेंगी। इसमें कहा गया है, हालांकि अंतरराष्ट्रीय कार्गो परिचालन और डीजीसीए द्वारा विशेष रूप से स्वीकृत विमानों के परिचालन पर यह पाबंदी लागू नहीं होगी। सरकार ने 24 मार्च की आधी रात से घरेलू यात्री विमान सेवाओं को भी निलंबित कर दिया था।

कोरोना से जंग में लॉकआउट का दूसरा दिन

राहत व मदद पर सरकार का पूरा फोकस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस के चलते देश भर में लॉकडाउन है। देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ कमजोर वर्गों की मदद के लिए दिन-रात जुटे हैं। यह संकट की घड़ी है। ऐसी घड़ी में समाज का रोज कमानेखाने वाला तबका सर्वाधिक संवेदनशील होता है। सामूहिक संकट की इस घड़ी में हर सक्षम व्यक्ति या संस्था का फर्ज होता है कि वह जरूरतमंदों की संभव मदद करें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार कोरोना का संकट शुरू होने के साथ ही लगातार ऐसे कदम उठा रही है। एक तरीके से उसने अपने सारे संसाधन और तंत्र को जरूरतमंदों की मदद के लिए लगा दिया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर लॉकडाउन व्यवस्था के क्रियान्वयन की समीक्षा की

पंजीकृत लाखों दिहाड़ी मजदूरों के खाते में 1000 रुपये भेजे जा चुके हैं। जो मजदूर पंजीकृत नहीं हैं उनको भी यह रकम पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। हर पात्र पेंशनर को इस माह के साथ दो माह की एडवांस पेंशन भी दी जा रही है। आम लोग रोजमर्रा की जरूरत की चीजों के लिए परेशान न हों और एक जगह पर भीड़ एकत्र न हो इसके लिए घर-घर सामान के आपूर्ति की भी व्यवस्था की गयी है।

श्रम विभाग

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर श्रम विभाग दिहाड़ी मजदूरों को भरण-पोषण भत्ता दे रही है। देश में उत्तर प्रदेश के इस पहल को सभी सरकारों ने सराहाए अब अन्य राज्य सरकारें भी इसी अपने यहां लागू कर रही हैं। प्रदेश के अंदर श्रम विभाग में 20,37,000 पंजीकृत श्रमिकों को भरण पोषण के रूप में एक हजार रुपए डीबीटी के माध्यम से उनके अकाउंट में भेजा है। इस पर सरकार करीब 203 करोड़ रुपए का व्यय वहन कर रही है।

अंत्योदय योजना और दिहाड़ी मजदूर: अंत्योदय योजना में ग्रामीण क्षेत्र के 37,51,000 लाभार्थी, अंत्योदय योजना में शहरी क्षेत्र के 3,43,000 लाभार्थी और असंगठित मजदूर ;दिहाड़ी मजदूरद्ध 15,60,000 लाभार्थी शामिल हैं। इन्हें भरण पोषण के रूप में एक हजार रुपए डीबीटी के माध्यम से इनके अकाउंट में भेजा जा रहा है।

नगर विकास विभाग

प्रदेश के अंदर घुमन्तू जैसे ठेला, खोमचा, रेहड़ी और रिक्शा चलाने, साप्ताहिक बाजार आदि का कार्य करने वाले करीब 15 लाख लोगों को नगर विकास विभाग एक हजार रुपए भरण-पोषण के लिए मुहैया करवा रही है। इसे भी डीबीटी के माध्यम से उनके अकाउंट में भेजा जा रहा है। इस पर सरकार का करीब 150 करोड़ रुपए का व्यय भार अनुमानित है।

मनरेगा

मुख्यमंत्री योगी ने मनरेगा के मजदूरों को तत्काल मजदूरी का भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। केंद्र सरकार से करीब 556 करोड़ रुपए की धनराशि के भुगतान की कार्यवाही तत्काल मार्च 2020 में ही कराई जा रही है। इसके तहत 88,40,000 मनरेगा श्रमिकों को तत्काल भुगतान किया जा रहा है।

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानों के माध्यम से प्रदेश के सभी 1,65,31,000 श्रमिकों को दो महीने तक निशुल्क राशन मुहैया करवाया जा रहा है। इसमें प्रति परिवार को 20 किलो गेहूं, 15 किलो चावल मुफ्त दिया जा रहा है। इस पर सरकार का करीब 64.50 करोड़ का व्यय भार आएगा। इसके लिए नोडल अफसर तैनात किए गए हैं।

समाज कल्याण विभाग

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर प्रदेश में लागू विभिन्न पेंशन योजनाओं के तहत 83,83,000 लाभार्थियों को दी जाने वाली त्रैमासिक पेंशन की धनराशि को अब दो माह की अग्रिम पेंशन दी जा रही है। इसमें वृद्धावस्था पेंशन के 46,97,000 लाभार्थी, दिव्यांगजन पेंशन के 10,76,000 लाभार्थी, निराश्रित और विधवा महिला पेंशन के 26,10,000 लाभार्थी शामिल हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री योगी ने इसके साथ ही अन्य तरह के असहाय लोगों के लिए भी पूरी तरह से व्यवस्था की है। अगर कोई असहाय व्यक्ति बच जाता है जिसके पास अपने व अपने परिवार के भरण पोषण की व्यवस्था नहीं है, उसकी भी सरकार पूरी मदद करेगी।

डोर टू डोर डिलीवरी

सीएम योगी के निर्देश पर जिला प्रशासन व अन्य विभाग जुटकर आवश्यक वस्तुओं की घर-घर डिलीवरी शुरू कर रहे हैं। सिविल सप्लाइज की व्यवस्था के लिए कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में कमिटी गठित हुई है। यही नहीं सभी के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है इसके लिए कम्युनिटी किचन चालू किया जा रहा है। होटल, फास्ट फूड मेकर्स, मिडडे मील संस्थाओं, धर्मार्थ संस्थाओं, मठ, मंदिर, गुरुद्वारे आदि जहां भी बड़ी मात्रा में सुरक्षित फूड तैयार हो सकता है, वहां फूड पैकेट्स तैयार किए जा रहे हैं। डोरस्टेप डिलीवरी के लिए 12,123 वाहनों की व्यवस्था की गई है।

स्वास्थ्य विभाग

अब तक प्रदेश में 6 हजार से ज्यादा आइसोलेशन बेड चिन्हित किए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 18001805145 जारी किया है। प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग द्वारा इमरजेंसी सेवाएं चालू की गई हैं। कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों के उपचार को लेकर सरकार की तरफसे तीन स्तरीय व्यवस्था की गई है। जिलों में सीएचसी को कोविड अस्पताल में तब्दील किया गया है। जिले स्तर पर जो अस्पताल हैं उन्हें लेवल 2 का अस्पताल बनाया गया है। तीसरे लेवल के लिए चिकित्सा शिक्षा द्वारा बनाए गए विशिष्ट अस्पतालों को शामिल किया गया है।

सीएम हेल्पलाइन 1076 पर स्वास्थ्य से जुड़ी शिकायत करें

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 से 10 हजार प्रधानों को फोन किया गया है और पिछले दो हफ्तों में बाहर से आये लोगों की जानकारी ली गई है। ताकि जो भी संदिग्ध व्यक्ति है उसकी चेकिंग और मॉनिटरिंग कराई जा सके। कोई भी व्यक्ति अब मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर भी स्वास्थ्य से जुड़ी अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है।

हर जिले में कंट्रोल रूम

हर जिले में डिस्ट्रिक्ट कंट्रोल रुम बनाया गया है। उत्तर प्रदेश में भी सभी विधायक, एमएलसी, मंत्री अपनी निधि से मेडिकल साधनों के लिए धनराशि उपलब्ध करवा रहे हैं। यही नहीं लॉक डाउन के वक्त पूरे प्रदेश में एक सफाई अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश में अब तक 1788 एफआईआर धारा 188 के उल्लंघन में दर्ज हुई हैं। 5592 लोगों का चालान किया गया, अब तक 6082 बैरियर प्रदेश के विभिन्न शहरों में लगाए गए। अभी तक 38 पीड़ितों की संख्या सामने आई है।

ऑनलाइन बिजली का बिल जमा करने पर अब नहीं देनी होगी प्रोसेसिंग फीस

● यूपीपीसीएल खुद जमा करेगा शुल्क

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं से फिलहाल आन लाइन बिल जमा करने पर प्रोसेसिंग फीस नहीं ली जाएगी। ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने अधिकारियों के साथ बैठक करके यह निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि कोरोना लॉकडाउन को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुक्रम में यूपीपीसीएल ने उपभोक्ताओं के हित में नए दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। अभी तक डेबिट व क्रेडिट कार्ड के जरिए भुगतान पर बैंकिंग कंपनियों द्वारा शुल्क लिया जा रहा था। अब इस शुल्क का भुगतान यूपीपीसीएल करेगा। विद्युत उपभोक्ता अपने बिलों का ऑनलाइन भुगतान ई-निवारण ऐप के जरिये कर सकते हैं। इसे गूगल प्ले स्टोर लिंक से डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त उपभोक्ता यूपीपीसीएल की बेबसाइट यूपीइनर्जीडांटइन पर बिल भुगतान के टैब पर बिल का भुगतान कर सकते हैं। शहरी उपभोक्ता सीधे https://bit.ly/2WBPeVB लिंक से सीधे भुगतान कर सकते हैं। ग्रामीण उपभोक्ता https://uppcl.mpower.in/2ह्यह्य लिंक के जरिये सीधे अपने बिल का भुगतान कर सकते हैं। किसी भी कठिनाई पर उपभोक्ता हेल्पलाइन 1912 पर फोन कर समस्या का समाधान पा सकते हैं। उपभोक्ताओं को एसएमएस द्वारा भी बिलों के भुगतान का लिंक साझा किया जा रहा है। उपभोक्ता बिल भुगतान की प्रक्रिया को समझने के लिए यूट्यूब लिंकhttps://www.youtube.com/watch?v=mIwbf0Mla4I पर उपलब्ध वीडियो ट्यूटोरियल की मदद ले सकते हैं। विषम परिस्थितियों में भी कारपोरेशन उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए प्रयासरत है। कारपोरेशन उपभोक्ताओं से अपील भी करता है कि वह अपना बिल ऑनलाइन माध्यमों के जरिये जमा करें जिससे विद्युत उत्पादकों का ससमय भुगतान किया जा सके।

होम डिलीवरी के लिए व्यापक स्तर पर मोबाइल वैन की व्यवस्था की जाए

● मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने सभी मंडलायुक्तों, डीएम व एसएसपी को दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान किसी भी स्थान पर भीड़ एकत्रित न होने पाये तथा जन सामान्य को आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्रमुख जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि होम डिलीवरी की व्यवस्था अधिक से अधिक क्षेत्रों में हो जिससे कि जन सामान्य को आवश्यक वस्तुओं के लिए निकलना न पड़े तथा सब्जी मंडी, फल मंडी इत्यादि में भीड़क एकत्रित न होने पाए। मुख्य सचिव ने सभी मंडलायुक्तों, डीएम व एसएसपी को भेजे अपने निर्देश में कहा कि होम डिलीवरी के लिए बड़ी से बड़ी संख्या में मोबाइल वैन की व्यवस्था की जाए। गेहूं के स्थान पर आटा का वितरण किया जाए। शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में दवा की दुकान, किराना स्टोर में भीड़ एकत्रित न हो, इस के लिए दुकान के सामने 4-5 फीट दूरी के गोले बनाकर मार्किंग कर दी जाए जिससे कि स्वत: ही सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन हो सके। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन का अनुपालन किया जाना बेहद आवश्यक है। इसे सफल बनाने के लिए जिलों के महत्वपूर्ण संगठनों एवं प्रभावशाली व्यक्तियों से संपर्क कर यह अपील की जाए कि लोग जहां पर हैं, वहीं रहें तथा अनावश्यक रूप से अपने वर्तमान निवास से बाहर या दूसरे स्थानों में घर जाने का प्रयास न करें। मुख्य सचिव ने कहा कि जमाखोरी एवं कालाबाजारी करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध विभिन्न नियमों के अन्तर्गत कड़ी कार्रवाई की जाए और जहां इससे लोक व्यवस्था प्रभावित होती है वहां ऐसे तत्वों के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत भी कार्रवाई की जाए। माल वाहनों को पास की कोई आवश्यकता नहीं होगी अत: इन्हें न रोका जाए। मुख्य सचिव ने अपर मुख्य सचिव नियुक्ति एवं प्रमुख सचिव राज्य संपत्ति विभाग को निर्देश दिये कि कोविड-19 महामारी के परिप्रेक्ष्य में उत्तर प्रदेश के लोगों को सहायता उपलब्ध कराने तथा उन्हें आवश्यक सूचनायें देने के लिये स्थानिक आयुक्त कार्यालय नई दिल्ली को खुला रखा जाये। इसके अतिरिक्त मुंबई में भी एक अधिकारी की तैनाती कर दी जाए जो स्थानिक आयुक्त का कार्य कर सके तथा उत्तर प्रदेश के लोगों की सहायता कर सके।

केंद्र सरकार के राहत पैकेज पर बीजेपी ने पीएम का जताया आभार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहां की पूरे विश्व में मानवता के लिए बड़ा खतरा बन कर उभरे कोरोना वायरस के संक्रमण से त्रस्त देशवासियों को इस गंभीर संकट से उबारने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार लगातार इस वैश्विक आपदा से निपटने के लिए हर जरूरी कदम उठा रही है। उन्होंने कहा देश के गरीबों, किसानों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और संगठित क्षेत्र सहित अन्य की मदद के लिए 170000 करोड़ रुपए के राहत पैकेज के ऐलान के लिए नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि एक तरफ पूरा देश इस वैश्विक कोरोनावायरस के खिलाफ एकजुट होकर लड़ाई लड़ रहा है दूसरी तरफ देश का कोई भी गरीब भूखा ना सो जाए इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 170000 करोड़ रुपए के पैकेज का ऐलान करना संकट की इस घड़ी में लोगों को बड़ी राहत पहुंचाने का काम करेगा केंद्र सरकार लगातार इस दिशा में प्रयास कर रही है कि संकट की इस घड़ी में कोई भी भूखा ना सो जाए। वहीं प्रदेश की योगी सरकार भी 1.65 करोड़ जररूत मंदों को राशन, 35 लाख से अधिक लोगों को आर्थिक सहायता व 83 लाख से अधिक को एडवांस पेंशन उपलब्ध करा रही है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इस वैश्विक महामारी से निपटने के लिए केंद्र की मोदी सरकार व प्रदेश की योगी सरकार द्वारा लगातार हर संभव कोशिशें की जा रही हैं। ऐसे में हम सबका भी यह कर्तव्य है कि हम अपने साथ-साथ अपनों का व अपने देश को सुरक्षित रखने के लिए जिम्मेदारी पूर्वक अपनी जवाबदेही तय करते हुए कोरोना के खिलाफ शुरू हुई लड़ाई को निर्णायक अंजाम तक पहुंचाने के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर दिए जा रहे दिशा-निर्देशों का स्वयं पालन करते हुए अन्य को भी पालन करने के लिए प्रेरित करें व शासन व प्रशासन का सहयोग करें। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष में संकट की इस घड़ी में जनप्रतिनिधियों व पार्टी पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं से भी अपील की कि वे स्थानीय स्तर पर पूरी सजगता व शासन प्रशासन से समन्वय बनाते हुए ऐसे लोगों की मदद करें जो लॉक डाउन के कारण भोजन प्राप्त करने में सक्षम नहीं है उन्हें भोजन उपलब्ध हो। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने विश्वास व्यक्त किया कि हम सब मिलकर इस वैश्विक महामारी के खिलाफ बड़ी लड़ाई लड़ेंगे।

विभिन्न राज्यों में फंसे यूपी के लोगों को उनके घरों तक सुरक्षित पहुंचाए सरकार: लल्लू

● श्रमिकों को केन्द्र एवं प्रदेश सरकार तत्काल समुचित आर्थिक मदद करे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा है कि देश के विभिन्न राज्यों में निर्माण एवं अन्य कार्यों में लगे मजदूर, रेड़ी, पटरी एवं खोमचे वाले, रिक्शा चलाने वाले, फैक्ट्रियों में काम करने वाले श्रमिकों का एक बड़ा वर्ग जो रोज कमाता है और परिवार का पेट भरता है, ऐसे लाखों लोगों की रोजी रोटी पर लॉक डाउन के कारण बड़ा संकट खड़ा हो गया है। अब मजबूर असंगठित क्षेत्र के ये श्रमिक अपने घरों की तरफलौटने को विवश हैं। किन्तु सरकार द्वारा यातायात के समस्त साधनों की पूर्ण बन्दी के कारण ये पैदल ही अपने परिवार. जिसमें महिलाएं एवं बच्चे भी हैं के साथ सैंकड़ों किलोमीटर पैदल यात्रा करने को विवश हैं। इनके पास रास्ते में खानेपीने और पैसे की व्यापक कमी है, ऐसे में भूखे पेट ही सफर करने को विवश हैं। छोटे बच्चे यहां तक कि 8 माह के बच्चों के लिए दूध की भी व्यवस्था नहीं है। इनमें से तमाम लोगों ने विभिन्न समाचार माध्यमों के मीडिया कर्मियों को बातचीत में सरकार पर अदूरदर्शिता का परिचय देने का आरोप लगाते हुए कहा है कि सरकार पूर्ण लॉकडाउन से पहले हम लोगों को अपने घरों के लिए निकलने का समय नहीं दिया। अब कारखानों एवं बाजार की पूर्ण बन्दी के कारण हम लोग पूरी तरह से फंस गये हैं।

लल्लू ने कहा कि तमाम खबरों में गुरूग्राम से बिजनौर, राजस्थान के जयपुर से उप्र, दिल्ली से बिजनौर, रामपुर, बरेली, गढ़मुक्तेश्वर, मुरादाबाद, लखनऊ एवं पूर्वांचल के अन्य जनपदों के निवासी शामिल हैं। साथ ही साथ प्रदेश के अंतर जनपदीय मजदूर एवं श्रमिक भी इनमें शामिल हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने लॉकडाउन से पहले सरकार की तैयारियों पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करते हुए केन्द्र एवं उप्र की सरकार से माँग की है कि वापस आ रहे ऐसे लोगों को तत्काल चिन्हित कर इनके खानपान की व्यवस्था की जाए। साथ ही साथ नगद आर्थिक मदद करते हुए इनको घरों तक सकुशल पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। घरों तक पहुंचाने के पूर्व इन लोगों की कोविड.19 की जांच की निशुल्क व्यवस्था की जाए।

कोरोना से बचाव के लिए विधायक निधि से धनराशि देने की अनुमति, शासनादेश जारी

● धारा 188 के अंतर्गत 2802 लोगों के खिलाफ एफआईआर, 8649 लोगों का किया गया चालान: अवस्थी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में अब विधायक अपनी विकास निधि से कोरोना से बचाव के लिए चिकित्सीय परीक्षण, स्क्रीनिंग और अन्य जरूरी सुविधाओं के लिए धनराशि दे सकेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना से बचाव में सहयोग के लिए विधानमंडल क्षेत्र विकास निधि के नियमों को और विस्तारित करने को मंजूरी दे दी है। जिसके बाद बृहस्पतिवार को प्रमुख सचिव ग्राम विकास की ओर से इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया गया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री के निर्देश पर पूरे प्रदेश में 18570 मोबाइल वैन के जरिए डोर टू डोर खाद्य पदार्थों की सप्लाई का काम शुरू कर दिया गया है।

यह जानकारी अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बृहस्पतिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को एक बार फिर डोर टू डोर सप्लाई को लेकर शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर सख्त निर्देश दिए। अवस्थी ने बताया की 6902 मोटर चिन्हित वाहनों और 11668 ठेला व अन्य हाथ चरित गाड़ियों से डोर टू डोर सप्लाई शुरू कर दी गई है । जल्दी ही इनकी संख्या में और बढ़ोतरी कर दी जाएगी। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि विधायक निधि के मार्गदर्शी सिद्धांतों में भी संशोधन कर दिया गया है। प्रमुख सचिव ग्राम विकास की ओर से इस संबंध में शासनादेश जारी हो गया है मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह अपने अपने जिले में उन विधायकों से संस्तुति प्राप्त कर लें जिन्होंने कोरोना बीमारी से उपचार में मदद के लिए विधायक निधि से पैसा देने की बात कही थी। जिला स्तर पर विधायक निधि से धनराशि निकाल कर तुरंत चिकित्सा व चिकित्सा शिक्षा विभाग को उपलब्ध करा दी जाए। अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर जल्दी ही कम्युनिटी किचन भी स्टार्ट कर दिए जाएंगे। एपीसी से मिली जानकारी के अनुसार बृहस्पतिवार को प्रदेश में विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद से एक लाख से अधिक फूड पैकेट तैयार कर वितरित कराए गए हैं। इसी प्रकार प्रदेश में 7 लीटर दूध का भी वितरण कराया गया है इनमें आधा व 1 लीटर के 1100000 पैकेट वितरित किए गए हैं। प्रदेश में रोजाना 1500000 लीटर दूध वितरण करने का लक्ष्य सुनिश्चित किया गया है। इसके अलावा पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम को हर सरकारी वाहन में लगाने के भी निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि मजदूर व अन्य प्रकार के जो कर्मचारी दूसरे प्रदेशों से आ रहे हैं उनको सीमा के जिलों में पुलिस प्रशासन खानपान पेयजल व रुकने की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। बहुत संख्या में बॉर्डर से आ रहे लोगों को आगरा नोएडा व गाजियाबाद में व्यवस्थित किया गया है। कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के भी मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं। धारा 188 के अंतर्गत 2802 लोगों के खिलाफ एफआइआर की गई है, 8649 लोगों का चालान किया गया है। अवस्थी ने बताया कि लाक डाउन का पूरी तरीके से पालन करने के लिए मुख्यमंत्री ने प्रदेश के नागरिकों को बधाई दी है इसके अलावा कोरोना से बचाव में जुटे विभिन्न विभागों के कर्मचारी और विशेषकर पुलिस कर्मियों का भी आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने लॉक डाउन का और सख्ती से पालन कराए जाने के भी निर्देश दिए हैं।

कोरोना से लड़ाई में केंद्र व राज्य से राहत पैकेज की मांग

लखनऊ। कोरोना वायरस से उत्पन्न संकट से निपटने के लिए देश में घोषित लॉक डाउन के चलते रोजगार गंवाने वालों के लिए बसपा सुप्रीमो मायावती ने केंद्र व प्रदेश सरकार से राहत पैकेज की मांग की है। गुरुवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर मायावती ने लिखा कि देश की 130 करोड़ गरीब-मेहनतकश जनता पर 21 दिनों के लॉकडाउन-कर्फ्यू वाली पाबन्दियों को कड़ाई से लागू करने के बाद खासकर लोगों का पेट भरने अर्थात उनकी रोटीरोजी की समस्या को दूर करने के लिए केन्द्र व राज्य सरकारों द्वारा राहत पैकेज की व्यवस्था बहुत ही जरूरी। इस पर तुरन्त ध्यान दें। मायावती ने आगे लिखा कि साथ ही इस देशबन्दी में प्राइवेट सेक्टर के लॉकडाउन को लेकर उन्हें दी गई विभिन्न रिआयतों के साथ.साथ वहाँ काम करने वाले लोगों को भी महीने का वेतन दिलाने की व्यवस्था केन्द्र व राज्य सरकारों को सुनिश्चित करनी चाहिए। लोगों से भी अपील है कि वे सरकारी निर्देशों का अनुपालन करें।

पार्टी कार्यकर्ता लोगों की हरसंभव मदद करें

● सपा ने जरूरतमंद लोगों के लिए बड़े पैमाने पर शुरू किया राहत सामग्री वितरण का कार्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

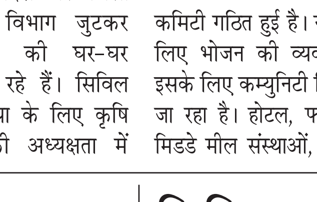

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार पार्टी के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने कोरोना महामारी के कारण लॉकडाउन से प्रभावित उत्तर प्रदेश के जरूरतमंद लोगों के लिए बड़े पैमाने पर राहत सामग्री वितरण का कार्य प्रारंभ कर दिया है।

प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि प्रदेश के प्रत्येक जनपद में गांवों, कस्बों व शहरों में पार्टी के कार्यकर्ता सुरक्षित दूरी के नियमों का पूरी तरह पालन करते हुए राहत सामग्री बांट रहे हैं। इसमें राजमार्गों व दो शहरों को जोड़ने वाली सड़कों पर विशेष रूप से राहत सामग्री का वितरण किया जा रहा है क्योंकि लॉकडाउन के बाद किसी दूसरे शहर में फंस गए उत्तर प्रदेश के सैंकड़ों लोग बड़ी संख्या में पैदल ही अपने-अपने गावो, कस्बों की तरफआ रहे हैं। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता पूरी सक्रियता के साथ ऐसे लोगों को खाने की सामग्री व पेयजल मुहैया करवा रहे हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सभी जिला अध्यक्षों और पार्टी पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वह अपने-अपने जिलों में गरीबों, असहायों और प्रभावित लोगों को हर संभव मदद उपलब्ध कराएं व कार्यकर्ता को भी इस अभियान में शामिल करें। यादव ने कहा कि कोरोना की वजह से उत्पन्न इस मुश्किल घड़ी में समाजवादी पार्टी एक जिम्मेदार राजनीतिक पार्टी होने के नाते अपने सामाजिक दायित्व को पूरी तरह निभा रही है। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में पार्टी के कार्यकर्ता और नेता लोगों की हरसंभव मदद करें। अखिलेश यादव ने कहा है कि इस कठिन समय में सरकार को तत्काल देश के सभी जन-धन खाताधारकों के बैंक एकांउट में सहायता धनराशि ट्रांसफर करने का प्रबंध करना चाहिए। साथ ही जो लोग रास्तों पर भटक रहे हैं उनके भोजन-पानी, चिकित्सा और सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए रैनबसेरों का भी इंतज़ाम करना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर जल्दी ही यूपी की जेलों से पैरोल पर छोड़े जाएंगे कैदी

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर कोरोनावायरस के चलते जेलों में कैदियों की संख्या को कम करने की दिशा में यूपी में भी कवायद तेज हो गई है। 7 साल से कम की सजा पाए या 7 साल से कम की सजा के आरोपों में जेल में बंद अंडर ट्रायल वह 65 साल से ऊपर की उम्र के कैदियों की लिस्ट तैयार की जा रही है जल्दी ही इन सभी को पैरोल पर रिहा किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने बीते दिनों देश की सभी राज्य सरकारों को निर्देश दिया था कि एक उच्च शक्ति समिति का गठन करें जो यह निर्धारित करेगी कि किन कैदियों-अपराधियों को इन हालातों में सशर्त जमानत दी जा सकती है। जिसके बाद यूपी में भी अपर मुख्य सचिव गृहए डीजी जेल और स्टेट लीगल सर्विस अथॉरिटी के चेयरमैन की 3 सदस्य समिति गठित की गई। जेल मुख्यालय ने प्रदेश की सभी देशों से ऐसे कैदियों की लिस्ट मांगी थी जिन्हें पैरोल पर छोड़ा जा सकता है। जिसके बाद यूपी की 71 जेलों ने लिस्ट बनाने का काम शुरू कर दिया हैण् जेलों से ये लिस्ट आने के बाद जेल मुख्यालय उसका परीक्षण करेगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

झल्लाई तो मदद में भी उतर आई पुलिस

लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं, कुछ हद तक अनुशासन में दिखे लोग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस जैसी महामारी को लेकर जहां लॉक डाउन का पूरे शहर में असर दिखने लगा तो पुलिस भी कुछ राहत में नजर में आई। इस दौरान जहां लोग बेअंदाज हुए वहां पुलिसिया अंदाज भी दिखा। गोमतीनगर, इंदिरानगर, खुर्रमनगर, हजरतगंज, और पुराने लखनऊ इलाकों में बेवजह रोड पर घूमने वाले लोगो की पुलिस में क्लास लगाई। वहीं पत्रकरपुराम चौकी इंचार्ज शालिनी सहाय ने एक युवक को लाठी पटक कर खदेड़ा भी। इस दौरान बिना डयूटी पास के रोड पर घूम रहे लोगों का चलान भी किया गया।इसके अलावा कई लोगो के खिलाफ आईपीसी की धारा 144 के उलंघन में धारा 188 के तहत कानूनी कार्रवाई भी की गई। कोरोना वायरस के चलते पिछले चार दिनों में लखनऊ का क्राइम ग्राफ भी गिरा है। लॉक डा उन के दूसरे दिन शहर के कई थानों में न तो कोई शिकायत पहुंची और न ही कोई अपराध संबंधित मुकदमा दर्ज हुआ। क्राइम ग्राफ गिरने के चलते पुलिस भी चैन की सांस ले रही है। लेकिन पहले से दर्ज मुकदमे की विवेचनाओं पर भी अल्प विराम लग गया है।

इस बीच पुलिस एक बार फिर से मानवता झलकती नजर विभिन्न शहरों से। इधर उधर। भटक रहे तमाम राहगीरों व यात्रियों को पुलिसकर्मियों ने जहां जलपान कराया वहीं भूखे यात्रियों को खाना भी खिलाया। साथ ही। उन्हें कोरोनावायरस जैसी बीमारी के संबंध में। कई तरह की जानकारियां भी दी। भोजन पाकर। इधर.उधर भटकते यात्रियों को जहां राहत मिली। वहीं पुलिसकर्मियों के इस मानवीय चेहरे को देखकर स्थानीय निवासी भी मदद के लिए सामने आए। यही नहीं, डीसीपी यातायात चारू निगम ने भी ट्रैफिक कर्मचारियों से सड़क पर गुजर रहे लोगों की मदद करने की अपील की और उन्हें उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए हिदायत दी साथ ही लोगों की मदद के लिए।

आगे आने की अपील की। यही नहीं। लखनऊ के विभिन्न थाना क्षेत्रों से गुजर रहे पैदल यात्रियों। को लेकर स्थानीय थाना के थाना प्रभारियों ने बढ़ चढ़कर उनकी मदद के लिए हिस्सा लिया। यह नजारा राजधानी चिनहट में भी उस समय देखने को मिला जब अयोध्या मार्ग से गुजर रहे यात्रियों को देखकर चिनहट प्रभारी दीक्षित त्रिपाठी ने लोगों को भोजन खिला कर उन्हें उनके मंजिल तक पहुंचाने के लिए अपने अधीनस्थ सिपाहियों से सहयोग की अपील की। देशभर में लॉकडाउन के दूसरे दिन पुलिस को सख्ती के साथ साथ जनता भी जागरूक। नजर आई। गुरुवार को सुबह सात बजे से ग्यारह बजे तक लोग दूध ब्रेड और सब्जी लेने के लिए घरों से निकले लेकिन दुकानों पर जरूरत से ज्यादा भीड़ नजर नहीं आयी। दोपहर बारह बजे के बाद रोड पर एमरजेंसी डयूटी करने वाले कर्मचारी और मेडिकल एमरजेंसी के चलते हॉस्पिटल जाने वाले लोग दिखाई दिए। इस दौरान बैरिकेटिंग से होकर गुजरने वाले लोगो को स्पष्ट कारण की जानकारी के साथ साथ सबूत भी दिखाने पड़े।

सोसाइटी, कालोनियों में एलडीए पहुंचाएगा सामान

लखनऊ। कालोनियों में प्लंबर, मकैनिक, मरम्मत कार्य की परेशानियों को देखते हुए जिलाधिकारी द्वारा एलडीए को जिम्मेदारी सौंपी गई ।एलडीए वीसी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। जो जरूरी वस्तुओं को ले जाने के लिए वाहन और व्यक्तियों के पास जारी करेगा।,गुरुवार को जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने एलडीए वीसी शिवा कांत द्विवेदी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। कालोनियों में प्लंबर, मकैनिक, मरम्मत कार्य की परेशानियों को देखते हुए जिलाधिकारी द्वारा एलडीए वीसी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही जरूरी सामान ले जाने के मानक भी डीएम अभिषेक प्रकाश ने तय किये हैं। सोसाइटीयों, रिहायशी कॉलोनीयों को श्रेणी के हिसाब से वाहन पास और व्यक्तिगत पास की सुविधा भी मिलेगी ।50 से 250 आबादी पर 2 वाहन 5 व्यक्तियों को लगाया है ।

रिटेल स्टोर पर नहीं उठे फोन, शिकायत के बाद चेता प्रशासन: कोरोना संक्रमण से निबटने के लिए जिला प्रशासन द्वारा घरों तक आवश्यक सामग्री पहुंचाने को शुरू की गई होम डिलीवरी व्यवस्था पहले दिन पटरी से उतरी नजर आई। विभिन्न इलाकों में होम डिलीवरी के लिए प्रशासन द्वारा रिटेल स्टोरों के जारी किए गए नंबर या तो उठे नहीं, या फिर नंबर नहीं मिले। इसके चलते लोगों को काफी परेशानी का सामना करना ।वहीं जिलाधिकारी ने नाराजगी जाहिर करते हुए एडीएम आपूर्ति को होम डिलीवरी व्यवस्था को दुरुस्त करने का आदेश दिया । यही नहीं आनाकानी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। गुरुवार को होम डिलिवरी व्यवस्था पटरी से उतरने पर जिला प्रशासन सक्रिय हुआ। इस संबंध में लगातार मिली शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने नाराजगी जताई उन्होंने व्यवस्था को दुरुस्त बनाने के लिए एडीएम आपूर्ति की अध्यक्षता में तत्काल प्रभाव से एक निगरानी कमेटी गठित करने का निर्देश दिया। यह कमेटी रात राहत और आवश्यक वस्तु वितरण के लिए दिए गए निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करेगी। इसकी अनदेखी करने वालों के खिलाफ सीधे पुलिस में मुकदमा दर्ज करने तक की कार्रवाई होगी। तत्काल राहत समिति में शामिल 10 सदस्य टीम का संयोजन नागरिक सुरक्षा संगठन के जयराज तोमर नियंत्रण का जिम्मा संभालेंगे । एडीएम आपूर्ति आरडी पांडे ने बताया रिटेल स्टोर स्टोर के संचालकों को साफ तौर पर चेताया गया है कि लॉक डाउन के दौरान प्रशासन के निर्देशों को ना मानने पर संचालकों के खिलाफ सीधे कार्रवाई तय होगी।

पांच दिन से लखनऊ में कोरोना का एक भी पॉजिटिव मरीज नहीं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बॉलीवुड सिंगर कनिका कपूर में कोरोना वायरस के पॉजिटिव होने की खबर के बीच फैली दहशत को देखते हुए सरकार सरकार की तरफ से किए गए लॉक डाउन के चलते पिछले 5 दिन में राजधानी लखनऊ में एक भी कोरोना वायरस का पॉजिटिव मरीज नहीं मिला है। राहत की बात यह है कि सरकार द्वारा बार-बार बचाव को लेकर जागरूकता अभियान चलाने के चलते जनता के सोशल डिस्टेंसिंग बरतने से वायरस के फैलने की संभावना कम हो गई है। 20 मार्च को लखनऊ में बॉलीबुड गायिक कानिका कपूर में संक्रमण की पुष्टि के बाद स्वास्थ्य विभाग के अफसरों की नींद उड़ गई थी। स्वास्थ्य विभाग ने कड़ी मशक्कत कर कनिका के संपर्क व पार्टी में शामिल सभी लोगों की जांच की। कोरोना सैम्पल कलेक्शन के नोडल ऑफिसर डॉ. एपी सिंह के मुताबिक लगातार जांच के लिए संदिग्ध लोगों के नमूने एकत्र किए जा रहे हैं। भरपूर सहयोग व एहतियात से संक्रमण के प्रसार को रोकने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना को हराने का असली वक्त आ गया है। लोग घरों में रहें। मिलना-जुलना 21 दिनों तक पूरी तरह से बंद कर दें।

61 में 57 निगेटिव

डॉक्टर सुधीर सिंह ने बताया कि कोरोनावायरस की जांच के लिए 61 सैंपल आए थे। जिनमें 57 सैंपल नेगेटिव प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि आज संस्थान की फीवर ओपीडी में 98 मरीजों को देखा गया।

कोरेंटाइन में रखे गए रिटायर एचओडी विभाग पहुंच गए, हंगामा

लखनऊ। बॉलीवुड सिंगर कनिका कपूर में कोरोना वायरस के संक्रमण पाए जाने के बाद एहतियात के तौर पर उनके पड़ोसियों को सीएमओ की तरफ से दी गई 14 दिन के कोरेंटाइन की सलाह के बीच गुरुवार को किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के रिटायर विभागाध्यक्ष के विभाग में पहुचने पर हड़कम्प मच गया। इस दौरान उनके विभाग में दाखिल होने को लेकर फैकल्टी मेम्बरों से उनकी बहस भी हुई। अंत मे उनके जाने के बाद मामला शांत हुआ। फिलहाल विभाग के फैकल्टी मेम्बरों ने विभागाध्यक्ष से विभाग को सेनेटाइज कराने की मांग की है। फार्माकोलॉजी विभाग से रिटायर पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ एके सक्सेना का आवास गायिका कनिका कपूर के निकट है। स्वास्थ्य विभाग ने यहां के लोगों को 14 दिनों तक कोरेंटाइन में रहने की सलाह दी है। फार्माकोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉण् आमोद कुमार सचान का कहना है कि आज वह कमरे में डॉक्टरों के साथ बैठक कर रहे थे। तभी डॉण् सक्सेना कमरे में दाखिल हो गए। विभाग के डॉण् संजय खत्री ने इस पर आपत्ति जाहिर की। दोनों में कहासुनी हो गई। किसी तरह मामला शांत हुआ।

इस बार नहीं होगी छुट्टी

जून में विश्वविद्यालयों में होगी विधिवत पढ़ाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस के चलते उत्पन्न संकट को देखते हुए एहतियात के तौर पर सरकार की तरफ से 14 अप्रैल तक शिक्षण संस्थानों को बंद रखने के आदेश के चलते हुए एकेडमिक नुकसान की भरपाई इस बार यूनिवर्सिटी ग्रीष्म कालीन अवकाश को सस्पेंड कर करेंगी। ऐसा इसलिए सम्भव है क्योंकि यूनिवर्सिटी का एकेडिमक सेशन काफी लेट हो चुका है। एकेडमिक सेशन लेट होने का सबसे ज्यादा असर सेमेस्टर सिस्टम पर पड़ रहा है। सेमेस्टर के लेट होने का असर जून से शुरू होने वाला सेमेस्टर पर पड़ना तय है। ऐसे में इन सेमेस्टर को पटरी पर लाने के लिए सभी यूनिवर्सिटी जून में होने वाले समर वेकेशन न करने का प्रस्ताव काम कर रही है। मई का सेमेस्टर एग्जाम लेट होने पर सभी यूनिवर्सिटी के दिसंबर में लास्ट में होने वाले सेमेस्टर एग्जाम प्रभावित हो सकते हैं। इसी को लेकर सभी यूनिवर्सिटी जून की छुट्टियों में पढ़ाई कराने की तैयारी कर रही हैं। यूनिवर्सिटी के अधिकारियों का कहना है कि लाख ऑनलाइन क्लास करा लेने के बाद भी स्टूडेंट्स का नुकसान होने की पूरी संभावना है। सभी स्टूडेंट्स इतने टेक्नोलॉजी सेवी नहीं होते है कि वह यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर दिए गए लिंक से अपनी पढ़ाई पूरा कर सकें। ऐसे में कोरोना वायरस के कारण करीब 20 से 25 दिनों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उसे समर वेकेशन की 15 दिन की छुट्टियों में पूरा कराने लिया जाएगा। साथ ही संडे को भी एक्स्ट्रा क्लासेस के माध्यम से सिलेबस पूरा कराए जाने की तैयारी है। इस सम्बद्ध में लखनऊ यूनिवर्सिटी, बीबीएयू, लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, एकेटीयू, एसएमयू और उर्दू ने छुट्टियां न करने की बात कह रही हैं।

दो-दो परीक्षा कराना सबसे बड़ी चुनौती: लखनऊ यूनिवर्सिटी के सामने सबसे बड़ी चुनौती दो-दो परीक्षाएं कराना है। मई में यूनिवर्सिटी के यूजी व पीजी के सेमेस्टर एग्जाम होने है, साथ ही यूजी थर्ड इयर को एनुअल एग्जाम के साथ पीएचडी एंट्रेंस एग्जाम को भी दोबारा से शुरू कराना है, जो कोरोना वायरस के कारण रद्द कर दिया गया था। साथ ही इसी दौरान यूनिवर्सिटी को अपने नए सेशन के एडमिशन के लिए सभी विषयों के एंट्रेंस एग्जाम कराना है। इसके बाद इन सभी एग्जाम के मूल्यांकन कार्य को भी पूरा कराना होगा। ऐसे में यूनिवर्सिटी के लिए अगले तीन महीने काफी टाईट शेड्यूल होने वाला है। ऐसे में कोरोना के कारण हुई छुट्टियों की भरपाई अब समर वेकेशन से पूरी करने की कार्य योजना पर काम चल रहा है। इसके अलावा इन सभी एग्जाम का मूल्यांकन भी समय से पूरा करना होगा। ऐसे में एलयू प्रशासन ने अपने शिक्षकों सहित डिग्री कॉलेज के शिक्षकों को भी इसके लिए तैयार रहने को कहा है। ऐसे ही हालात बाकी यूनिवर्सिटी में हैं। ऐसे में कोर्स पूरा कर एग्जाम कराकर मूल्यांकन समय पर करना सभी यूनिवर्सिटी के लिए चुनौती भरा है।

एकेटीयू ने भी शिक्षकों को स्टैंड बाई पर रखा: वहीं एकेटीयू ने सभी 15 हजार शिक्षकों को स्टैंड बाई पर रखा हुआ हैण् यूनिवर्सिटी ने सभी शिक्षकों को जहां ऑनलाइन टीचिंग मैटेरियल लगातार मुहैया कराने को कहा है वहीं जैसे ही लॉक डाउन समाप्त होगाण् वैसे ही सभी सम्बद्ध संस्थाओं में रेगुलर क्लासेसे के साथ एक्स्ट्रा क्लासेस लेकर बचा हुआ कोर्स समय से पूरा कराने को कहा है। ताकि नए सेमेस्टर को समय पर शुरू किया जा सके। इस संबंध में एकेटीयू प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि इस सेमेस्टर में वैसे ही कोरोना वायरस के कारण काफी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ऐसे में जून में समर वेकेशन के दौरान क्लासेस कराकर इस नुकसान की भरपाई करने की तैयारी की जा रही है। इस पर जल्द ही निर्णय लिया जाएगा।

राप्तीसागर एक्सप्रेस से लखनऊ पहुंचे यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग

लखनऊ। राप्तीसागर एक्सप्रेस से ऐशबाग रेलवे स्टेशन पहुंचने वाले यात्रियों की बुधवार को स्क्रीनिंग कराई गई। इसमें कई रेलवे स्टाफ के साथ ही यात्री भी शामिल रहे। दरअसल गोरखपुर से रवाना रवाना हुई राप्तीसागर एक्सप्रेस तिरुवनंतपुरम पहुंची थी। इस दौरान कोरोना वायरस के चलते लॉक डाउन हो गया। लिहाजा ट्रेन लेकर रवाना हुआ रेलवे का स्टाफ तिरुवनंतपुरम में ही फंस गया। इनमें रेलवे के लोको लोको पायलट, गार्ड पैंट्री कार कर्मचारी भी शामिल रहे लिहाजा ट्रेन को मंगलवार को एक बार फिर से तिरुवनंतपुरम से गोरखपुर के लिए रवाना किया गया यह ट्रेन बुधवार शाम 5.30 बजे राजधानी के ऐशबाग रेलवे स्टेशन पर पहुंची इस दौरान ऐशबाग रेलवे स्टेशन पर लोको पायलट रेलवे स्टाफ सहित कुल 17 यात्री उतरे मौके पर मौजूद सीओ जीआरपी अरुण कुमार सिंह चौकी इंचार्ज ऐशबाग रेलवे स्टेशन सुधीर पांडे एवं आरपीएफ अधिकारियों ने रेलवे स्टाफ एवं यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग करवाई। इस स्क्रीनिंग में सभी कर्मचारी नेगेटिव मिले यह जांच रेलवे के डॉक्टरों द्वारा की गई अधिकारियों की मानें तो ट्रेन में रेलवे स्टाफसहित कुल 70 यात्री थे इनमें से 17 यात्री ऐशबाग रेलवे स्टेशन पर उतर गए जिसके बाद ट्रेन को गोरखपुर के लिए रवाना कर दिया गया।

आरपीएफ के हवाले चारबाग में खड़ीं ट्रेनें: लखनऊ। चारबाग रेलवे स्टेशन पर लॉकडाउन के बाद ट्रेनों को लाकर खड़ा कर दिया गया है। इन ट्रेनों की सुरक्षा आरपीएफ़ के जवान संभाल रहे हैं। दर्जन आरपीएफ़ जवानों की ड्यूटी सुरक्षा में लगाई गई है, जो मुस्तैदी से डटे हुए हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोरोना वायरस के प्रकोप से बचाव के लिए 21 दिन के लिए देशभर में लॉकडाउन किया गया है। जिसके बाद रेलवे स्टेशनए ट्रेन वगैरह भी बंद कर दी गई हैं। ऐसे में चारबाग रेलवे स्टेशन पर मण्डल की ट्रेनों के रेक लाकर खड़े कर दिये गए हैं। इसमें गोमती एक्सप्रेसए चंडीगढ़ एक्सप्रेसए लखनऊ मेल सहित इंटरसिटी एक्सप्रेस शामिल हैं। चूंकि स्टेशन बंद हैं, ऐसे में ट्रेनों की सुरक्षा के लिए आरपीएफ़ जवानों को लगाया गया है। चारबाग स्टेशन आरपीएफ़प्रभारी धर्मेंद्र सिंह राणा ने बताया कि असामाजिक तत्व ट्रेनों की सुरक्षा के लिए खतरा होते हैं। ऐसे में कोई अप्रिय घटना न होए इसलिए जवानों को तैनात किया गया है।

ब्रेथ एनेलाइजर टेस्ट को लेकर रेलवे लोको पायलट बिफरे: ब्रेथ एनेलाइजर टेस्ट को लेकर रेलवे लोको पायलट बिफर गए हैं। टेस्ट से इंकार करते हुए नाराज रेलकरमियों ने रेलमंत्री को ट्वीट भी कर दिया। जिसके बाद मामले ने तूल पकड़ लिया।कोरोना वायरस के चलते लॉकडाउन कर दिया गया है। ट्रेनों का संचालन भी बंद कर दिया गया है। लेकिन देश में अनाज सहित आवश्यक सामग्रियों की आपूर्ति के लिए मालगाड़ियों को चलाया जा रहा है जिसके लिए लोको पायलट ड्यूटी दे रहे हैं।

कोरोना से महासंग्राम में पर्दे के पीछे के महानायक

केजीएमयू में अब तक 1250 से अधिक सैम्पल की हुई जांच

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोनावायरस से उत्पन्न संकट से लड़ाई में पर्दे के पीछे किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के कुछ ऐसे भी महानायक हैं जिनका इस लड़ाई में अमूल्य योगदान है। विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो अमिता जैन के निर्देशन में विभाग के कई टेक्नीशियन, अटेंडेंट, वैज्ञानिक एवं रिसर्च स्टूडेंट्स अपना निरन्तर योगदान दे रहे हैं। इस टीम में 15 लोग शामिल हैं। इनके योगदान के चलते केजीएमयू की तरफ से अभी तक 1250 से अधिक योगदान दे चुके हैं। 24 घण्टे चलने वाली विभाग के इस लैब में बगैर अवकाश लिए सभी सदस्य काम कर रहे हैं। बता दें कि विभाग की तरफ से 3 फरवरी 2020 को कोरोना वायरस की जांच शुरू की गई थी।

अवकाश रद कर दिया

पिछले 10 साल से वायरोलॉजी सेक्शन में बतौर साइंटिस्ट काम करने वाले डॉ शांतनु प्रकाश का कहना है कि कोविड.19 से लड़ाई उनके लिए अहम है। उन्होंने बताया कि पिछले एक माह से वह लगातार काम कर रहे हैं और उन्होंने इसके लिए अपना अवकाश भी रद्द कर दिया था।

सपोर्ट देने के लिए तैयार

वायरोलॉजी लैब में बतौर रिसर्च साइंटिस्ट काम करने वाले दानिश नसर खान का कहना है कि कुरौना की आउटब्रेक में वह अपनी तरफसे पूरी तौर पर योगदान दे रहे हैं। उनका कहना है कि देश में उत्पन्न इस संकट में वे अपना योगदान दे रहे हैं और उनकी फैमिली को उनके नौकरी पर गर्व है।

मैं अपने काम से संतुष्ट

वायरोलॉजी लैब में रिसर्च एसोसिएट के तौर पर ओमप्रकाश का कहना है कि पिछले एक माह से कोविड.19 के लिए वह लगातार काम कर रहे हैं। उन्हें खुशी है कि वह अपने काम से संतुष्ट हैं।

टेस्टिंग के लिए 24 घण्टे कार्य

वरुण लालजी लैब में बतौर साइंटिस्ट डॉ ब्रिज नाथ तिवारी का कहना है कि पिछले 3 सप्ताह से कोरोना डिजीज की टेस्टिंग के लिए वह 24 घंटे योगदान दे रहे हैं। वह अपने काम से संतुष्ट है और समाज में अपना अमूल्य योगदान देने के लिए तैयार है।

इमरजेंसी में काम करने पर गर्व

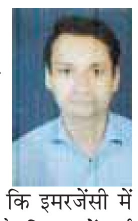

डॉक्टर अनिल कुमार वर्मा का कहना है कि वह अपने ड्यूटी से काफी संतुष्ट हैं और 24 घंटे कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी में अपना योगदान देने के लिए उन्हें गर्व है।

परिवार ने सपोर्ट किया

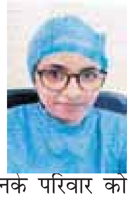

स्कॉलर के तौर पर माइक्रोबायोलॉजी डिपार्टमेंट की लैब में काम करने वाली ह्चिा मिश्रा का कहना है कि पहले तो इस लड़ाई में उनके परिवार को थोड़ी सी थोड़ी सी दिक्कत हुई लेकिन उन्होंने मुझे सपोर्ट किया। उन्होंने बताया कि भविष्य में बतौर साइंटिस्ट कोविड.19 के डायग्नोसिस में योगदान देने के लिए उन्हें गर्व महसूस होगा।

परिवार को गांव भेजा

लैब में टेक्नीशियन के तौर पर काम करने वाले अजय पांडे का कहना है कि उनकी ड्यूटी रात्रि की है मैंने अपने परिवार को अपने रिश्तेदार के गांव भेज दिया है क्योंकि मैं उनके लिए कोई रिस्क नहीं लेना चाहता था मैं खुश हूं कि इसमें अपना योगदान दे रहा हूं।

जांच में योगदान अहम

लैब टेक्नीशियन के तौर पर अलग-अलग प्रोजेक्ट पर पिछले 10 साल से काम करने वाले कमलेश कुमार पिछले 3 सप्ताह से लगातार रात्रि में जांच के कार्य में अपना योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं अपने कार्य से संतुष्ट हूं।

प्रोफेशन से खुशी

10 साल से वायरोलॉजी लैब में काम करने वाले आशीष कुमार का कहना है कि ग्लोबल परिदृश्य में इस समस्या से लड़ाई में उन्हें परिवार और सीनियर फैकेल्टी मेंबर का भरपूर सहयोग मिला है इसलिए वह अपने प्रोफेशन से खुश हैं।

कोविड-19 की टीम के साथ संतुष्ट

लैब अटेंडेंट के तौर पर काम करने वाले रविंद्र कुमार रात्रि दिन कोविड-19 की जांच में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि डॉ अनीता जैन हमें कार्य करने के लिए लगातार प्रोत्साहित करती रहती हैं। न केवल वह हमें सहायता करती हैं बल्कि हमारा हर ख्याल रखती हैं। मैं कोविड-19 टीम के साथ खुश हूं।

सभी लोग घर पर रहें

पिछले 6 साल से वायरोलॉजी लैब में अटेंडेंट के तौर पर काम करने वाले अंकित यादव का कहना है कि यह बहुत कठिन परिस्थिति थी मेरे लिए। उन्होंने बताया कि मैंने अपनी ड्यूटी के 6 घंटे को बढ़ाकर 18 घंटे तक किया और अपनी तरफ से बेहतर करने का प्रयास कर रहा हूं। यह समय कम्युनिटी के लिए हाई रिस्क हैए इसलिए मैं कहना चाह रहा हूं कि सभी लोग घर पर रहे और नियमों का पालन करें। जिससे कम्युनिटी को सुरक्षित रखा जा सके।

विभाग का सहयोग

लैब अटेंडेंट के तौर पर काम करने वाले आजाद अली का कहना है कि कोविड.19 की लड़ाई में वह अपना योगदान लगातार दे रहे हैं और उन्हें विभाग का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

योगदान के लिए तैयार

पिछले 10 वर्षों से लैब अटेंडेंट के तौर पर काम करने वाले हरीश चंद्र दिवाकर का कहना है कि कोविड.19 की लड़ाई में वह अपना योगदान दे रहे हैं। यद्यपि लाइव में हाई रिस्क बना हुआ है लेकिन सीनियर लगातार सपोर्ट कर रहे हैं। इसलिए मैं अपना 100 फीसदी योगदान देने के लिए तैयार रहता हूं।

काम से संतुष्ट

वायरोलॉजी लैब में डाटा एंट्री ऑपरेटर के तौर पर राधेश्याम का कहना है कि उनकी रात्रि में ड्यूटी है। अधिकतर वह लगातार अपना योगदान दे रहे हैं और कोविड.19 की इस लड़ाई में अपने काम से वह संतुष्ट हैं।

राष्ट्र सेवा को तैयार

लैब अटेंडेंट के तौर पर विभाग में काम करने वाले पंकज जायसवाल का कहना है कि वह पिछले 5 साल से कार्यक्रम का कार्य कर रहे हैं। इस समय कोविड.19 की लड़ाई में वह अपने काम से 100 फीसदी भी संतुष्ट हैं और वह राष्ट्र की सेवा के लिए तैयार है।

कोरोना वायरस से लड़ने के लिए एकेटीयू एनबीआरआई व सीडीआरआई ने मिलाया हाथ

● ऑनलाइन कोविड-19 चैलेंज के लिए हर सप्ताह बेस्ट आइडिया को एकेटीयू देगा दस हजार रुपये का इनाम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

देश सहित प्रदेश में कोरोना वायरस से उत्पन्न संकट से निपटने के लिए एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी, नेशनल बोटैनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट और सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट ने मिलकर कोविड-19 से निपटने के लिए एक कार्ययोजना तैयार की है। गुरुवार को इस कार्ययोजना के बारे में एकेटीयू के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने ऑनलाइन मोड के माध्यम से दी है। एकेटीयू के वीसी प्रो. विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में नेशनल बोटैनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो. एसके बारीक एवं सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो तपस कुमार कुंडू के संयुक्त तत्वाधान में कोरोना वाइरस पर काउंटर अटैक करने के लिए ऑनलाइन कोविड 19 चैलेन्ज शुरू किया जा रहा है। इसका नाम ऑनलाइन वीकली कोविड 19 आइडियाथन चैलेंज रखा गया है। इस आइडियाथन शुरू करने का उद्देश्य यूनिवर्सिटी के छात्र छात्राओं से कोविड 19 से निपटने के इनोवेटिव आइडिया प्राप्त करना है जिससे कोरोना वायरस जैसी महामारी से निपटा जा सके।

हर सप्ताह नई चुनौतियों पर मांगे जाएंगे आइडिया

इस आइडियाथन को साप्ताहिक तौर पर आयोजित किया जाएगा। प्रत्येक सप्ताह नवीन चुनौतियों के सेट पोस्ट किए जाएंगे। इनमें से तीन बेस्ट आईडिया को एकेटीयू के द्वारा सम्मानित किया जाएगा। सभी इनोवेटिव आईडिया ऑनलाइन स्टूडेंट ईआरपी लॉगइन के माध्यम से प्राप्त किये जाएंगे। एकेटीयूए एनबीआरआई एवं सीडीआरआई के प्रोफेसर एवं वैज्ञानिकों की संयुक्त समिति स्टूडेंट्स के ओर से भेजे गए आइडियाज की स्क्रीनिंग कर तीन बेहतर आईडिया का चयन करेंगे। इसमें पहले तीन आईडियाज को एकेटीयू के ओर से सम्मानित भी किया जाएगा। आईडियाथन का पहला चरण 26 मार्च 2020 से दो अप्रैल के बीच में आयोजित होगा। स्टूडेंट्स दो अप्रैल तक अपने आईडिया भेज सकते हैं।

इन क्षेत्रों से जुड़े आइडिया भी भेज सकते है स्टूडेंट्स

- नवीन सस्ती और प्रभावशाली दवाओं एवं वैक्सीन के विकास हेतु, बिना किसी साइड इफेक्ट के।
- झूठी खबरों को हतोत्साहित और कम करने के लिए उपयुक्त तकनीकी हस्तक्षेप विकसित करना, जिससे केवल सटीक जानकारी प्रदान करने में मदद कर मिल सके।
- आवश्यक वस्तुओं की होल्डिंग और ब्लैक मार्केटिंग जैसे नकारात्मक व्यवहार को हतोत्साहित करने के लिए उपयुक्त समाधान विकसित करना।
- खाद्य, दवा और उपयोगिताओं जैसी आवश्यक आपूर्ति की सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त आपूर्ति श्रृंखला प्रक्रिया विकसित करना।
- सस्ती और प्रभावी डायग्नोस्टिक किट और मोबाइल डायग्नोस्टिक किट विकसित करना।
- फ्रंटलाइन हेल्थकेयर स्टाफ और उनके परिवारों का समर्थन और सुरक्षा करना।

जरूरी फंड को वहन करेगा एकेटीयू

एकेटीयू वीसी प्रो. विनय कुमार पाठक ने बताया कि इस ऑनलाइन कोविड 19 चैलेंज के तहत हर सप्ताह टॉप थ्री के लिए चुने गए स्टूडेंट्स को एकेटीयू के ओर से दस हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। साथ ही उनके आईडिया को विकसित करने के लिए जो भी जरूरी फंड की आवश्यकता होगी वह एकेटीयू के द्वारा वहन किया जाएगा।

सूबे में 14 कोरोना वायरस के मरीज ठीक होकर पहुंचे घर

लखनऊ। कोरोना वायरस के संक्रमण से निपटने के लिए योगी सरकार द्वारा की जा रही कोशिशों के बीच गुरुवार को 14 कोरोना वायरस के संक्रमित मरीज ठीक होकर अपने घर जा चुके हैं। इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस सेल के मुताबिक प्रदेश में चीन से लौटने वाले 37748 यात्री अभी तक चिन्हित किए गए हैं। जबकि 12 चिन्हित देशों से यूपी लौटने वालों की संख्या 37196 पहुंच गई है। सेल के मुताबिक गुरुवार को कोरोना से मिलते जुलते लक्षणों के आधार पर 592 लोगों को चिन्हित किया गयाए 97 लोगों को कोरोना से मिलते जुलते लक्षण के चलते हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। सेल के अनुसार 33678 लोगों ने अपने 28 दिन के आब्जर्वेशन पीरियड को पूरा कर लिया गया है। कुल 1937 सैंपल टेस्ट के लिए भेजे गए हैं। प्रदेश में अभी तक आगरा से 9, गाजियाबाद से 3, नोएडा से 14, लखनऊ से 8, लखीमपुर, मुरादाबाद, वाराणसी, कानपुर, पीलीभीत, जौनपुर और शामली, बागपत से 1-1 कोरोनावायरस के पॉजिटिव मरीज मिल चुके हैं। कुल मिलाकर अभी तक इनकी संख्या 43 है जिनमें 14 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। इसके अलावा 1819 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। 75 मरीजों की रिपोर्ट का इंतजार है सेल के मुताबिक अभी तक 26369 लोगों की एयरपोर्ट पर और बॉर्डर चेक पोस्ट पर 1546975 यात्रियों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है।

विशेष पैकेज का प्रदेश के गरीब तबके को मिलेगा सीधा लाभः शाही

● कृषि मंत्री ने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत उपलब्ध कराए गए 1 लाख 70 हजार करोड़ के पैकेज के लिए प्रधानमंत्री का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इसका सीधा लाभ प्रदेश के गरीब तबके को मिलने जा रहा है ए जिनकी संख्या लगभग 8 करोड़ है। भारत सरकार द्वारा जारी किये गये इस पैकेज से किसी गरीब को अन्न एवं धन की कमी से नहीं जूझना पड़ेगा।

कृषि मंत्री ने कहा कि रबी की फसलों की कटाई कुछ दिनों में शुरू होने वाली है। जिलों में हार्वेस्टर तथा अमिकों द्वारा फसलों की सुरक्षित कटाई की व्यवस्थाओं के लिए व्यवस्था की जाएगी। जायद फसलों तथा वसंत कालीन गन्ना की बुवाई के लिए बीज ये उर्वरक पेस्टिसाइड आदि की आपूर्ति आवश्यक वस्तुओं की श्रेणी के रूप में उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही गन्ना की मिलों को बेरोकटोक आपति के निर्देश दिए गए हैं। सरकार द्वारा गेह की खरीद की तैयारी की गई है सरकार किसानों की समस्यायों के निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध उन्होंने बताया कि इस पैकेज के अंतर्गत मनरेगा मजदूरों की दिहाड़ी 182 रुपये से। बढ़ाकर 202 रुपये कर दी गयी है। साथ ही प्रदेश के गरीबों को अनुमन्य राशन के अतिरिक्त। निःशुल्क 5 किलो गेंहू या 5 किलो चावल और 1 किलो दाल दिए जाने की व्यवस्था की गई।

उज्ज्वला योजना के तहत आने वाली महिलाओं को 3 माह तक मुफ्त सिलेंडर दिए जाने का फैसला लिया गया है। वृद्धजन एवं निराश्रित महिलाओं को आगामी 3 माह के लिए एक-एक हजार रुपये अतिरिक्त पेशन दिए जाने का भी निर्णय लिया गया है। कृषि मंत्री ने बताया कि जनधन खाताधारको को 500 रुपये अगले तीन माह तक दिए। जाने का निर्णय लिया गया है, जिससे लगभग प्रदेश की 20 करोड़ से अधिक जनता को इस लॉक डाउन की स्थिति से राहत मिलेगी। राहत पैकेज के अंतर्गत हेल्थ वारियर्स को 50 लाख का मेडिकल बीमा की सुविधा अनुमन्य की गई है ये जिसका लाभ 20 लाख मेडिकल कर्मियों को मिलेगा। इसके अतिरिक्त रजिस्टर्ड 63 लाख स्वयं सहायता समूहों को एनआरएलएम के माध्यम से 10 लाख रुपये के स्थान पर 20 लाख रुपये दिए जाएंगे।

जमात के साथ नहीं पढ़ी जाएंगी नमाजः वसीम रिजवी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष रिजवी ने कहा कि शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने अपने सभी मुतवल्ली को अवगत करा दिया है कि किसी भी मस्जिद लॉकडाउन के दौरान जुमे की नमाज या रोज़मर्रा की नमाज जमात के साथ नहीं पढ़ी जाएंगे अगर कोई भी मुतवल्ली बोर्ड के इस निर्देशों की अनदेखी करता है या धार्मिक भावनाओं में बहकर कर चुपे चोरी नमाज़ जमात से करवा कर भीड़ जमा करता है, तो बोर्ड उस मुतवल्ली और नमाज पढ़ाने वाले मुल्ला के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा कर जेल भेजा जाएगा। शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष वसीम रिजवी ने कहा कि यह नियम जब तक के लॉकडाउन है, तब तक लागू रहेगा और सख्ती से लागू किया जाएगा। नियम तोड़ने वाले को बख्शा नहीं जाएगा क्योंकि यह जनहित से जुड़ा मामला है।

गरीबों का मज़ाक उड़ना बंद करें वाराणसी डीएमः कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बनारस में कोइरिपुर में घास खाने पर मजबूर मुसहर समुदाय के लोगों की खबर छापने पर पत्रकार विजय विनीत को वाराणसी डीएम द्वारा भेजे गए नोटिस की कड़ी निंदा की है।

गौरतलब है कि लॉकडाउन के बाद वाराणसी के कोइरिपुर मुसहर बस्ती में तीन दिन से चूल्हा नहीं जला। बस्ती में सेनिटाइजर और मास्क की बात तो बेईमानी है, हाथ धोने को साबुन तक मयस्सर नहीं था। एक अखबार के पत्रकार विजय विनीत की रिपोर्ट ने यह तथ्य उजागर किये तो वाराणसी डीएम ने उनको नोटिस भेज दिया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने जारी प्रेसनोट में कहा कि विजय विनीत पत्रकारिता जगत में अपने ईमानदारी और बेहतरीन रिपोर्ट्स के लिए जाने जाते हैं।

उन्होंने ने लॉक डाउन के बाद हो रही समस्याओं को उजागर किया, प्रशासन और शासन को तो उनका शुक्रगुजार होना चाहिए लेकिन अब उनके ऊपर ही नोटिस भेजा गया है जोकि निंदनीय है। किसी भी प्रकार का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पराग ने की डोर-टू-डोर दूध वितरण की व्यवस्था

पायनियर समाचार सेवा लखनऊ

पराग ने जनता की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुये शासन की मंशा के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों में घर.घर तक दूध पहुंचाने का कार्य जोर.शोर से शुरू कर दिया है। उल्लेखनीय है कि 2 दिन पूर्व ही पराग नारायण रोड स्थित कार्यालय में उमेश सिंह तोमर अध्यक्ष दुग्ध संघ लखनऊ द्वारा द्वारा बैठक कर इस संबंध में सख्त निर्देश दिए गए थे कि मौजूदा विकट स्थिति को देखते हुए प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप कहीं भी किसी भी क्षेत्र में दूध की कमी लोगों को ना होने पाए इस दिशा की पूर्ति के लिए पराग में डोर टू डोर दूध पहुंचाने का निर्णय लिया था इस क्रम में बुधवार को अध्यक्ष दुग्ध संघ लखनऊ द्वारा दिये गये निर्देशो के अनुपालन में मृत्युजय सिंह महाप्रबन्धक दुग्ध संघ लखनऊ ने शहर के कैन्टोन्मेंन्ट ऐरिया, सेना की सभी 25 कालोनियो में तथा निलमथा के आसपास, ऐशबाग, खदरा डालीगंज, सहादतगंज, चारबाग, राजेन्द्र नगर गनेशगंज, मोहनलालगंज आदि क्षेत्रो में एजेन्टो वितरको तथा सीधे डोर टू डोर दुग्ध सप्लाई की व्यवस्था प्रारम्भ कर दी है । मृत्युजय सिंह ने बताया कि गुरुवार 27 मार्च को इन क्षेत्रों के साथ ही अन्य क्षेत्रो में भी ईरिक्शा के माध्यम से डोर टू डोर दुग्ध सप्लाई की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। महाप्रबन्धक ने कहा कि शहर के वे मोहल्ले, कालोनिया, अपार्टमेन्ट जहां भी जनता को दुग्ध मिलने मे कठिनाई हो रही है वे थोक सप्लाई प्राप्त करने हेतु मोबाईल नं 95111 51082 से पार्थसार्थी प्रभारी विपणन से सम्पर्क कर सकते है।

स्वास्थ्य विभाग को मिले 970 नए डॉक्टर

लखनऊ। कोरोना वायरस की दहशत के बीच गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग को 970 नए डॉक्टर मिल गए हैं । लोक सेवा आयोग से चयनित होकर भेजे गए 2000 डॉक्टरों में से 970 डॉक्टरों को विभिन्न प्राथमिक व सामुदायिक स्वस्थ्य केंद्रों पर तैनात कर दिया गया है।चिकित्सा व स्वस्थ्य विभाग के उप सचिव शिव गोपाल सिंह ने इनकी तैनाती के आदेश जारी कर दिए हैं। इन 970 डॉक्टरों में से 92 विशेषज्ञ डॉक्टर हैं। इन्हें कोरोना वायरस की महामारी के चलते तैनाती स्थल पर नहीं भेजा गया है, यह अभी स्वास्थ्य महानिदेशक के अधीन काम करेंगे।

शिक्षकों के अंतरजनपदीय ट्रांसफर की प्रक्रिया स्थगित

कोरोना वायरस के कारण हुए लॉकडाउन में बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के ऑनलाइन अंतर्जनपदीय तबादले एवं पारस्परिक ट्रांसफर की प्रक्रिया स्थगित कर दी गई है। साथ ही 68500 भर्ती प्रक्रिया में जिन अभ्यर्थियों से 24 से 27 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन लिए जाने थे उसे भी स्थगित कर दिया गया है। सचिव रूबी सिंह के अनुसार दोनों प्रक्रिया अग्रिम आदेशों तक रोक दी गई है।

रालोद ने सरकार से की भोजन, पानी और चिकित्सा व्यवस्था की मांग

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने दिल्ली एनसीआर और नोएडा से पैदल ही अपने घर आ रहे मजदूरों के भोजन पानी और चिकित्सा की व्यवस्था कराने की मांग सरकार से की है। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांग की है कि दो वक्त की रोटी के लिए ये लोग हजारों की संख्या में अपना घर द्वार छोड़कर कमाने गए थेए अब देश बंदी होने की वजह से इनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है इनके लिए ना तो रहने की जगह है और ना ही खाने पीने की व्यवस्था है। ऐसे में यह मजदूर पैदल ही हाईवे के रास्ते अपने-अपने घरों को बच्चों को कंधे पर बैठाए हुए भूखे प्यासे चल रहे हैं और इन्हें दो.तीन दिन से भोजन नसीब नहीं हुआ है। दुबे ने सरकार से मांग की है कि हाईवे के रास्ते अपने.अपने घरों को जा रहे मजदूरों के खाने.पीने की व्यवस्था के साथ-साथ कोरोना से बचने के उपायों और जांच की व्यवस्था के साथ इनको इनके घरों तक पहुंचाने की व्यवस्था तत्काल कराई जाए। दुबे ने प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र बनारस में मुसहरो की बस्ती कोइरीपुर में लोगों के घास खाने की घटना को सरकार के लिए शर्मनाक बताते हुए कहा है कि यहां सैनिटाइजर और मास्क तो दूर, हाथ धोने के लिए साबुन तक नहीं है।

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, प्रधान कार्यालय-4 ए, गोखले मार्ग, लखनऊ। **तिथि विस्तारण सूचना** म0वि0वि0नि0लि0 के अन्तर्गत विभिन्न सामग्रियों के क्रय हेतु आमंत्रित अधोलिखित निविदा विशिष्टियों में ई-निविदा वेबसाइट पर निविदा प्रस्ताव अपलोड/जमा किये जाने एवं निविदा प्रस्ताव का भाग-1 खोले जाने की तिथि को अपरिहार्य कारणवश निम्नानुसार विस्तारित किया जाता है :- **क्र0सं0** 1, **क्रय/कार्य का विवरण :** 33KV O.D. Type CT, **ई-निविदा संख्या** : मेडको / 2494 / 2020, **निविदा ई-टेण्डर वेबसाइट पर अपलोड करने की विस्तारित तिथि एवं समय** 04.05.2020 को 13.00 बजे, **निविदा भाग-1 खोलने की विस्तारित तिथि एवं समय :** 05.05.2020, समय : 14.00 बजे। **क्र.सं.** 2, **क्रय/कार्य का विवरण :** 11KV VCB, **ई-निविदा संख्या** : मेडको / 2495 / 2020, **निविदा ई-टेण्डर वेबसाइट पर अपलोड करने की विस्तारित तिथि एवं समय** 05.05.2020 को 13.00 बजे, **निविदा भाग-1 खोलने की विस्तारित तिथि एवं समय :** 06.05.2020, समय : 14.00 बजे। **क्र.सं.** 3, **क्रय/कार्य का विवरण :** 11 Meter STP, **ई-निविदा संख्याः** मेडको/2496/2020, **निविदा ई-टेण्डर वेबसाइट पर अपलोड करने की विस्तारित तिथि एवं समय** 04.05.2020 को 13.00 बजे, **निविदा भाग-1 खोलने की विस्तारित तिथि एवं समय :** 05.05.2020, समय : 14.00 बजे। निविदा की अन्य सभी नियम एवं शर्तें यथावत् रहेंगी। **अधीक्षण अभियन्ता, (सा0प्र0-प्रथम) म0वि0वि0नि0लि0, 4-ए, गोखले मार्ग लखनऊ** पत्रांक-72, दिनांक-26.03.2020, म0वि0वि0नि0लि0, हेल्पलाईन नं0 - 18001800440, **"राष्ट्रहित में बिजली बचाए"**

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत जानपद निर्माण खण्ड - प्रथम, 33/11 के0वी0 उपकेन्द्र, पुरनियाँ, अलीगंज, लखनऊ। **निविदा समय विस्तारण सूचना** अधिशासी अभियन्ता विद्युत जानपद निर्माण खण्ड-प्रथम के कार्यालय द्वारा आमंत्रित ई-निविदा सूचना संख्या-12/ईसीसीडी-1/2019-20 के अन्तर्गत समस्त ई-निविदाओं को दिनांक 04.04.2020 को खोला जाना था, परन्तु अपरिहार्य कारणोवश ई-निविदा की समस्त ई-निविदाओं का समय विस्तार करते हुए दिनांक 28.04.2020 को सायं 05.00 बजे तक डाली / अपलोड की जा सकती है। प्राप्त निविदाओं को दिनांक 29.04.2020 को शाम 03.30 बजे से तकनीकी भाव-पत्र (भाग-प्रथम) खोला जायेगा, जिसके मूल रूप से परिक्षणोपरान्त उपयुक्त पाये गये निविदादाताओं के वित्तीय भाव-पत्र (भाग-द्वितीय) खोले जायेंगे। अन्य शर्तें यथावत् रहेंगी। **अधिशासी अभियन्ता विद्युत जानपद निर्माण खण्ड - प्रथम, उ0प्र0 पावर कारपोरेशन लि0, प्रथम तल, 33/11 के0वी0 उपकेन्द्र, अलीगंज, लखनऊ।** पत्रांक 726/ई.सी.सी.डी.-।/टी-5, दिनांक-26.03.2020 **"राष्ट्रहित में बिजली बचायें"**

पैरामेडिकल और नर्सिंग कॉलेजों के स्टूडेंट्स के अवकाश निरस्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में कोरोनावायरस से उत्पन्न निजात पाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बीच इस लड़ाई में प्रदेश के सभी सरकारी व निजी पैरामेडिकल सहित नर्सिंग कॉलेजों के छात्रों के अवकाश निरस्त कर दिए गए हैं। शासन स्तर पर जारी आदेश में कहा गया है कि अगले आदेश तक किसी भी प्रकार का अवकाश नहीं दिया जाएगा।

शासन स्तर पर विशेष सचिव आलोक कुमार पांडे की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है कि यह आदेश कालेजों में पढ़ने वाले एमएससी और बीएससी नर्सिंग व पैरामेडिकल पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं पर लागू होगी। कोरोना वायरस की लड़ाई में सभी छात्रछात्राएं कोरोना वायरस से बचाव एवं रोकथाम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं।

निजी अस्पताल और नर्सिंग होम से मांगा ब्योरा

सीएमओ डॉ नरेंद्र अग्रवाल ने बताया कि राजधानी के निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम संचालकों से भी स्टाफ का ब्योरा बिंदुवार तथ्यों पर मांगा गया है। सीएमओ का कहना है कि ब्योरा लेकर जरूरत के हिसाब से उन लोगों की भी सहायता कोरोना से बचाव, जागरूकता और संभव हुआ तो इलाज में मदद ली जा सकती है।

दो लाख प्रशिक्षित बेरोजगार स्टाफ को काम देने की मांग

राजकीय नर्सेज संघ उत्तर प्रदेश के महामंत्री अशोक कुमार ने सरकार से मांग की है कि पूरे प्रदेश में दो लाख प्रशिक्षित बेरोजगारों को काम में लाया जाए। यह नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ पढ़ाई व प्रशिक्षण के बाद पंजीकरण कराकर घरों में बैठा है। उन्होंने बताया कि पंजीकृत नर्सेज एवं मिडवाइफ के लगभग दो लाख प्रशिक्षित लोग घरों में बैठे हैं। इनमें एमएससीए बीएससी नर्सिंग के 14 हजार, जीएनएम के 90 हजार, एएनएम के 70 हजार, पैरामेडिकल 29 हजार, टेक्नीशियन व फार्मासिस्ट हैं।

अस्पतालों की इमरजेंसी ओपीडी में सोशल डिस्टेंसिंग की लक्ष्मण रेखा

● लोहिया, बलरामपुर अस्पताल सहित कई अस्पतालों ने बनाई मरीजों के बीच दूरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए अस्पतालों ने सोशल डिस्टेंसिंग का सहारा लेना शुरू कर दिया हैए जिससे अस्पताल आने वाले मरीजों में से एक मरीज से दूसरे मरीज में इसके संक्रमण को रोका जा सके। गुरुवार को राजधानी के डॉक्टर राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान सहित बलरामपुर अस्पताल व कई अस्पतालों में सोशल डिस्टेंसिंग के तौर पर इमरजेंसी में लक्ष्मण रेखा देखने को मिली। सोशल डिस्टेंसिंग के लिए लक्ष्मणरेखा का फार्मूला लागू करने वाले अस्पताल के निदेशकों का कहना है कि इसके जरिए कोविड.19 को फैलने से रोका जा सकता है। एक मरीज से दूसरे मरीज के बीच एक मीटर की दूरी पर बनाई गई लक्ष्मणरेखा के चलते अस्पताल आने वाले लोगों को भी कोई समस्या नहीं होगी। इस बारे में डॉ राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ एके त्रिपाठी ने बताया कि हमारे यहां इमरजेंसी में कैंसर की सिंकाई वाले मरीज भी पहुंचते हैंए क्योंकि उन्हें पहले से ही तारीख दी जा चुकी है। इमरजेंसी से ऐसे मरीजों को कैंसर विभाग में भेज दिया जाता है, ऐसे में सिंकाई के लिए एक साथ पहुंचने पर भीड़ हो रही थी। उन्होंने बताया कि कैंसर के मरीजों की सिंकाई भी करनी है और कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए उठाये जाने वाले प्रयासों को भी ध्यान में रखना है। इसके लिए संस्थान के डॉ मनीष सिंह के सुझाव पर इस तरह से सोशल डिस्टेंसिंग को मेन्टेन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था को मेन्टेन रखने के लिए डॉ मनीष इस पर पूरी नजर रख रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि सरकार और प्रशासन द्वारा जारी गाइडलाइन्स का पालन करना एक.एक जन का कर्तव्य है इसे पालन करें। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई सभी को मिलकर लड़नी है सभी को अपना योगदान देना है। वही बलरामपुर अस्पताल के निदेशक डॉ राजीव लोचन का कहना है कि इसके जरिए कोरोनावायरस के प्रसार को रोका जा सकता है और दूसरे मरीजों को अपने नंबर को भी लेकर कोई गलतफहमी नहीं होगी।

लॉकडाउन से एमएसएमई के अस्तित्व पर आया संकट

● आईआईए ने केंद्र सरकार को दिए सुझाव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने अपने 8000 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों एमएसएमई के लिए लॉकडाउन के कारण कठिन समय का एहसास करते हुए सरकारी खजाने पर बोझ डाले बिना कुछ कदम उठाने के लिए केंद्र सरकार को सुझाव प्रस्तुत किए हैं।

सरकार के लिए अपने प्रत्यावेदन में राष्ट्रीय अध्यक्ष आईआईए पंकज कुमार ने भारत में एमएसएमई की वर्तमान स्थिति को लेकर कहा कि 25 मार्च 2020 से देशव्यापी लॉकडाउन और उद्योगों को पूरी तरह से बंद करने के उपरान्त एमएसएमई को अपूरणीय क्षति होगी। प्रभावित एमएसएमई उत्पादन गतिविधियों को पूरा करने में असमर्थ होंगे और साथ ही कोई विद्युत शक्ति उपयोग नहीं होगा, फिर भी, सभी एमएसएमई को डिमांड, फिक्स्ड चार्ज, न्यूनतम शुल्क का भुगतान करना होगा। साथ ही सभी श्रमिकों को मजदूरी का भुगतान करना होगा। लॉकडाउन की अवधि के दौरान बैंक ऋण और ब्याज का भुगतान करने के साथ साथ अन्य सभी निश्चित लागतों को पूरा करना होगा। लंबे समय तक बंद रहने और सरकार के समर्थन के बिना इन एमएसएमई को सदमे से उबरने में बहुत मुश्किल हो सकती है।

आईआईए ने एमएसएमई के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के लिए रिटर्न भरने की तिथि को 30 जून से और अधिक बढ़ाने की बात कही है। आईआईए ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को भेजे अपने सुझाव में कहा है कि एमएसएमई के लिए बैंक ईएमआई और टीएल और सीसी पर ब्याज कोविद-19 के प्रभाव तक अथवा कम से कम छह महीने या उससे अधिक के लिए स्थगित किया जाना चाहिए। एमएसएमई को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के छह महीने के लिए 30 प्रतिशत तक अतिरिक्त कार्यशील पूंजी की अनुमति दी जानी चाहिए। हालांकि सीजीटीएमएसई ऋण के मामले में यह 50 प्रतिशत तक होना चाहिए। आईआईए ने कहा कि महामारी के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए कोई भी उद्यम को एनपीए घोषित न किया जाए। आरबीआई को अगले छह महीनों के लिए क्रेडिट रेटिंग को स्थगित करने के लिए अनिवार्य निर्देश जारी करना चाहिए ताकि एसएमई को कम ब्याज दरों पर वित्त मिल सके। वेतन और सेवाओं के भुगतान के लिए टीडीएस को छह महीने के लिए स्थगित किया जाना चाहिए। जीएसटी रिफंड को और तेज किया जाना चाहिए और डोकुमेंटेसन आवश्यकताओं को कम किया जाना चाहिए। पहले रद्द किए गए जीएसटी पंजीकरण को 30 सितंबर 2020 तक बिना किसी ब्याज, विलंब शुल्क, दंड के बहाली का समय दिया जाना चाहिए। सरकार को कर अधिकारियों को व्यक्तिगत सुनवाई के निर्धारण पर अस्थायी रोक लगाने के निर्देश भी देने चाहिए। अधिनिर्णय, अपीलीय अधिकारियों को एक्स पार्टी आदेश न जारी करने के निर्देश दिए जाने चाहिए। केंद्रीय श्रम मंत्री को भेजे अपने सुझाव में आईआईए ने कहा कि नियोक्ता द्वारा पीएफ, ईएसआई और ग्रेच्युटी भुगतान के लिए 6 महीने तक छूट प्रदान की जाए। विभागों द्वारा समयबद्ध अनुपालन के लिए नोटिस जारी नहीं करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री एमएसएमई नितिन गडकरी और केंद्रीय मंत्री वाणिज्य और उद्योग पीयूष गोयल को प्रस्तुत सुझाव में उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों, सरकारी उपक्रमों और बड़े उद्योगों को एमएसई द्वारा की गई आपूर्ति के लिए भुगतान तुरंत करने के लिए निर्देशित किया जाना चाहिए और किसी भी स्थिति में भुगतान में देरी एमएसएमईडी अधिनियम में निर्धारित 45 दिनों से अधिक के लिए नहीं होनी चाहिए। सभी संविदात्मक दायित्वों के लिए विलंबित वितरण या परियोजनाओं को पूरा करने के लिए राज्य और केंद्र सरकार की एजेंसियों द्वारा कोई दंड नहीं लगाया जाए। उद्यमी और राज्य, केंद्र सरकार के उपक्रम, विभाग के बीच हस्ताक्षरित किसी भी समझौता ज्ञापन के तहत परियोजनाओं के पूरा होने की अवधि को कोविड-19 के प्रभाव के समाप्त होने से न्यूनतम 3 महीने या आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

सीएमएस प्रधानाचार्याएं वीडियो कांफ्रेंसिंग से कर रहीं मार्गदर्शन

लखनऊ। ऐसे समय में जबकि पूरे देश में कोरोना वायरस के खतरे के कारण लॉकडाउन चल रहा है और स्कूल पूरी तरह से बंद कर दिये गये हैं, सीएमएस शिक्षक लेसन प्लान के अनुसार योजनाबद्ध एवं सुविधाजनक तरीके से छात्रों को ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करने में जुटे हैं।

इसके लिए सीएमएस प्रधानाचार्याएं प्रतिदिन वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिक्षण प्रक्रिया को छात्रों के लिए रूचिपूर्ण बनाने, लेसन प्लान तैयार करने एवं छात्रों को ई-लर्निंग हेतु प्रेरित करने के तौर-तरीकों पर विचार-विमर्श कर प्रबन्धन कर रही हैं। विदित हो कि कोरोना वायरस के खतरे के कारण स्कूल बंद होने के दौरान सिटी मोन्टेसरी स्कूल ने छात्रों की पढ़ाई के नुकसान को देखते हुए ई-लर्निंग का रास्ता अपनाया है, जिसके माध्यम से छात्र अपनी पढ़ाई जारी रख सकते हैं। इसी कड़ी में आनन्द नगर कैम्पस की प्रधानाचार्या सुश्री रीना सोटी ने शिक्षकों द्वारा कक्षा-8 व कक्षा-10 की गणित व अंग्रेजी की ई-लर्निंग शिक्षा का जूम एप के माध्यम से निरीक्षण किया। इसके उपरान्त उन्होंने जूम एप पर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम शिक्षकों के साथ मीटिंग कर छात्रों की प्रगति, उनकी रूचि एवं आगे की पढ़ाई हेतु लेसन प्लान पर चर्चा की।

इसी प्रकार, राजेन्द्र नगर (प्रथम कैंपस) की प्रधानाचार्या जयश्री कृष्णन ने अपने शिक्षकों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए ई-मीटिंग के लिए हर वैकल्पिक दिन तय किया है, जिसमें वे रणनीतियों पर चर्चा करती हैं और वह अपने छात्रों की प्रगति रिपोर्ट लेती हैं। वह अपने शिक्षकों द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं की देखरेख भी करती हैं। स्टेशन रोड कैम्पस की प्रधानाचार्या वीरा हजेला ने अपने स्कूल इंचार्ज एवं जूनियर व प्राइमरी सेक्शन के इंग्लिश टीचर्स के साथ एक गूगल हैंगआउट सेशन रखा, जिसमें उन्होंने स्कूल बंद होने के बावजूद सिलेबस को समय से खत्म करने पर चर्चा की।

गरीबों के लिए भोजन की तैयारी शुरू, अधिकारी नामित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शहर में बड़ी संख्या में रह रहे गरीबों को भोजन की तैयारी शुरू की है। डीएम द्वारा शहर को आठ जोन और ग्रामीण इलाके को तहसीलवार चार जोन में बांटा है। गुरुवार को नोवेल करोना वायरस से बचाव के लिए किए गए लॉक डाउन को देखते हुए जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने पूरे जनपद के नगरीय क्षेत्र को 8 जोन और ग्रामीण क्षेत्र को तहसीलवार 4 जोन में बांटते हुए वहां पर आर्थिक तौर पर कमजोर लोगों, निराश्रितों, मजदूरों आदि को भोजन उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए हैं।

दैनिक मजदूरों, रेहड़ी, पटरी दुकानदारों को सहायता दी जाएगी। नगर निगम के कर अधीक्षको को जोनों की जिम्मेदारी दी है।इस कार्य में लगाई गई टीमों के द्वारा उप जिलाधिकारीयों की निगरानी में सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष ध्यान रखते हुए जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

अधिकारी एवं मोबाइल नंबर

1:- नगर निगम मुख्यालय लालबाग, सदानंद कर अधीक्षक 9415051035
2:- ऐशबाग वाटर वर्क्स रोड, उमाशंकर गुप्ता कर अधीक्षक 6389300050
3:- कपूरथला अनिल प्रकाश आनंद, कर अधीक्षक 6389300032
4:- हुसड़िया चौराहा, राजेन्द्र पाल कर अधीक्षक 6389300037
5:- चंदर नगर, संजय भारती कर अधीक्षक 6389300136
6:- ठाकुरगंज निकट दूधमण्डी, चंद्रशेखर यादव कर अधीक्षक 6389300043
7:- कन्वेंशन सेंटर इंदिरा नगर, आरएस कुशवाहा कर अधीक्षक 389300039
8:- साउथ सिटी बिजनौर रोड क्रासिंग, केशव प्रसाद कर अधीक्षक 6389300041

इन्हें मिलेगी सहायता

नगर निगम ने पटरी दुकानदार, रिक्शा चालक, किराये पर रिक्शा चलाने वालेए ट्राली चालक, लेबर अड्डे के दिहाड़ी मजदूर, टैम्पो, ऑटो, रिक्शा चलाने वाले चालक, फल-सब्जी मण्डी आदि में पल्लेदार, ठेला वाले, साप्ताहिक बाजार लगाने वाले दुकानदार एवं कार्यरत मजदूर, शहर में इक्का, तांगा चलाने वालों को संपर्क करने का निर्देश दिया है। इस श्रेणी में आने वाले व्यक्ति को अपने जोन से सम्बन्धित नगर निगम जोनल कार्यालयों में अपना आधार संख्या, बैंक खाता संख्या, बैंक का नाम व आईएफएस कोड, राशन कार्ड की प्रति उपलब्ध करानी होगी ताकि उनको सहायता प्रदान की जा सके।

हर वार्ड में कालाबाजारी रोकने के लिए टीमें तैनात

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लॉकडाउन की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने हर वार्ड में जरूरी सामानों की कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए टीमें तैनात की हैं जो राशन और दवाई की दुकानों की जांच करेंगी। जिलाधिकारी के मुताबिक लॉकडाउन के दौरान लोगों को राशन अनाज दवा और किसी अन्य जरूरी सामान की दिक्कत नहीं हो। इसके लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। जमाखोरी और कीमत से अधिक पैसे लेकर सामान बेचने वालों पर यह टीमें निगरानी रखेंगी।

कालाबाजारी रोकने के लिए जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश द्वारा प्रत्येक टीम में प्रशासन, नगर निगमए बांटमाप विभाग और खाद एवं रसद विभाग के कर्मचारी को रखा गया है। यह टीमें रोजाना फील्ड पर जाकर जांच करेंगी और अगर किसी इलाके में जरूरी सामानों को लेकर किल्लत हो रही होगी तो अधिकारियों को इस बारे में अवगत कराएंगे ताकि उसकी उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा सके। अगर किसी तरह की अनियमितता की शिकायत हो तो उसकी जांच कर संबंधित अधिकारी को रिपोर्ट देंगे। राजधानी में कोरोना वायरस लेकर कालाबाजारी और जमाखोरी का बाजार गर्म है। मास्क और सैनिटाइजर प्रिंट रेट से अधिक की कीमत पर बेचा जा रहा है। तमाम इलाकों में इस तरीके की शिकायतें आ चुकी हैंए हालांकि प्रशासन निर्देश दिए है कि इसके बावजूद दुकानदार मनमानी पर उतारू हैं। बीते दिनों ही निशातगंज में पुलिस प्रशासन ने छापा मारकर लाखों रुपए की नकली सैनिटाइजर बनाने की तरीका का भंडाफोड़ किया था। सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। जिला अधिकारी का कहना है कि क्वालिटी को कंट्रोल करने के लिए एफएसडीए की टीम लगाकर जांच कराई जाएगी। सीएमओ कार्यालय को भी इस बात की जानकारी को लेकर सतर्क रहने को कहा गया है।

● एफएसडीए करेगी मेडिकल स्टोर की निगरानी

पावर कारपोरेशन के कैश काउंटर खोलने के निर्देश को लेकर कर्मचारियों में आक्रोश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे देश में लाक डाउन कर दिया है लेकिन बिजली विभाग को लाकडाउन से कोई सरोकार नहीं है तभी विभाग द्वारा अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को फोन करके निर्देशित किया जा रहा है कि बिल जमा करने के लिए कैश काउंटर खोला जाए और उपभोक्ताओं को फोन करके उनके बिल जमा करने को कहा जाए।

मौजूदा समय में सड़क पर निकलने पर पुलिस के कोप भाजन का शिकार आम जन को होना पड़ रहा है। ऐसे में बिल जमा करने के लिए पावर कारपोरेशन के इस निर्देश को लेकर कर्मचारियों में आक्रोश उत्पन्न हो गया है। उप्र बिजली मज़दूर संगठन के प्रांतीय महामंत्री ने पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को पत्र लिखा कर इस बात पर नाराजगी जताई है की प्रबंधन कैश काउंटर कार्यालय खोलने जैसे एक नए तरह का तुगलकी फरमान जारी कर रहा है।

जहां एक ओर प्रधानमंत्री ने सभी को घर पर ही रहने की सलाह दी है व हर तरीके के साफ-सफाई रखने को कहा है लेकिन प्रबंधन इसे गंभीरता से नही ले रहा है। प्रबंधन के कॅश काउंटर खोलना, अनावश्यक कार्यालय खोलना तथा उपभोक्ताओं को फोन कर बिल जमा करने जैसे तुगलकी आदेश देना निश्चित रूप से कहीं न कहीं कोरोना से लड़ने की प्रधानमंत्री की मुहिम को कमज़ोर करती है।

● प्रबंधन का आदेश कहीं-न-कहीं पीएम की मुहिम को कमजोर करता है

दो शातिर चोर गिरफ्तार, 50 ग्राम स्मैक बरामद

लखनऊ। चिनहट पुलिस ने बीती रात दो शातिर चोरों को। धर दबोचा। पकड़े गए चोरों के पास से। 50 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई। प्रभारी निरीक्षक चिनहट ने बताया। कि बीती रात कस्बा इंचार्ज सुरेश पांडे की अगुवाई में मुख्य आरक्षीए अशोक कुमार मिश्रा सिपाही राजू शंकर सिंह व संघ प्रिय सिंह गश्त कर रहे थे उसी समय दो संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को दिखाई पड़े। प्रभारी निरीक्षक क्षितिज त्रिपाठी ने बताया कि टीम ने दोनों को रोकने का प्रयास किया तो दोनों शातिर चोर भागने लगे पुलिस ने दोनों को दौड़ाकर पकड़ लिया।आरोपियों ने अपना नाम और पता अलीगंज निवासी अमन बाल्मीकि व चमरा कॉलोनी, चिनहट निवासी जंग बहादुर निषाद बताया। जिनके पास से चोरी का सामान व 50 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई।

अवैध शराब के साथ दो गिरफ्तार

लखनऊ। चिनहट पुलिस ने बीती रात हरदासीखेड़ा गांव में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान अवैध कच्ची शराब, शराब बनाने के उपकरण व दो तस्करों को धर दबोचा। प्रभारी निरीक्षक चिनहट क्षितिज त्रिपाठी ने बताया कि चौकी इंचार्ज कमता जयप्रकाश यादव की अगुवाई में एसआई प्रमोद कुमार सिंह, एसआई मनीष कुमार वर्मा आकाश यादव, महिला सिपाही पूजा, महिला सिपाही नीरज रानी, सिपाही संदीप कनोजिया को मुखबिर खास से सूचना मिली थी कि हरदासीखेड़ा में अवैध कच्ची शराब बनाई जा रही है और धड़ल्ले से उसकी बिक्री की जा रही है। टीम मौके पर पहुंची और दो तस्करों को धर दबोचा। पकड़े गये आरोपियों ने अपना नाम व पता हरदासीखेड़ा निवासी विकास व गोपी बताया। जिनके पास से कच्ची शराब बनाने वाली सामग्री,10 लीटर अवैध शराब मिली। पुलिस न आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर दोनों को जेल भेज दिया।

भीड़ लगने पर दुकानदार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

लखनऊ। गुडम्बा के कल्याणपुर में दुकान के बाहर भीड़ लगी होने पर दुकानदार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई है। गुडम्बा के खत्री चौकी प्रभारी कौशलेंद्र सिंह के मुताबिक 23 मार्च की रात करीब 9 बजे यूनिटी सिटी चौराहे के पास स्थित बाजपेई किराना स्टोर पर देर शाम लोग भीड़ लगाए खड़े थे। जिस पर दुकानदार अमित कुमार को कोरोना वायरस को लेकर जागरूक किया गया और दुकान पर भीड़ न लगाए जाने की हिदायत दी गई। दरोगा के मुताबिक करीब एक घंटे बाद वापस आने पर दोबारा भीड़ इकट्ठा मिली। वहीं आरोपित दुकानदार का कहना है कि जब पुलिस आई थी तो वह दुकान बंद कर रहे थे। इसके बावजूद उसके विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर दी गई। इंस्पेक्टर गुडम्बा रीतेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि दरोगा कौशलेंद्र की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

घर के सामने बैठे बच्चे को कुत्ते ने काटा

लखनऊ। मड़ियांव के बसंत विहार कॉलोनी में गुरुवार को घर के बाहर बैठे बच्चे को घुमंतू कुत्ते ने नोच डाला। उसे गंभीर हालात में बलरामपुर अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर मौजूद न होने का हवाला देकर वापस कर दिया गया। मड़ियांव के बसंत विहार के निवासी ज्ञानू ने बताया कि उसका नौ वर्षीय बेटा शिवा गुरुवार को घर के गेट के पास बैठा था। तभी एक घुमंतू कुत्ते ने उसे दौड़ा दौड़ा कर काटा। मासूम के चिल्लाने पर किसी तरह से उसे बचाया जा सका। जिसके बाद उसे इलाज के लिए बलरामपुर अस्पताल ले जाया गया। लेकिन वहां मौजूद स्टॉफने डॉक्टर ने होने का हवाला देकर लौटा दिया। काफी प्रयास के बावजूद रैबीज के इंजेक्शन नहीं लगाए जा सके।

युवक ने लगाई फांसी, मौत

लखनऊ। राजधानी के गौतमपल्ली थाना क्षेत्र में गुरुवार को प्रातः कमरे को बंद कर एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर शव बाहर निकल वाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार मातिन पुरवा गौतमपल्ली निवासी ज्ञानवती ने गुरुवार की सुबह पुलिस को सूचना दिया कि दिनेश कुमार 26 ने घर मे फांसी लगा ली है। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे यस आई रामवीर सिंह ने बताया कि शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक अविवाहित था और गोल्फक्लब में काम करता था। मौके से कोई सुसाइड नोट नही मिला है जिससे मौत का कारण स्पष्ट नही हो सका है।

गाजीपुर पुलिस ने पांच दुकानों में हुई चोरी का किया खुलासा

लखनऊ। राजधानी की गाजीपुर पुलिस ने इलाके के मुलायमनगर बाजार में हुई पांच दुकानों का ताला तोड़कर हजारों की नकदी व कीमती समान चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए घटना में शामिल दो शातिरों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए गिरोह के मास्टर माइंड सुनील शेट्टी व एक नाबालिग मौके से अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। पुलिस ने भागे हुए शातिरों की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं। शातिरों के कब्जे से नकदी व घटना में प्रयुक्त समान बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार इंस्पेक्टर गाजीपुर बृजेश सिंह ने बताया कि 20 मार्च की देर रात गाजीपुर इलाके में स्तिथ मुलायम नगर बाजार में पांच दुकानों का शटर उठाकर हजारों की नकदी व सामान चोरी कर लिया था। इसी संदर्भ में इंस्पेक्टर के नेतृत्व में पुलिस टीम में शामिल दरोगा विजय शंकर सिंह, दीवान नागेंद्र सिंह परदीप चौधरी व घनश्याम राय को मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी करने वाले गिरोह के शातिर चोरी की नियत से सुष्मा हॉस्पिटल के पास मौजूद हैं। पुलिस ने मुखबिर की बात पर भरोसा किया और पहुंच कर दो शातिरों को दबोच लिया जबकि सरगना समेत एक अन्य नाबालिग मौके से भागने में सफल रहा। पुलिस पूछताछ में शातिरों ने अपना नाम सतरिख जनपद बाराबंकी निवासी छोटे लाल व उपरोक्त निवासी राहुल बताया। पुलिस का कहना कि गिरोह में शामिल सरगना सुनील शेट्टी व एक नाबालिग भागने में सफल रहा। पुलिस इनके कब्जे से चार हजार की नकदी एक अदद सब्बल पेंच कस बरामद किए हैं। पुलिस ने फरार शातिरों की गिरफ़्तारी के प्रयास शुरू कर दिए।

एसडीएम ने बंथरा व गौरी बाजार पहुंचकर लोगों को किया जागरूक

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर के उपजिलाधिकारी प्रफुल्ल त्रिपाठी ने कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए बुधवार को बंथरा और गौरी बाजार में पहुंचकर लोगों को जागरूक किया। इस दौरान उन्होंने आवश्यक वस्तु की दुकान व मेडिकल स्टोर पर पहुंचकर दुकानदार के अलावा लोगों को इसके बारे में विस्तार से बताया। श्री त्रिपाठी ने नागरिको से कहा कि दुकान पर सामान खरीदने के दौरान दुकानदार और खरीददार के बीच कम से कम एक मीटर से अधिक दूरी रखें। इसके अलावा दुकानन पर सामान खरीदने वालों को भी पंक्तिबद्ध तरीके से एक दूसरे से एक मीटर की दूरी पर ही खड़ा रखा जाए। उन्होंने कहा कि यही स्थिति मेडिकल स्टोर पर भी होनी चाहिए। उन्होंने एटीएम बूथ पर भी लोगों को यही बात अपनाने को कहा। इस दौरान उन्होंने बंथरा बाजार में मनोज जनरल स्टोर नाम की किराने की दुकान पर खुद चूने का गोला बनाकर दुकान मालिक और खरीददारों को बारीकी से समझाया। उन्होंने कहा कि किराना दुकानदार, मेडिकल स्टोर व अन्य आवश्यक वस्तुओं की दुकान पर दुकानदारों द्वारा यह व्यवस्था करनी चाहिए। तभी कोरोना वायरस से बचाव संभव है। एसडीएम प्रफुल्ल त्रिपाठी ने मौके पर मौजूद लोगों को मास्क लगाने के साथ ही किसी के संपर्क में आने पर खुद को सेनीटाइज करने को भी कहा।

कालाबाजारी करने से नहीं चूक रहे दुकानदार

सरोजनीनगर। कोरोना को लेकर जारी लॉक डाउन का सरोजनी नगर और बन्थरा के कुछ दुकानदार जमकर फायदा उठाने में जुटे हैं। आलम यह कि इक्का-दुक्का खुल रहीं दुकानों के दुकानदार जमकर लूट-खसोट मचा रहे हैं। शासन-प्रशासन के सख्त आदेशों के बावजूद भी इलाके में ऐसे कुछ दुकानदार कालाबाजारी करने में जुटे हैं। वह रोजमर्रा का सामान दुगने रेट पर बेचने से बाज नहीं आ रहे। यह कारनामा ज्यादातर राशन और सब्जी की दुकानों पर किया जा रहा है। गुरुवार को सरोजनी नगर, गौरी, स्कूटर्स इंडिया चौराहा, बंथरा और चिल्लावां बाजार के आसपास राशन की दुकानों पर दुकानदार गेहूं का आटा धड़ल्ले से दुगने रेट पर बेचते रहे। यही हाल मैदा और चीनी का भी रहा, जिसे दुकानदारों ने ग्राहकों को काफी अधिक दाम पर दिया। सब्जी का आलम यह रहा कि इलाके में खुली इक्का-दुक्का सब्जी की दुकान के दुकानदारों ने भिंडी 80 रुपए किलो व कद्दू 60 रुपए किलो में बेचा। इसी तरह मूली, नींबू और खीरा आदि प्रत्येक पीस 5 रुपए से 10 रुपए में धड़ल्ले से बेचते रहे, लेकिन सामान महंगा होने के बावजूद भी लोगों को मजबूरन खरीदना पड़ा। इन दुकानों पर राशन और सब्जियां खरीदने के लिए लोगों की काफी भीड़ उमड़ी। कई-कई दुकानों पर तो कुछ ही देर में सारा सामान खत्म हो गया। बताते चलें कि लॉक डाउन जारी होने के बाद ज्यादातर राशन और सब्जी की दुकानों पर से सामान खत्म हो चुका है और कहीं- कहीं पर दुकानदारों ने पुलिस की सख्ती के डर से ही अपनी दुकानें बंद कर रखी हैं। इस समय कुछ इक्का-दुक्का दुकानें खुल भी रही हैं, तो खरीददारों की अचानक भीड़ पहुंचने से दुकानों से सामान खत्म होता जा रहा है। गुरुवार को चिल्लावां बाजार के पास लगी कुछ सब्जी की दुकानों से थोड़ी ही देर में ग्राहकों ने सब खरीद लिया। जिसके चलते सब्जी खत्म होते ही दुकानदार अपनी दुकान बंद कर चला गया। यही हाल बंथरा में भी रहा।

पुलिस ने दिखाई सख्ती तो दुकानों पर पसरा सन्नाटा

सरोजनीनगर। कोरोना को लेकर जारी लॉक डाउन के लिए गुरुवार को सरोजनी नगर इलाके में पुलिस काफी सख्त रही। हालाकि बीते कई दिनों से चल रही पुलिस की सख्ती के बावजूद सुबह के समय बंथरा इलाके में लोगों की चहलकदमी नजर आई और दुकानों पर भी नियम कानून का उल्लंघन करते हुए ग्राहकों ने सामान की खरीदारी शुरू कर दी, लेकिन सड़क व दुकानों पर भीड़ बढ़ती देख पुलिस ने जैसे ही सख्ती दिखाई तो कुछ ही देर में दुकानों और सड़कों पर सन्नाटा छा गया। सरोजनी नगर के गौरी, स्कूटर इंडिया चौराहा, बंथरा बाजार, जुनाबगंज, कटीबगिया, बिजनौर और हरौनी आदि प्रमुख चौराहों और कस्बों में गुरुवार सुबह होते ही बेवजह घूमने वालों की भीड़ इकट्ठा होने लगी। लेकिन कुछ देर में ही गस्त पर पहुंची पुलिस ने अपनी सख्ती दिखाई तो सड़कों पर सन्नाटा छा गया। सुबह के समय राशन दुकानों और सब्जी की दुकानों पर भी लोगों की काफी भीड़ उमड़ी।

मरीजों की जगह सवारियां ढोती मिली एंबुलेंस सीज

संवाददाता। निगोहां

पुलिस ने देर रात टोल प्लाजा पर चेकिंग के दौरान एक एम्बुलेंस को पकड़ा जो मरीजों को नहीं बल्कि सवारियां लेकर जा रही थीं। एम्बुलेंस चालक ने पहले तो पुलिस को रौब में लिया लेकिन पुलिस की सख्त रवैया अपनाने पर बताया कि वह प्रयागराज से 400 रुपए में प्रति सवारी के हिसाब से लखनऊ ला रहा था । गाड़ी में कुल दस सवारियां थी पुलिस ने एम्बुलेंस को सीज कर दिया। वही एस आई शिवा कांत मिश्रा ने बताया कि जिले में जबरिया प्रवेश कर रहे 3 वाहनों का चालान व एक को सीज किया गया।

व्यापारियों के यहां खत्म हो रहा सामान

निगोहां कस्बे में किराने की दुकानों में परचून का सामान लगभग खत्म हो गया है ऐसे में दुकानदार अब सामान की ख़रीददारी कहा से करे कही जाने का कोई पास अभी तक जारी नहीं किया कही भी जाये तो उन्हें पुलिस आगे बढ़ने नही देती है। ऐसे में आम जनता को आने वाले समय में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

झुग्गी झोपड़ी में रहने वालों को खाने के पैकेट बांटे गए

कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने झुग्गियों में रहने वाले लोगों को फल दूध व खाने के पैकेट उपलब्ध कराया जहां कई दिनों से भूखे गरीबो के बच्चे टूट पड़े ।लोगों का मानना है कि प्रदेश सरकार सरकार अगर ग्रामीण क्षेत्रों में समय रहते ध्यान नहीं दिया तो हालात काफी बदतर होंगे। वहीं निगोहां में पुलिस द्वारा कोरोना वायरस में लोगो पर नियंत्रण को सफल बनाने में निगोहां उपप्रभारी ने पुलिकर्मियों को गुलदस्ता देकर उनका सम्मान किया।

नगर निगम ने किया चूने और कीटनाशक दवाओं का छिड़काव

सरोजनीनगर-लखनऊ। कोरोना वायरस की अफरा-तफरी के साथ ही लोगों में संक्रामक बीमारियों की भी आशंका उत्पन्न होने लगी है। इसी को लेकर सरोजनी नगर के राजा बिजली पासी द्वितीय वार्ड स्थित चिल्लावां मोहल्ले में बुधवार को नगर निगम विभाग द्वारा जगह-जगह चूने और कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया गया। इसके साथ ही मोहल्ले की गलियों की वृहद स्तर पर सफाई भी की गई।

राजा बिजली पासी द्वितीय वार्ड के पार्षद प्रतिनिधि शिवकुमार टाइगर की देखरेख में हुए इस कार्य की मोहल्ले वासियों ने काफी सराहना की। बताते चलें कि कोरोना को लेकर लोगों में काफी अफरा-तफरी होने के साथ ही संक्रामक बीमारी फैलने की आशंका बनी हुई है। जिसको लेकर गत दिनों चिल्लावां के लोगों ने संबंधित पार्षद राज वती रावत से इसकी शिकायत की थी। जिसके बाद पार्षद प्रतिनिधि शिवकुमार टाइगर के आदेश पर बुधवार को नगर निगम द्वारा चिल्लावां मोहल्ले की सभी गलियों में सफाई करने के साथ ही चूने और कीटनाशक दवा का छिड़काव किया गया।

कम्यूनिटी किचेन बनेगा गरीबों का सहारा

संवाददाता। मोहनलालगंज

लॉकडाउन में गरीबों को भुखमरी से बचाने के लिए मोहनलालगंज प्रशासन ने कम्यूनिटी किचेन का सहारा लेने की योजना तैयार की है। प्रशासनिक तंत्र एजनप्रतिनिधियो और समाजसेवियो की मदद से लगातार किचेन संचालित करने के लिए खाद्यान्न सामग्री जुटाई जाएगी। शुक्रवार से प्रशासन की टीम क्षेत्र का दौरा कर भुखमरी का शिकार गरीबो को लंच पैकेट वितरित करेगी। मोहनलालगंज में अचानक लॉकडाउन के बाद से आमदनी ठप हो जाने से गरीब परिवारो के सामने पेट पालने की समस्या खड़ी हो गई है । गरीब परिवारो को भुखमरी के संकट से उबारने के लिए मोहनलालगंज प्रशासन शुक्रवार से कम्यूनिटी किचेन की मदद से लंच पैकेट तैयार कराएगा। जिसके लिए तहसील और ब्लाक अधिकारियो की प्रशासनिक टीम के अतिरिक्त सभी प्रधान और समाजसेवियो से भी मदद ली जाएगी। एसडीएम पल्लवी मिश्रा ने बताया जिन गरीब परिवारो के पास खाद्यान्न सामग्री खरीदने की व्यवस्था नही है उन्हें खाद्यान्न प्राप्त होने तक प्रशासन की टीम प्रतिदिन लंच पैकेट उपलब्ध कराएगी। उन्होंने बताया कि ऐसे गरीब परिवारो को जनप्रतिनिधियो और जागरुक लोगो की मदद से चिन्हित कराया जा रहा है।

दान देने और मदद पाने के लिए हेल्पलाइन

मोहनलालगंज प्रशासन ने गरीबो के लिए शुरु की जा रही कम्यूनिटी किचेन संचालन में मदद करने के लिए हेल्पलाइन नंबर 9415795608 और 9452035220 जारी किया है। एसडीएम पल्लवी मिश्रा ने बताया विधायक मोहनलालगंज अम्ब्रीश पुष्कर ने किचेन के लिए 15 हजार रुपए की मदद दी है इस तरह तकरीबन 20 हजार रुपए एकत्र किए जा चुके हैं। उन्होने बताया गरीब और जरुरतमंद लोग इसी हेल्पलाइन नंबर पर फोन कर लंच पैकेट की मदद भी मांग सकते हैं। जबकि जागरुक लोगो से भी इस कार्य में मदद की अपील की गई है।

पंचायतों में भी कम्यूनिटी किचेन चलाने की तैयारी

बीडीओ भोलानाथ कनौजिया ने बताया आगे जरुरत पड़ी तो आवश्यकतानुसार ग्राम पंचायतो में भी सरकारी स्कूलो की रसोइयों की मदद से कम्यूनिटी किचेन संचालित किए जाएंगे। जिनसे गरीबो को लंच पैकेट वितरित कराए जा सके। उन्होंने बताया सभी सचिवो को बहानेबाजी छोड़कर अनिवार्य रुप से प्रतिदिन एक पंचायत में रहकर हालात पर बारीकी से नजर रखने की सख्त हिदायत दे दी गई है । कहीं से भी लापरवाही की शिकायत मिली तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। बीडीओ ने बताया सभी मनरेगा मजदूरो को कोटेदारो से मुफ्त खाद्यान्न दिलाया जाएगा। जिसकी कार्रवाई तेजी से चल रही है । इसके अतिरिक्त अन्य गरीबो के लिए प्रधान और सचिव को तैयारी करके रखने के स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं।

पंचायतों को सेनेटाइज करने का काम शुरू

संवाददाता। मोहनलालगंज

कोरोना को मात देने के लिए जिला प्रशासन ने पंचायतों को सेनेटाइज कराने की योजना पर काम शुरु करा दिया है। मोहनलालगंज की डेढ़ दर्जन पंचायतो में इसकी शुरुआत भी करा दी गई है। ब्लाक अधिकारियो को इस अभियान की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मोहनलालगंज समेत राजधानी के सभी ब्लाक की ग्राम पंचायतो को सेनेटाइज कराने के लिए डीएम अभिषेक प्रकाश और सीडीओ मनीष बंसल ने डीपीआरओ निरीश चन्द्र साहू समेत सभी बीडीओ और एडीओ पंचायत को संयुक्त जिम्मेदारी सौंपी है। जिसके तहत मोहनलालगंज की ग्राम पंचायत मदापुर एदयालपुर, राती, बैरीसालपुर, सलेमपुर अचाका, कांटा.करौंदी, मीरखनगर, खुजेहटा, निगोहां, भगवानपुर, कनकहा, गढ़ी मेंहदौली एलालपुर एतमोरिया, हुलासखेड़ा और अचलीखेड़ा में गलियो और नालियो को सेनेटाइज करने के लिए सफाईकर्मियो को

रसायन देकर जुटाया गया है। बीट इंचार्ज रामेन्द्र श्रीवास्तव और एडीओ पंचायत कमल किशोर शुक्ल लगातार इस मानीटरिंग कर बीडीओ भोलानाथ कनौजिया को रिपोर्ट कर रहे हैं। बीडीओ ने बताया एक.एक कर सभी पंचायतो को सेनेटाइज कराने की तैयारी है।

लालपुर में कर्मचारी की हालत बिगड़ी

गुरुवार को ग्राम पंचायत लालपुर में सेनेटाइजेशन कर रहे सफाईकर्मी राजकिशोर की अचानक हालत बिगड़ गई। जिसे अस्पताल ले जाकर उपचार कराया गया। बीडीओ ने बताया सभी कर्मचारियो को सेनेटाइजेशन के दौरान मुंह और आंखो को ढ़ककर रखने और हाथो में ग्लब्स पहनने के लिए कहा गया है।

सफाईकर्मियो को आवागमन की अनुमति देने की अपील

लॉकडाउन की वजह से मोहनलालगंज के कुछ सफाईकर्मियो को शहर से उनकी तैनाती वाली पंचायतो में आवागमन की अनुमति नही दिए जाने की शिकायत सामने आ रही है। इसके अतिरिक्त मोहनलालगंज क्षेत्र में भी कुछ जगह सफाईकर्मियो को आवागमन से रोंका जा रहा है। जिसे लेकर मिल रही शिकायतो पर ब्लाक प्रशासन ने पुलिस अफ्सरो से बिना पास के भी सफाईकर्मियो को आवागमन की अनुमति देने की अपील की गई है।

लॉकडाउन में दूध डेरी संचालकों पर मनमानी का लगा आरोप

निगोहां। लॉक डाउन के चलते अब दूध बेचने वालों पर संकट मंडरा रहा है जहां डेरी संचालक मनमानी पर उतर आए हैं ग्रामीणों ने बताया कि लाल पुर में खुली दूग्ध समिति में पशुपालको का दूध नहीं ले रहे हैं जिसके कारण पशु पालकों के सामने भुखमरी की समस्या खड़ी हो गई बताया जाता है कि इस ग्राम पंचायत में लगभग दो महीने पहले ही दुग्ध समिति की स्थापना की हुई थी। जहां ग्रामीण अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत बनाने के लिए दुधारू पशुओं को पाल कर दूध को दुग्ध समिति पर पहुंचाते थे। किन्तु सम्पूर्ण लाक डाउन के बाद से यहां तैनात सचिव अपनी मनमानीपर उत्तर आये। पशुपालको ने बताया कि प्रत्येक दिन दूध नहीं लिया जा रहा है। ग्रामीणों के सामने गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो गई है कि वह अपना दूध किसको दें। लाल पुर ग्राम पंचायत के दुग्ध उत्पादक किसानों में सरोज मिश्रा, राकेश वर्मा, मुकेश पाल, संतोष मिश्रा, सुन्नी सोनी, विमल गोस्वामी बिल्लेसवर गोस्वामी, अनिल सैनी सहित अनेक पशुपालकोंने बताया है कि दूध कहां लेकर जायें।

आधा दर्जन गांव के तकरीबन 84 परिवारों को बांटे खाद्यान्न के पैकेट

संवाददाता। मोहनलालगंज

लॉकडाउन की वजह से भुखमरी के मुहाने पर खड़े गरीबो के लिए गुरुवार को मोहनलालगंज पुलिस दरियादिली की मिशाल पेश करती नजर आई। इंस्पेक्टर जीडी शुक्ल की अगुवाई में पुलिस टीम ने तकरीबन आधा दर्जन गांव का दौरा कर सात दर्जन गरीब परिवारो को खाद्यान्न मुहैया कराया। मैसेज सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो कई समाजसेवी भी पुलिस की मुहिम के साझीदार बन गए। उन्होंने पुलिस के साथ मिलकर बेहद जरुरतमंद तीन दर्जन परिवारों को राशन सामग्री के लिए आर्थिक मदद मुहैया कराकर गरीबों के आंसू पोंछने में पुलिस के कंधे से कंधा मिलाकर साथ दिया। कोरोना वायरस को खदेड़ने के लिए पीएम नरेन्द्र मोदी की अपील पर लागू हुए लॉकडाउन ने गरीबो के घर चूल्हे ठण्डे होने की नौबत ला दी है। गुरुवार को इस तरह की सूचनाओं ने मोहनलालगंज इंस्पेक्टर जीडी शुक्ल और उनकी टीम की आंखों में आंसू ला दिए। आनन-फानन पुलिस अधिकारियो ने खाद्यान्न सामग्री का इंतजाम कराया फिर उनके छोटे-छोटे पैकेट तैयार करा दिए। पुलिस टीम मऊ ए बक्खाखेड़ा और सौसीरनखेड़ा में गरीबो की बस्ती पहुंची तो हकीकत देखकर उनकी आंखे नम हो गई । इंस्पेक्टर जीडी शुक्ल ने अपनी पूरी टीम के साथ कई घण्टे तक घूम-घूम कर आधा दर्जन गांव के तकरीबन 84 परिवारो को खाद्यान्न के पैकेट वितरित

कराए। जिसे लेकर सोशल मीडिया पर दिनभर पुलिस की जमकर सराहना होती रही।

समाजसेवियों ने भी मदद के लिए बढ़ाए हाथ

पुलिस की दरियादिली का मैसेज सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो समाजसेवी नीतिका द्विवेदी भी इस मुहिम में सहभागी बनने से खुद को रोक नहीं सकी। उन्होंने अपनी बचत के रुपयो से गरीबो की मदद की पेशकश कर डाली। जिसके बाद सब रजिस्ट्रार शालिनी अवस्थी एसडीओ संजय त्रिवेदी और समाजसेवी सत्येन्द्र मिश्र व सतीश जायसवाल ने भी इस पुनीत कार्य के लिए आर्थिक मदद देकर इस मुहिम को लगातार चलाने का शंखनाद कर दिया। देरशाम तक समाजसेवियों व पुलिस ने तकरीबन तीन दर्जन गरीब परिवारो को राशन सामग्री के लिए आर्थिक मदद सौंपी।

14 जवानों को लॉकडाउन तक उनके गृह जिले में ड्यूटी की मिली अनुमति

लखनऊ। प्रदेश पुलिस के कई जवान जो छुट्टी पर अपने घर गये थे वो लॉकडाउन के कारण अपने तैनाती वाले जिलों में नहीं पहुंच पा रहे हैं। ये जवान समाज को अपना योगदान देने के लिए लगातार अधिकारियों से संपर्क कर रहे थे। एडीजी 112 असीम अरुण ने बताया कि बुधवार सुबह से लेकर गुरुवार दोपहर तक 14 जवाना का उनक गृह जिले में ही पीआरवी पर इयूटी करने की अनुमति प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि बीते बुधवार की सुबह सबसे पहले महिला कांस्टेबल मनीषा पवार ने इस पहल की शुरुआत की थी। इसके बाद मुख्य आरक्षी हरीराम राजपूत को कानपुर नगर से झाँसी, कांस्टेबल अनुज कुमार व सोनू कुमार को लखनऊ से मेरठ में ड्यूटी करने की अनुमति 112 मुख्यालय की ओर से दी गई। लखनऊ में ही तैनात कृष्ण कुमार को लखनऊ से बुलंदशहर, संजीव कुमार को कानपुर नगर से झाँसी, राहल कश्यप को अमरोहा से बागपत, अविलाश को कानपुर देहात से मथुरा, अंकित कसाना को कानपुर नगर से गौतमबुद्धनगर में इनके गृह जिले में ड्यूटी करने की अनुमति एडीजी 112 ने प्रदान की है।

कार्यालय नगर पंचायत सिधौली (सीतापुर)
पत्रांक-420/न0पं0सिधौली/2019-20 दिनांक-25.03.2020
आदेश
कार्यालय नगर पंचायत सिधौली के पत्र संख्या - 412/न0पं0 सिधौली/2019-20 दिनांक 12.03.2020 द्वारा में 14वाँ वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन की धनराशि से अल्पकालिक निविदा सूचना का प्रकाशन किया गया था, जो COVID-19 (कोरोना वायरस) के संक्रमण के दृष्टिगत लागू लाकडाउन के कारण अग्रिम आदेशों तक स्थगित किया जाता है।
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत सिधौली
सीतापुर

संपूर्ण लॉकडाउन

दुनिया का सबसे बड़ा सामाजिक प्रयोग

भले ही यह थोड़ी देर से शुरू हुआ हो, पर यह दुनिया का सबसे बड़ा सामाजिक प्रयोग है। लगभग युद्ध जैसी सटीकता से प्रयोग किया जाने वाला यह दांव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बड़ा दांव है, लेकिन 1.3 अरब जनसंख्या वाला भारत अब तीन सप्ताह के राष्ट्रव्यापी लाकडाउन में है। मोदी ने इसकी घोषणा इसलिए की क्योंकि आने वाला समय कोविड-19 के 'संक्रमण का दुष्चक्र तोड़ने के लिए जरूरी है।' यह कदम अनेक विशेषज्ञों की सलाह पर इस उम्मीद में उठाया गया है कि इससे हमारे पहले से कमजोर स्वास्थ्य ढांचे पर ज्यादा जोर नहीं पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने स्वयं स्वीकार किया है कि पश्चिम से इसकी तुलना नहीं की जा सकती है। अपने चमत्कारी व्यक्तित्व का लाभ उठाते हुए उन्होंने हमें अपने घरों की लक्ष्मण रेखा पार न करने की जोरदार और प्रभावशाली पैरवी की है। उन्होंने अतिरिक्त स्वास्थ्यरक्षा उपायों के लिए 2 बिलियन डालर की घोषणा भी की है। हालांकि, यह निर्णय दुनिया की किसी सरकार द्वारा लिए निर्णय की तुलना में बहुत व्यापक है, पर यह अब भी बहुत कम है। भारत को फरवरी में ही लाकडाउन की घोषणा करनी चाहिए थी जब कोरोनावाइरस संक्रमण जंगल की आग की तरह फैल रहा था और लोग जानकारी नहीं दे रहे थे, एकान्तवास में नहीं जा रहे थे या इसे ज्यादा गंभीरता से नहीं ले रहे थे। सरकार ने अब परीक्षण सुविधाओं के विस्तार के साथ ही क्वेरेंटाइन केन्द्रों की संख्या बढ़ाने का काम शुरू किया है। हमें निपाह वाइरस संक्रमण सीमित करने में केरल के अनुभवों से सबक सीखने चाहिए थे। अब संकट हमारे सामने आ गया है तथा हर 6 दिन में मामलों की संख्या दूनी हो रही है। आशंका है कि इससे हम इटली और अमेरिका के रास्ते पर

पहुंच रहे हैं जहां हर तीन दिन में मामले दूने होते हैं। यदि ऐसा होता है तो हमारे अस्पताल मई के अंत तक या उसके पहले भर जाएंगे। भारत में प्रति 1000 जनसंख्या पर अस्पताल बिस्तरों की संख्या दक्षिण कोरिया के 11.5 की तुलना में केवल 0.7 है। कुछ राज्यों में दूसरों की तुलना में यह स्थिति जल्दी आ सकती है जब कोविड-19 मरीजों के इलाज के लिए उनके पास अस्पतालों में बिस्तर कम पड़ जाएं। हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा पेशेवरों की कमी है। हम डब्लूएचओ के प्रति 1000 जनसंख्या पर 1 डाक्टर के अनुपात से बहुत पीछे हैं, लेकिन अनेक अध्ययनों से स्पष्ट है कि शहरों में ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में प्रति 10,000 लोगों पर एलोपैथिक डाक्टरों की संख्या अधिक है। ऐसे में यह देखने की बात होगी कि हम अपनी 70 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या में ऐसे वाइरस संक्रमण से कैसे निपटते हैं जिसके बारे में कोई बहुत ज्यादा नहीं जानता है और यह हमें रोज आश्चर्यचकित करता है?

तथ्य यह है कि केन्द्र या तो अति-विश्वास का शिकार है या उसने स्थिति को बहुत गंभीरता से नहीं लिया है। शायद अगंभीरता ही कारण है क्योंकि एक कांग्रेस नेता ने फरवरी में महामारी के प्रति सरकारी प्रतिक्रिया की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि केन्द्र देश को यह संकेत दे रहा है कि वाइरस पर नियंत्रण है और यह स्थिति टाइटेनिक के कैप्टेन की तरह है जो यात्रियों से कह रहा था कि जहाज डूब ही नहीं सकता है। लेकिन स्वास्थ्य मंत्री ने इसका जवाब देते हुए तुलना को निरर्थक बताया था। शायद डब्लूएचओ ने भी हमें भ्रमित किया जो अब अत्यधिक चिन्तित है। इससे क्या सबक मिलता है? हमें अब तुलना करने के बजाय अपने अनुमानों और विशेषज्ञों व संसाधनों पर निर्भर रहना चाहिए। हमें न केवल सामाजिक क्षेत्र, बल्कि स्वास्थ्य को बजट में प्राथमिकता देनी चाहिए। हमें सिविल लाकडाउन के नायकत्व के साथ ही आपरेशनल क्षमतायें तेजी से बढ़ानी चाहिए।

तिब्बत में शुरू हो गया कामकाज

आश्चर्यजनक रूप से जब चीन में अभी लाकडाउन जारी है, तिब्बत की ढांचागत परियोजनाओं पर कामकाज शुरू हो गया है। भारत को सावधानी से इस घटनाक्रम पर नजर रखते हुए आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

क्लॉड अर्पी
लेखक भारत-चीन संबंधों के विशेषज्ञ हैं)

तिब्बत का एक व्यक्ति कोरोनावाइरस संक्रमण का पहला शिकार बना, लेकिन यह तिब्बत में न होकर हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में हुआ। 'द तिब्बत सन' के अनुसार, दलाईलामा के आवास स्थल मैक्लाडगंज के 69 वर्षीय तेंजिन चोफेल की मृत्यु 15 मार्च को अमेरिका से वापस लौटने के बाद हो गई। इसमें कहा गया था, 'कुछ दिन दिल्ली में ठहरने के बाद चोफेल 21 मार्च को टैक्सी से मैक्लाडगंज आ गए थे। 23 मार्च को उन्होंने सांस लेने में परेशानी की शिकायत की। इसके बाद उनको टांडा सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई।' इस बीच तिब्बत में स्थिति आश्चर्यजनक रूप से 'सामान्य' है।

चीन के अन्य प्रांतों के उलट इस पहाड़ी क्षेत्र में नोवल कोरोनावाइरस संक्रमण का केवल एक रोगी पाया गया। ये शुइझाओ शहर से आए 34 वर्षीय रोगी थे जो वर्तमान महामारी में सर्वाधिक प्रभावित प्रांतों में से एक है। उनको 12 फरवरी को अस्पताल से छुट्टी दी गई थी। शिनहुआ के अनुसार, 'उन्होंने 22 से 24 जनवरी तक वूहान शहर से ल्हासा तक ट्रेन से यात्रा की थी। 25 जनवरी की शाम उनको खांसी और बुखार की शिकायत पर अस्पताल में भर्ती किया गया था।' उनको 29 जनवरी को संक्रमित पाया गया था और 18 दिन के इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी।

कहना कठिन है कि यह प्रचार है या सत्य। लेकिन ऊंचा पठार बाकी मध्यवर्ती साम्राज्य कहे जाने वाले चीन से कम प्रभावित रहा। यदि तथ्य सही हैं तो वाइरस संक्रमण की महामारी धीमी पड़ने के बाद वैज्ञानिकों को इस परिघटना के बारे में तिब्बत में विस्तृत अध्ययन करना चाहिए।

तिब्बत में रोगियों की संख्या कम होने का एक कारण यह हो सकता है कि वहां अधिकारियों ने बीमारी से लड़ने के लिए तिब्बती चिकित्सा पद्धति का व्यापक प्रयोग किया। उदाहरण के लिए जब चीन के उत्तर-पश्चिमी प्रांति क्विंगहाई में तिब्बती बस्ती वाले क्षेत्रों में पिछले महीने इस संक्रमण के 18 पुष्ट मामले पाए गए तो इनमें से 17 रोगियों को तिब्बती चिकित्सा पद्धति-टीएम व परंपरागत चीनी चिकित्सा पद्धति-टीसीएम की दवायें मिलीं। ये दो स्वतंत्र परपरांगत चिकित्सा पद्धतियां हैं।

शिनहुआ में प्रांतीय स्वास्थ्य आयोग के एक अधिकारी हुआंग लिचिंग को यह कहते हुए बताया गया कि 'इलाज में तिब्बती चिकित्सा पद्धति ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। तिब्बती चिकित्सा के प्रांतीय अस्पताल ने तिब्बती औषधियों पर आधारित वाइरस-रोधी औषधियां तैयार की हैं। इनमें से 1000 को वाइरस महामारी के केन्द्र व सर्वाधिक प्रभावित हुबेई प्रांत में भेजा गया है।'इस आयाम का भी परीक्षण होना चाहिए। इसके साथ ही इस कठिन समय में भी बीजिंग ने तिब्बती स्वायत्तशासी क्षेत्र में अपनी प्राथमिकतायें प्रदर्शित की हैं और वह भी युद्ध स्तर पर। अनुमान लगाएं कि उसने क्या काम पहले शुरू किया? उसने भारतीय सीमा के निकट ढांचागत परियोजनाओं पर सबसे पहले जोर दिया।

20 फरवरी को चाइना तिब्बत आनलाइन ने जोर देते हुए बताया कि तिब्बत में ढांचागत परियोजनाओं पर काम जारी है। उसने ल्हासा-निंगची रेलवे पर 11.5 किलोमीटर लंबी मेनलिंग सुरंग का उदाहरण दिया। यह अरुणाचल प्रदेश के ठीक उत्तर में स्थित है। इस वेबसाइट के अनुसार, 'ल्हासा-निंगची रेलवे वर्तमान समय में सर्वाधिक जटिल भौगोलिक स्थितियों में बनाई जा रही है और यह पठार पर चीन में रेलवे निर्माण की सबसे जटिल परियोजना है।' मेनलिंग सुरंग के मार्च के अंत तक पूरी होने की उम्मीद है। वेबसाइट में बताया गया है, 'निर्माण प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान समय में सुरंग का अंतिम 60 मीटर हिस्सा खोदा जा रहा है। तिब्बत के लगभग 1881 कामगार ल्हासा-निंगची रेलवे बनाने के लिए सर्वोत्तम प्रयास कर रहे हैं। यहां ट्रेन की गति 160 किलोमीटर प्रति घंटा होगी और यह तिब्बत की पहली विद्युतीकृत रेलवे होगी।'

लेकिन आखिर इतनी जल्दबाजी क्यों हो रही है जबकि बाकी चीन अभी लाकडाउन में है? बीजिंग ने इस परियोजना पर 3.9 बिलियन डालर निवेश किए हैं और रेलवे लाइन अगले साल काम करने लगेगी। कामगारों ने 47 सुरंगों में से 44 का काम पूरा कर दिया है तथा रास्ते के 120 पुलों में से 119 पूरे हो गए हैं।

भारत के लिए एक और परियोजना चिन्ताजनक है। यह ल्होका की सांगरी काउंटी में स्थित यारलंग सांगपो या असम की भाषा में ब्रह्मपुत्र नदी पर बनने वाला डागू पनबिजली स्टेशन-एचपीएस है। इसकी क्षमता 660 मेगावाट होगी। इस परियोजना में दो बिलियन डालर निवेश किया गया है और यह केन्द्र सरकार द्वारा तिब्बत के आर्थिक व सामाजिक विकास के लिए शुरू की गई एक प्रमुख परियोजना है। यह उन तीन बांधों की श्रृंखला में शामिल है जो भारतीय सीमा से बहुत दूर नहीं हैं। कहा गया है कि वसंत उत्सव के समय भी इस कार्यस्थल पर 300 से अधिक कामगार काम कर रहे थे। बाद में अन्य कामगार भी निर्माणस्थल पर आ गए। घाटी में निर्माण कार्य तेजी से जारी है तथा एक विशाल पनबिजली स्टेशन अपना स्वरूप ले रहा है।

तिब्बत के दूसरे सबसे बड़े शहर शिगात्सू के निकट साकया काउंटी में एक और परियोजना है। इस विशाल जल परियोजना की शुरुआत 20 फरवरी को तिब्बत के पवित्र नव वर्ष लोसर के कुछ समय पहले हुई थी। एक चीनी वेबसाइट के अनुसार, 'यह तिब्बत की जल परियोजना के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा निवेश हे। इस परियोजना से सिंचाई, जल सप्लाई, बिजली उत्पादन तथा बाढ़ रोकने में सहायता मिलेगी। इस वर्ष तिब्बत में 179 परियोजनायें चल रही हैं और इनमें से कुछ पर काम शुरू हो गया है।'

3 मार्च को चार्टर्ड विमानों से कामगारों को मुख्यभूमि से तिब्बत लाया गया ताकि 'क्षेत्र में बड़ी परियोजनाओं का काम बहाल किया जा सके।' चीन की एक और आधिकारिक वेबसाइट तिब्बत आनलाइन ने उल्लेख किया कि टीवी 6031 उड़ान का प्रबंधन तिब्बत एयरलाइन्स ने निंगची शहर के हवाईअड्डे पर किया। इसमें कहा गया था कि झेजियांग प्रांत के 105 बिजली कर्मियों को उड़ान से लाया गया जिनको क्षेत्र के सर्वाधिक गरीब इलाकों में बिजली ग्रिड परियोजनाओं का काम दिया गया है। ऐसे अन्य चार्टर्ड विमान ल्हासा, शिगात्से व चामडो में उतरे।

एक तिब्बती बिजली कंपनी का हवाला देते हुए चाइना तिब्बत न्यूज़ ने 29 फरवरी को बताया था कि 338 निर्माण परियोजनाओं पर 2,800 कामगारों ने काम संभाल लिया है जो कुल परियोजनाओं का 75 प्रतिशत हैं। इनमें नागरी बिजली ग्रिड इंटरकनेक्शन परियोजना भी शामिल है जो उत्तराखंड व लद्दाख सीमा से बहुत दूर नहीं है। ऐसे समय जब बाकी चीन लाकडाउन का सामना कर रहा है, निर्माण परियोजनाओं पर काम शुरू होना आश्चर्यजनक है। आखिर ऐसी जल्दी क्या है? इसका जवाब देना कठिन है। कुछ सप्ताह पहले पीपुल्स लिबरेशन आर्मी-पीएलए द्वारा घुसपैठ की खबर नाकूला से आई थी जो उत्तरी सिक्किम के दक्षिण में है। इस क्षेत्र को एक निर्धारित व अविवादित क्षेत्र माना जाता है। यह सक्रियता शुभ संकेत नहीं है।

चीनी प्रचार मशीनरी ने वूहान में 'विजय' की घोषणा की है जिसमें पीएलए ने निर्णायक भूमिका निभाई थी। वह इस संकट से और मजबूत होकर निकली है। दुष्प्रचार अभियान के शिखर पर होने के बावजूद वर्तमान समय में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग आंतरिक व अंतरराष्ट्रीय रूप से बहुत कमजोर स्थिति में हैं। ऐसे में क्या वे आने वाले महीनों में पीएलए पर अपना नियंत्रण बनाए रखने में सफल होंगे?

केवल आने वाला समय ही इस सवाल का जवाब देगा। लेकिन तिब्बत में निर्माण परियोजनाओं में तेजी से काम शुरू होना निश्चित रूप से शुभ संकेत नहीं है। एक चीनी वेबसाइट ने एक फोटो फीचर प्रकाशित किया है। इसके कैप्शन में लिखा है, '11 मार्च, 2020 को दक्षिणपश्चिम चीन के शिजांग स्वायत्तशासी क्षेत्र में एक लाइव फायर प्रदर्शन में 4,500 मीटर की ऊंचाई तक विमान-रोधी राकेट दागे गए। यह काम पीएलए की शिजांग सेना कमांड से जुड़े आर्टिलरी ब्रिगेड ने मल्टिपल राकेट लांच सिस्टम्स द्वारा किया।' चीन कहेगा कि यह केवल एक रूटीन अभ्यास है, लेकिन भारत को इस पर सावधानी से नजर रखते हुए आवश्यक कदम उठाने चाहिए ताकि डोकलाम जैसी कोई समस्या फिर न पैदा हो।

कोविड-19 महामारी से आने वाले बदलाव

"कोविड-19 निश्चित रूप से दुनिया को सदा के लिए नहीं बदल देगा लेकिन इससे कुछ ऐसे बदलाव भी आएंगे जो कुछ मामलों में बेहतर साबित होंगे।"

गुइन डायर
(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

पत्रकारिता शिक्षा संस्थानों में पढ़ाया जाता है कि कभी इस मुहावरे का प्रयोग न करें, "अमुक कारण से दुनिया सदा के लिए बदल जाएगी।" अथवा कम से कम यह सिखाना तो चाहिए। कोविड-19 निश्चित रूप से दुनिया को सदा के लिए नहीं बदल देगा लेकिन इससे कुछ ऐसे बदलाव भी आएंगे जो दीर्घकालीन तथा कुछ मामलों में बेहतर साबित होंगे। यहां उनमें से कुछ का उल्लेख किया जा रहा है। पहला है, प्रदूषण के बड़े स्रोत के बंद हो जाने के कारण पिछले महीने में चीन के शहरों की हवा का स्वच्छ हो जाना। इससे कोरोनावायरस से गई जानों की तुलना में 20 गुना अधिक लोगों की जान बच जाएगी क्योंकि 1.1 मिलियन लोग वायु प्रदूषण के कारण चीन में प्रतिवर्ष मरते हैं। लोग इसे याद करेंगे जब प्रदूषित वायु की वापसी होगी और वे चाहेंगे कि उसके लिए कुछ किया जाए। भारत में भी वायु गुणवत्ता में ऐसे ही बदलाए देखने को मिलेंगे और मुझे विश्वास है कि वहां पर भी नागरिक जमीनी स्तर पर बदलाव चाहेंगे।

सूची में अगला नाम आता है आनलाइन खरीदारी का जो पहले से ही खुदरा दुकानों को नष्ट कर रही है। लाकडाउन के चलते लाखों-करोड़ों लोग, जो शायद ही आनलाइन शांपिंग करते हैं या कभी नहीं करते, करने लगेंगे। बहुत सी वेबसाइटें टूट चुकी अथवा अप्रैल के मध्य तक बुक हो चुकी हैं लेकिन मांग पूरी करने के लिए उनके पास बहुत समय है। एक बार जब उपभोक्ता आनलाइन शापिंग के आदी हो जाएंगे, तो उनमें से अधिकतर अपने परम्परागत माध्यम की ओर वापस नहीं जाएंगे, अत: खुदरा क्षेत्र की नौकरियां दुगनी गति से खत्म होंगी।

रेस्टोरेंटों के मामले में कोई तीव्र बदलाव नहीं होगा लेकिन मूलभूत रूप से कहानी वहीं होगी। खाद्य वस्तुएं ले जाने और होम डिलीवरी की प्रवृत्ति बढ़गी और सीट पर बैठने वाले लोग कम होंगे। आदतें बदलेंगी और बड़ी संख्या में लोग बाद में वापस नहीं आएंगे। मेज पर खाना परोसने की तुलना में द्वार पर खाद्य वस्तुएं मुहैया होने पर नकदी प्रवाह कम होता है जिससे आधे वेटरों की नौकरियां चली जाएंगी। दुनियाभर में गंभीर रूप से रेस्टोरेंट बंद होने लगेंगे, जिससे नौकरियां कम हो जाएंगी।

एक बार यह स्पष्ट हो जाने पर कि घर से काम करना कई नौकरियों के मामले में वाकई संभव है, तो लोगों के लिए अधिकतर दिनों में काम पर न जाना सामान्य बात हो जाएगी। इससे आवागमन में गिरावट आएगी, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम हो जाएगा और कोरोना का प्रकोप समाप्त होने के पश्चात अंतत: नगरीय केंद्रों में बहुत से कार्यालय खाली हो जाएंगे।

फिर मंदी की स्थिति आएगी, निश्चित रूप से, लेकिन उतनी बुरी नहीं होगी जितनी बुरी व लंबी मंदी से हालत 2008 के आर्थिक पतन के बाद हुई थी। इस बार यह बाजार का पतन नहीं है जिससे लोगों की नौकरियां छिनी हों। यह एक विषाणु था जिसने उन्हें काम करने से रोक दिया और सरकारें कार्यरत लोगों को बनाए रखने के लिए पूर्व की तुलना में कहीं ज्यादा प्रयास कर रही हैं मगर समय लंबा होगा क्योंकि दुनिया इस घातक कोरोनावायरस को मात देने के प्रयास में लगी हुई है। जब वायरस पर अंतिम रूप से अंकुश लगा लिया जाएगा, और ऐसा अंतत: होना ही है, और वे काम पर वापस जा सकेंगे, लेकिन अधिकतर मामलों में काम बना रहेगा। यद्यपि कुछ खरब डॉलर का अतिरिक्त कर्ज लद जाएगा।

कर्ज की चिंता मत कीजिए। बैंकों ने सदैव उतना धन सृजित किया हे जितनी कि सरकार को आवश्यकता होती है। अर्थव्यवस्था में बहुत ज्यादा धन झोंक देने से मुद्रास्फीति पैदा होगी, जो बुरी होती है, लेकिन स्थानापन्न करना जिसे लोग साधारण रूप से कमा रहे हों जिससे कि अर्थव्यवस्था सुस्त न हो जाए, अच्छा होता है। अत: राष्ट्रपति मैक्रों फ्रांसीसी जनता को बता कसते हैं कि किसी बिजनेस को, छोटे या बड़े, कंगाल नहीं होने दिया जाएगा। प्रधानमंत्री जॉनसन ब्रिटिश जनता से कह सकते हैं कि सरकार उन्हें उनकी सामान्य आय का 80 प्रतिशत भुगतान करेगी, 2500 पौंड प्रतिमाह तक, यदि उनका काम हाथ से चला गया हो। और राष्ट्रपति ट्रंप अपनी आभारी जनता पर हेलीकाप्टर से धन वर्षा की बात कर सकते हैं।

यहां पर जो जाहिर किया जा रहा है वह गहरी सच्चाई है। आत्मसंयम, बजट को संतुलित करने के लिए कल्याणकारी राज्य की ओर वापसी, एक राजनीतिक एवं वैचारिक विकल्प है, आर्थिक आवश्यकता नहीं। सरकारें राज्य द्वारा मूलभूत आय गारंटी की ओर बढ़ रही हैं। सिर्फ संकट के दौरान, वे कहते हैं और यह कोई सार्वभौमिक मूलभूत आय नहीं बल्कि विचार दृढ़ता से पालन करने योग्य विचार है। हालांकि, यह अनुमान लगाने का विषय है कि कहीं अधिक जनसंख्या घनत्व वाले दक्षिण एशियाई देशों की सरकारें पश्चिमी देशों के उदाहरण का अनुसरण करेंगी या नहीं।

कोरोनावायरस से पैदा हुए संकट से एक और अच्छी चीज जो निकलकर आने वाली है वह है सामूहिक कार्रवाई एवं वृद्धों व गरीबों के लिए सरकार का संरक्षण जिसे खतरनाक उग्रवाद के तौर पर नहीं देखा जाएगा, यहां तक कि अमेरिका में भी। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद कल्याणकारी राज्यों का निर्माण विकसित राज्यों पर हुआ था। कोरोनावायरस के अंत के बाद उनका विस्तार किया जाएगार। निश्चित रूप से, यदि स्वास्थ्य कारणों से जो बिडेन राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर हो जाते हैं, बर्नी सैंडर्स के पास नवंबर में ट्रंप को हराने का अवसर होगा।

जलवायु संकट पर निर्णयात्मक कार्रवाई संभव हो जाएगी, क्योंकि हमने सीख लिया है कि बिजनेस जारी रहना पवित्र अवधारणा नहीं है। यदि हमें बिजनेस का तरीका बदलना है, तो हम कर सकते हैं। अत: यह एक बीमार हवा है जो बह रही है। कुछ प्रत्याशित बदलाव निश्चित रूप से अच्छे होंगे लेकिन हम लोंगों की मौतों के रूप में बड़ी कीमत चुकाने जा रहे हैं और इन लाभों के साथ नुकसान भी हो रहे हैं। इससे ज्यादा बेहतर ढंग से निबटा जा सकता था। और पश्चिमी जगत को कुछ विनम्रता सीखनी चाहिए। ताइवान, दक्षिण कोरिया और चीन ने पहले लड़खड़ाने के बाद संकट से निबटने का साहस यूरोप और उत्तरी अमेरिका से बेहतर दिखाया। इटली में चीन की तुलना में ज्यादा लोग मरे हैं, और अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी में भी वैसी ही स्थिति आएगी।

आप की बात

कोरोना से पीड़ित अर्थव्यवस्था

अर्थव्यवस्था पहले ही सुस्ती का शिकार थी। बीमारी फैलने के बाद इसमें और गिरावट की आशंका है। कोरोनावायरस ने पहले से ही सुस्ती का शिकार भारतीय अर्थव्यवस्था पर बड़ी चोट की है। निश्चित रूप से भारत को इससे उबरने में काफी समय लग जाएगा। आक्सफोर्ड इकोनोमिक्स' ने जनवरी-अप्रैल में भारतीय अर्थव्यवस्था की 3 प्रतिशत वृद्धि दर का अनुमान लगाया है जो अभूतपूर्व वैश्विक वित्तीय संकट के समय भी नहीं था। पहली बार रुपया गिर कर प्रति डालर 76 रुपये तक पहुंचा है। विदेशी निवेशकों ने अभूतपूर्व गति से भारतीय शेयर बेचना शुरू कर दिए हैं। आशंका है कि किसी न किसी रूप में लाकडाउन अप्रैल मध्य तक जारी रहेगा। भारत द्वारा बिजनेस, ट्रेन व विमान यात्रा खोलने तथा जनजीवन सामान्य होने में कई सप्ताह लगेंगे। इस वर्ष के मध्य तक कुछ अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक उड़ानें चलने लगेंगी और तब तक पश्चिमी यूरोप व अमेरिका में बीमारी कमजोर पड़ जाएगी। इससे विदेशों में रहने वाले भारतीयों तथा देश में उनके परिवारों को काफी तकलीफ होगी। विडंबना है कि इस बीच कई बच्चों के अपने माता या पिता के अंतिम संस्कार में भाग न ले सकने की दु:खद खबरें सामने आ सकती हैं।

– **नीलिमा सिंह**, लखनऊ

पाकिस्तान का पाखंड

वर्तमान समय में पाकिस्तान प्रतिबंध लगने के डर की वजह से आतंकी संगठनों व उनके मुचियाओं पर कार्रवाई करने का नाटक कर रहा है। पाकिस्तान को याद होना चाहिए कि 9/11 पश्चात, तालिबान को समर्थन जारी रखने की स्थिति में भीषण परिणाम झेलने की संभावनाओं को देखतु हुए, उसने अमेरिका के साथ सहयोग किया था जो वाशिंगटन के लिए यह मानने हेतु पर्याप्त था कि वह उसके साथ है। असलियत में, उसने ओसामा बिना लादेन, तालिबान व अलकायदा को पनाह देकर तथा 2003 से तालिबान को अफगानिस्तान के खिलाफ खुला खेल खेलने का मार्ग मुहैया कराके दोहरा खेल खेला, जब अमेरिकी संसाधन व ध्यान इराक में युद्ध की ओर केंद्रित हो गया। क्या पाकिस्तान समय काट रहा है और जमात उद् दाव, एफआईएफ तथा जैशे मोहम्मद साथ ही हाफिज़ सईद व मसूद अज़हर पर लगाए गए सारे प्रतिबंध हटा लेगा यदि अमेरिका आईएसआईएस व अलकायदा के साथ लड़ाई में व्यस्त हो जाता है? हो सकता है ऐसा कभी न हो। लेकिन इससे पाकिस्तान का बाज़ आना जाना जरूरी नहीं है। वह कभी भी भरोसे लायक नहीं रहा है।

– **सलीम अख्तर**, कानपुर

लॉकडाउन का पालन करें

आज देश की जनता के समाने ऐसी स्थिति आई है जो संभवत: नई पीढ़ी के लोगों ने न कभी देखी है न ही उाकी कल्पना की होगी। 21 दिनों का लाकडाउन घोषित किया गया है। सरकार के पास यह कदम उठाने के अलाव और कोई चारा भी नहीं था। भले ही कुछ लोग अचानक की गई घोषणा के नाम पर पीएम मोदी की आलोचना कर रहे हों मगर उन्होंने बिलकुल सही कदम उठाया है और नागरिकों को अपने व अपने परिजनों तथा समाज की भलाई के लिए घरों में बंद रहना होगा। सरकार सभी आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध करा रही है और सड़कों पर पुलिस द्वारा काफी सख्ती भी की जा रही है। लोग नहीं मानते तो सख्ती करनी पड़ती है मगर पुलिस को डंडा चलाने के मामले में संयम भी बरतने की आवश्यकता है। कई वीडियो ऐसे भी आए हैं जब पुलिस का रूप ब्रिटिशकालीन दमनकारी नजर आया। मगर पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी करते हुए कमजोर व गरीब लोगों को भोजन देते भी दिखाई दिए। कु छ भी हो संयम बरतना आवश्यक है।

– **सुरभि पांडेय**, प्रयागराज

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

"**हमें** अपना काम जारी रखना हे और नियमों का पालन भी करना है। अतीत में शाखाएं दो वर्ष के लिए बंद रहीं मगर काम जारी रहा।

– **मोहन भागवत**
आरएसएस प्रमुख

एशियाई अमेरिकी अदभुत लोग हैं और वायरस के फैलने में उनका दोष नहीं है। वे इससे निजात पाने के लिए हमारे साथ निकट रहकर काम कर रहे हैं।

– **डोनाल्ड ट्रंप**
अमेरिकी राष्ट्रपति

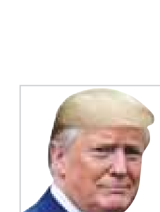

समय आ गया है जब सैन्य बलों को अपने दायरे से बाहर निकलकर कोरोनावायरस के विरुद्ध संघर्ष करना होगा। सैन्यकर्मियों को चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए।

– **बिपिन रावत**
चीफ आफ डिफेंस स्टाफ"

विदेश से लौटे 16 लोग लापता, शासन को भेजी सूचना

संवाददाता। बहराइच

विदेश यात्रा से उत्तर प्रदेश के बहराइच लौटे जिले के 190 लोगों में से 16 लोगों को स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन अभी तक तलाश नहीं सका है। इन लोगों की तलाश के लिए शासन को सूचना भेजी गई है। विदेशी यात्रियों की निगरानी कर रहे मुख्य राजस्व अधिकारी (सीआरओ) प्रदीप यादव ने गुरुवार को बताया कि विदेश से आए सभी 16 लापता लोगों की तलाश में स्थानीय पुलिस और अभिसूचना इकाई को लगाया गया है और सरकारी रिकार्ड में मौजूद इनके मोबाइल नंबरों की ट्रैकिंग की जा रही है।

सीआरओ ने कहा कि ऐसा लगता है कि इन लोगों ने अपना पासपोर्ट तो बहराइच के पते से बनवाया होगा लेकिन बाद में ए कहीं और जाकर बस गए होंगे। उन्होंने कहा कि विदेश यात्रा से भारत वापस आने पर संभवत: ए बहराइच आए ही नहीं होंगे। इस संबंध में जिले के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर सुरेश सिंह ने गुरूवार को बताया कि कोरोना वायरस को लेकर जारी अलर्ट के बाद से आव्रजन विभाग से प्राप्त सूचना के आधार पर चीन, थाईलैंड, दुबई, ईरान, सऊदी अरब, सिंगापुर, मलेशिया, कुवैत, मस्कट और शारजाह सहित विभिन्न देशों से भारत पहुंचे 190 ऐसे लोगों की सूची बनाई गई है जिनके पासपोर्ट में बहराइच निवास दर्ज है। उन्होंने बताया कि इनमें से 16 लोगों की अभी तक कोई जानकारी न तो जिला प्रशासन के पास है और न ही स्वास्थ्य विभाग के पास। तीन लोग दूसरे राज्यों में अपना आगमन दर्ज करा चुके हैं। शेष 171 लोगों में से अधिकांश तक पुलिस और राजस्व विभाग की मदद से स्वास्थ्य विभाग पहुंच चुका है तथा शेष तक शीघ्र पहुंच रहा है। इन सबको अपने अपने घर में ही क्वारेंटाइन किया गया है। सिंह ने बताया कि जिन लोगों तक स्वास्थ्य टीम पहुंच चुकी है उनके घर के बाहर हरे रंग का क्वारेंटाइन स्टिकर चस्पा किया गया है। स्टिकर में लिखा है कि ये विदेश से लौटे हैं। इन्हें अपने घर में अलग कमरे में रहने की सलाह दी गई है। कृपया ..... तारीख तक इनके घर न जाएं। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि घर में क्वारेंटाइन किए गए विदेश यात्रा से लौटे इन लोगों के गांव में जाकर ग्राम प्रधान को ए जिम्मेदारी दी गई है कि वो क्वारेंटाइन की तारीख तक इन्हें घर से बाहर न निकलने दें। सिंह ने कहा कि राहत की खबर यह है कि टेस्टिंग के लिए बहराइच से भेजे गए सभी आठ संदिग्ध मरीजों के सैम्पल कोविड 19 जांच में निगेटिव पाए गए हैं।

लॉक डाउन के बीच मस्जिद में जमात के साथ नमाज पढ़ाने वाले मौलवी समेत कई पर मुकदमा

बहराइच। कोरोना को लेकर तमाम हिदायतों एवं लॉकडाउन के बावजूद बहराइच जिले में रिसिया क्षेत्र की एक मस्जिद में पूरी जमात के साथ नमाज अदा करने के आरोप में एक मौलवी सहित 15-20 लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक विपिन मिश्रा ने गुरुवार को बताया कि जिले के सभी थाना क्षेत्रों में लाकडाउन के दौरान पूजास्थलों में भीड़ इकट्ठा करने की मनाही है और तमाम धर्मगुरुओं ने इस संबंध में अपीलें भी जारी की हैं लेकिन इसके बावजूद रिसिया थाना क्षेत्र के आजाद नगर की मस्जिद में मौलवी इरफान खान बुधवार देर शाम लाकडाउन के दौरान भीड़ इकट्ठा कर नमाज पढवा रहे थे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उक्त मौलवी तथा 15-20 अन्य के खिलाफ भारतीय दण्ड विधान की धारा 188 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। मिश्रा के अनुसार इस मामले समेत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में लाकडाउन उल्लंघन करने को लेकर 13 मुकदमे दर्ज किए गए हैं, जिनमें 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

लॉकडाउन का दूसरा दिन, लोग हुए जागरूक

● प्रशासन व पुलिस की भूमिका को सराह रहे लोग

शहर में पैदल भ्रमण कर लोगों को जागरूक करते डीएम-एसपी

ललितपुर। भारत में कोरोना वायरस के प्रभाव को खत्म करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इक्कीस दिन के किये गये लॉकडाउन की घोषणा के बाद से लोगों में जागरूकता बढ़ी है। ललितपुर शहर हो या फिर ग्रामीण अंचल, लोग शांतिपूर्वक जनता कर्फ्यू का नियमानुसार अनुपालन कर रहे हैं। दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुओं का वितरण समय पर हो रहा है तो वहीं दूसरी ओर मुनाफाखोरी व कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ व्यापारियों के संगठन के साथ प्रशासन भी सख्त हुआ है। हालांकि कालाबाजारी की खबरें शुरूआती समय में तो सुनने में आयीं, लेकिन समय गुजरते ही कालाबाजारी व मुनाफाखोरी की बातों पर भी विराम लग गया। वर्तमान में कोरोना वायरस को रोकने के लिए घरों में बैठे लोग प्रशासन व पुलिस के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों की कार्यप्रणाली को सराह रहा है। वहीं ग्रामीण अंचलों की बात करें तो गांव के प्रधान भी सोशल डिस्टेंस बनाते हुये लोगों से घरों में ही रहने की अपील करते हुये मुनादी करा रहे हैं।

लॉकडाउन का दूसरे दिन व्यापक असर

संवाददाता। कानपुर देहात

● महंगे दामों पर सब्जियां बेचने पर ग्राहक दुकानदारों से भिड़े, पुलिस भी भीड़ को रोक पाने में रही असमर्थ

प्रधानमंत्री के आवाहान पर लॉकडाउन के दूसरे दिन व्यापक असर देखा गया पुलिस को भीड हटाने व दुकाने बन्द करवाने के लिये खास मशक्कत नहीं करनी पडी, हलॉकि सब्जियों की दुकानों में उमडी भीड से जरूर अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया पुलिस के लाख समझाने व जमीन पर लाठियॉ पटकने के बावजूद भीड पर नियन्त्रण स्थापित करने में असफलता हाथ लगी। सब्जी दुकानदार निर्धारित मूल्य से अधिक दरों पर सब्जियों की बिक्री को लेकर ग्राहकों व दुकानदारों में कई बार झडप के साथ आरोप प्रत्यारोप के आरोप लगे। दोपहर 11 बजे के बाद सब्जी सहित सभी वस्तुओं के दुकान, दुकानदारों ने अपनी स्वेच्छा से बन्द कर दी जिससे देखते ही देखते सडकों व बाजारों में सन्नाटा छा गया। हलॉकि सन्नाटे व वीरान सडकों के बावजूद पुलिस पूरी मुस्तैदी से पैदल व जीप से सडकों पर गश्त करती नजर आयी। नगर पॅचायत रूरा में नगर पॅचायत अध्यक्षा रमा देवी के कुशल नेतृत्व व अधिशासी अधिकारी पवन किशोर मौर्या के कुशल निर्देशन व सफाई निरीक्षक याद कुमार यादव की देख रेख में सुबह व शाम दोनों पारियों में कीटाणुशोधन का काम नगर पॅचायत कर्मियों द्वारा किया जा रहा है। नगर पंचायतकर्मी पैदल व टैंकर के माध्यम से पूरे कसबे की मुख्य सडकों व गलियों में भी ब्लीचिंग, सोडियम हाइपोक्लोरोइट के घोल का मशीनों के माध्यम से छिडकाव कर कीटाणुओं को नष्ट करने का काम पूरी तन्मयता व गम्भीरता के साथ किया गया।

एक और संक्रमित मिला आगरा में, अब कुल केस हुए नौ

संवाददाता। आगरा

जिले में एक और कोरोना संक्रमित मिला है। इस बार चिकित्सक दंपती के पुत्र को संक्रमण मिला है। वे बेटे को घर पर रखे थे। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पूरा अस्पताल परिसर क्वारंटाइन कर दिया है। अब आगरा में कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है।आगरा में गुरुवार शाम को यह केस रिपोर्ट हुआ है। बाईपास रोड स्थित एक प्राइवेट हॉस्पीटल का संचालन चिकित्सक दंपती करते हैं। इनका पुत्र 20 मार्च को अमेरिका से दुबई होते हुए भारत लौटा है। 21 मार्च को वह आगरा पहुंचा। तब से डॉक्टर दंपती बेटे को घर में ही रखे थे। बताया जा रहा है कि इसे जुकाम और बुखार की शिकायत हुई तो डॉक्टर दंपती उसका इलाज अपने ही अस्पताल करते रहे। इधर आगरा का स्वास्थ्य विभाग आठ केस पॉजीटिव निकलने पर पहले से ही सक्रिय चल रहा है। हाल.फिलहाल यात्रा करने वालों की ट्रेवल हिस्ट्री तलाशी जा रही है। इसी हिस्ट्री के आधार पर टीम चिकित्सक दंपती के अस्पताल पर पहुंची। बेटे के बारे में पूछताछ कीए उसके स्वास्थ्य की जांच की गई तो बुखार निकला। कोरोना टेस्ट कराया गया तो उसकी रिपोर्ट पॉजीटिव आई है। जिलाधिकारी प्रभु एनण् सिंह ने भी इस बारे में पुष्टि की है। इसके बाद चिकित्सक दंपती के पूरे परिसर को सेनेटाइज कराया गया है। इस अस्पताल में तीन मरीज भी भर्ती थे और उनके साथ तीमारदार भी। कुल मिलाकर हॉस्पीटल से डॉक्टर दंपतीए मरीजए तीमारदार एवं स्टाफ सदस्यों समेत 25 लोगों को एसएन मेडिकल कॉलेज स्थित आइसोलेशन वार्ड में ले जाया गया है। यहां सभी का कोरोना टेस्ट कराया जा रहा है।

सिकन्दरपुरा मुहल्ला में एक युवक में पाये गये कोरोना के लक्षण

राठ। नगर के मुहल्ला सिकन्दरपुरा निवासी एक युवक में कोरोना जैसे लक्षण पाये जाने पर उसे जिला अस्पताल हमीरपुर में शुक्रवार को भर्ती करा दिया जायेगा। यह जानकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र राठ के अधीक्षक डा0 आर के कटियार ने दिये। उन्होने कहा कि जो दम्पत्ति महाराष्ट्र से मनीषा व उसका पति दादा साहिब राठ आये थे उनमें कोरोना के लक्षण नही पाये गये फिर भी इतिहात के तौर पर उनके ही घर में उन्हे लाकडाउन कर दिया गया है। उन्हे निर्देश दिये गये है कि वह अपने घर से बाहर न निकले और उनकी जरूरत की चीजे उनके घर पर भेज दी जायेगी।

नियम कानून को ताक पर रख कर लगी साप्ताहिक बाजार

संवाददाता। रामनगर बाराबंकी

कस्बा रामनगर में लगी साप्ताहिक बाजार में नियम कानून आदेश निर्देश को ताक पर रखकर बिना मास्क लगाएं एक दूसरे से स्पर्श करते हुए सैकड़ों लोगों ने खरीदारी की। उपजिलाधिकारी के निर्देश पर पुलिस प्रशासन ने पहुंचकर बाजार की बंदी अग्रिम आदेश तक करवाई।

भारत सहित 150 देशों से अधिक राष्ट्रों में कोरोना कोविड 19 महामारी से हजारों लोग की जान जा चुकी है। वहीं पर लाखों लोग इस महामारी से संक्रमित हैं। भारत भी इसकी चपेट में। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ने सभी से घर में रहकर सहयोग करने की अपील की। वहीं पर तहसील व जिला प्रशासन पूरी तरह से सतर्कता बरत रहा है । शासन प्रशासन हर संभव सुविधाएं जनता तक पहुंचा रही है । वहीं पर नगर पंचायत रामनगर में साप्ताहिक बाजार में मानकों के विपरीत दुकानें लगी।

विधायक सुभाष पासी बने चर्चा का विषय, लोगों ने मदद के लिए सराहा

● सरकारी अस्पताल में वेंटिलेटर लगाने के लिए अपने निधि से दिए एक करोड़ रुपए

गाजीपुर। जनपद के सैदपुर विधायक सुभाष पासी ने कोरोना वायरस व दैविक आपदा से निपटने के लिए सरकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सैदपुर में 10 वेंटिलेटर व चिकित्सा उपकरण लगाने के लिए अपने निधि से एक करोड़ रूपये दिया है। इस संदर्भ में विधायक सुभाष पासी ने बताया कि हमारे विधानसभा में किसी भी सरकारी अस्पताल में वेंटिलेटर की सुविधा नही है। कोरोना वायरस अथवा हार्टअटैक तथा अन्य गंभीर बिमारियो में सबसे ज्यादा वेंटिलेटर उपकरण अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अपनाता है। वेंटिलेटर से कोरोना वायरस से ग्रसित मरीज को कृत्रिम सांस देने की व्यवस्था की जाती है। जिसके चलते उसके प्राणो की रक्षा की जाती है। सरकारी अस्पतालो में विधायक निधि से वेंटिलेटर व अन्य प्राण रक्षक मेडिकल उपकरण लगाने के लिए हमने मुख्यमंत्री योगी और विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित को पत्र लिखा है। उन्होंने बताया की अगली निधि भी मई जून तक आ जायेगी तो फिर मैं 150 करोड़ अपने निधि से हास्पिटल के लिए देने का वादा कर रहा हूँ। विधानसभा अध्यक्ष ने विधायक सुभाष पासी के इस कदम की सराहना भी की है। ज्ञातव्य है कि प्रदेश में कुल 402 विधायक है और एमएलसी की संख्या 100 है। सभी विधायक और एमएलसी अपने अपने विधानसभा में सरकारी अस्पतालो में दस.दस वेंटिलेटर अपने निधि से लगवाते है तो प्रदेश में कोरोना वायरस से लड़ने के लिए वेंटिलेटर के रूप में ब्राहम्स्त्र मिल जायेगा। सुभाष पासी के इस कदम की सराहना पूरे जिले में हो रही है। आज पूरा देश और प्रदेश महामारी से जूझ रहा है। कोरोना वायरस के चलते पूरे देश में 21 दिन का लॉकडाउन है।

नोवेल कोरोना वायरस-19 को फैलने से बचने के लिए बनाए गए गोले

चन्दौली। जैसा कि सभी अवगत हैं कि भारत सरकार द्वारा ष्नोवेल कोरोना वायरस.19ष्के संक्रमण से बचाव के दृष्टिगत पूरे देश को लॉकडाउन किया गया है। पुलिस अधीक्षकचन्दौली हेमन्त कुटियाल के निर्देशानुसार समस्त क्षेत्राधिकारी गण के नेतृत्व में थाना प्रभारियों द्वारा अपने.अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर मेडिकल स्टोरए किराना दुकानए बैंकए एटीएम आदि के बाहर 1 मीटर की दूरी पर गोले बनाये गए है जिससे सामान खरीदने वाले व्यक्तियों में दूरी बनी रहे और वायरस के फैलने की संक्रमणता से बचा जा सके। साथ ही दुकानदारों को बताया गया है कि अपनी दुकान पर भीड़ एकत्रित न होने दे। जनपद पुलिस द्वारा लगातार आमजन को कोरोना वायरस के फैलने की संक्रमणता की गंभीरता व परिणाम एवं सावधानियां से अवगत कराते हुए जागरूक किया जा रहा है। साथ ही जनता से अपेक्षा की जा रही है कि अपने घरों से बाहर न निकलें। आमजन से अपेक्षा की जाती है कि एक जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय देते हुए नियमों तथा पुलिस प्रशासन द्वारा दिये जा रहे आवश्यक दिशा निर्देशों का पालन करें।

डीएम ने जरूरी वस्तुओं की वैन एवं बाइक को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

● जन सामान्य को किसी भी हालत में नहीं होगी वस्तुओं की कमी

● लांच हुआ एप और वाहनों से आवश्यक वस्तुओं की बिक्री

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

जिला प्रशासन ने गुरूवार को जरूरी वस्तुओं की कोई कमी न हो इसके लिए आज विशेश्वरगंज से एक बाइक डिलेवरी व दूसरा टैम्पों वैन में आवश्यक वस्तुओं को घर-घर पहुॅचाने के लिए बाइक को जिलाधिकारी कौशलराज शर्मा एवं एसएसपी प्रभाकर चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना की। इसके अलावा 22 क्षेत्रों की जिम्मेदारी नगर निगम ने ली। इसके लिए कम्पनी से 22 नए वाहनों को आज से लगाया गया है। ये वाहन विभिन्न क्षेत्रों में खाद्य एवं सफाई निरीक्षकों के नेतृत्व में घर-घर आवश्यक चीजें पहुॅचायेगें।निरीक्षकों द्वारा अपने आवंटित क्षेत्र के दुकानदार को चिन्हित कर लिया है। जिला प्रशासन ने 255 वाहन के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं की विक्री रिटेल मूल्य पर घर पर उपलब्ध कराने के लिए सुनिश्चित किया है। इसमे 'आपूर्ति विभाग से 150 तथा मंडी समिति से 105 वाहनों से आवश्यक वस्तुओं को घर-घर पहॅुचाया गया। डीएम द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना करते समय एडीएम सप्लाई, डीएसओ सहित नगर निगम एवं खाद्य पूर्ति के कई अधिकारी उपस्थित रहे।व्यापारी नेता अजीत सिंह बग्गा सहित कई नेता उपस्थित रहे।

कालाबाजारी करते पकड़े गए सात सब्जी विक्रेताओं व गैस एजेंसी पर एफआईआर

वाराणसी। कोरोना वायरस के संक्रमण एवं उससे बचाव के लिए जनपद में लॉक-डाउन के दौरान जनसामान्य को आवश्यक वस्तु की उपलब्धता सुगमता एवं सही मूल्य पर कराए जाने की जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने अपनी कटिबद्धता व्यक्त की है। गुरुवार को लॉक-डाउन के दौरान प्रात: निर्धारित अवधि में आवश्यक वस्तु की बिक्री हेतु खुले दुकानों से सही मूल्य पर ही बिक्री सुनिश्चित कराए जाने के लिए जिलाधिकारी के साथ-साथ मजिस्ट्रेट भी अपने-अपने क्षेत्र में चक्रमण करते हुए चौकस रहे। अपर नगर मजिस्ट्रेट (चतुर्थ) ने कैंट क्षेत्र में सब्जियों की कालाबाजारी करते हुए पकड़े जाने पर 7 सब्जी विक्रेताओं सहित हनुमान गैस एजेंसी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराया गया।

प्रशासन की व्यवस्था पहले दिन फेल

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

संपूर्ण लॉक डाउन को सफल बनाने के लिए प्रशासन ने लोगों के घर तक जरूरी सामान पहुंचाने के लिए डोर स्टेप डिलीवरी (घर तक सामान पहुंचाना) की व्यवस्था शुरू की। लेकिन, पहले दिन यह व्यवस्था असफल साबित हुई। कुछ गलियों को छोड़ दें तो अधिकतर जगह न तो सब्जी पहुंच सकी, न ही लोगों को दूध मिल सका। प्रशासन की ओर से प्रसारित किए गए नंबरों में से अधिकतर या तो स्विच ऑफमिले या पहुंच से बाहर रहे। हेल्पलाइन नंबर पर भी संपर्क करने पर कोई राहत नहीं मिल सकी।

सुबह की छूट खत्म कर लागू की थी नई व्यवस्था: जिला प्रशासन ने बुधवार को बैठक कर 26 मार्च से सुबह 5:30 से 9:30 बजे तक जरूरी सामानों की खरीदारी के लिए मिलने वाली छूट को भी समाप्त करने का निर्णय लिया था। इसे लागू कराने के लिए सुबह ही जिलाधिकारी के. विजयेंद्र पांडियन एवं एसएसपी डॉक्टर सुनील गुप्ता ने शहर में भ्रमण किया। जगह-जगह खुली दुकानों को बंद कराया गया। जो लोग सड़क पर निकल चुके थे, उन्हें घरों में वापस जाने को कहा गया। सबको यह विश्वास दिलाया गया कि उनके घर पर ही सामान उपलब्ध करा दिए जाएंगे। रात से ही व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से किराना, दूध एवं दवा की दुकानों एवं उनके संचालकों के नंबर प्रसारित कर दिए गए थे। सुबह से लोगों ने उन नंबरों पर संपर्क करना शुरू कर दिया, लेकिन किसी को राहत नहीं मिली। गोरखनाथ क्षेत्र के हरिनारायण के अनुसार उन्होंने दवा के लिए फोन किया था, पर फोन नहीं लगा। मेडिकल कॉलेज पर दवा की दुकान चलाने वाले धीरेंद्र सिंह बघेल ने बताया कि उनके पास सुबह से कई फोन आए। लेकिन जिन दवाओं की मांग की जा रही थी, वे उनके यहां उपलब्ध नहीं है। सबसे ज्यादा परेशानी लोगों को दूध न पहुंचने के कारण हुई। नवरात्र होने के कारण दूध की मांग बढ़ गई है। रोजाना आपूर्ति करने वाले दूधिया भी आपूर्ति करने जाने से बच रहे हैं।

सपा ने शिवपाल सिंह यादव की विधानसभा की सदस्यता रद्द करने की मांग संबंधी याचिका वापस ले ली

बलिया। समाजवादी पार्टी ने पूर्व मंत्री एवं दल के पूर्व नेता शिवपाल सिंह यादव की विधानसभा की सदस्यता रद्द करने को लेकर दायर की गई याचिका वापस ले ली है। सपा के वरिष्ठ नेता एवं विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता राम गोविंद चौधरी ने गुरुवार को बताया कि उनके द्वारा विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर पूर्व मंत्री व दल के पूर्व नेता शिवपाल सिंह यादव की विधानसभा की सदस्यता रद्द करने को लेकर दायर की गई याचिका वापस ले ली गई है। यह पूछे जाने पर कि क्या भविष्य में शिवपाल सपा में शामिल होंगे, चौधरी ने बताया कि राजनीति में कुछ भी सम्भव है। गौरतलब है कि सपा ने पिछले साल सितंबर में शिवपाल यादव की सदस्यता खत्म करने के लिए याचिका दायर की थी। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के चाचा शिवपाल 20 17 के विधान सभा चुनाव में सपा के टिकट पर जसवंत नगर विधानसभा सीट से चुनाव जीते थे।

बाहर से घर लौटे लोगों की थर्मल स्क्रीनिंग से की गई जांच

संवाददाता। कन्नौज

● 10 परिवारों को पर्यवेक्षण में रखा गया

कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव को लेकर जहां शासन कई तरीके से प्रभावी कदम उठा रहा है तो वहीं जिला प्रशासन भी कोई कोर कसर नही छोड़ रहा है। जिले का स्वास्थ्य महकमा पूरी एहतियात बरत रहा है। अन्य राज्यों और जनपदों तथा विदेशों से आए कुछ लोगों को सन्देह के आधार पर पर्यवेक्षण में रखा गया है।

कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव को लेकर शासन से लेकर जिला प्रशासन तक एड़ी चोटी का जोर लगा रहा है समूचे देश में लाक डाउन होने के साथ ही जिले का स्वास्थ्य महकमा पूरी एहतियात बरत रहा है। जिले में 10 परिवारों को संदेह के आधार पर पर्यवेक्षण में रखा गया है। स्वास्थ्य महकमा पूरी तरह सजग है। किसी तरह की सूचना मिलने पर तत्काल मोबाइल टीमें रवाना की जा रही है और मौके पर पहुंचकर पीड़ित की जांच पड़ताल भी कराई जा रही है। इसी जांच पड़ताल के दौरान कन्नौज के ही कुछ नागरिक जो कि विदेशों की यात्रा करके अपने घर लौटे हैं, इन नागरिकों में संक्रमण का संदेह होने पर स्वास्थ्य महकमा सजग हो गया और इनके घरों पर पहुंचकर चिकित्सा अधिकारियों ने इन्हें कड़ी चेतावनी देते हुए उपचार व सलाह के साथ ही इन सभी 10 परिवारों को पर्यवेक्षण में रखा है। बता दें कि शहर में मोहल्ला काजी टोला में एक परिवार, आनंदीदास मोहल्ले में दो परिवार, कचहरी टोला में दो परिवार, कलेक्ट्रेट में एक परिवार समेत तिर्वागंज में एक परिवार, तालग्राम में एक परिवार, मलिकपुर आटी में एक परिवार को स्वास्थ्य अधिकारियों ने पर्यवेक्षण में रखा है। इसी क्रम में सदर विकास खण्ड के ग्राम मियागंज में भी बाहर प्रान्तों आदि से घर लौटे लोगों की जाँच थर्मल स्क्रीनिंग कर की गई थर्मल स्क्रीनिंग करने को गाँव पहुँची टीम ने लोगों को अलग रहने की सलाह दी तथा सामाजिक दूरी बरतने व सावधान रहने तथा संयम बरतने का पाठ भी पढ़ाया। ग्राम मेहंदीपुर में भी स्वास्थ्य टीम ने परीक्षण किए मियाँगंज गाँव मे लगभग 58 लोगों और मेहंदीपुर में लगभग 10 लोगों का टेस्ट किया गया। एक भी केस पॉजिटिव नहीं पाया गया है।

दिल्ली से बंगाल के लिए साइकिल पर निकले दिहाड़ी मजदूर

कन्नौज। सम्पूर्ण देश में लाक डाउन होने के चलते दिल्ली में दिहाड़ी मजदूरी पर कार्य कर रहे लगभग एक दर्जन लोग साइकिल पर सवार होकर दिल्ली से बंगाल के लिए निकल पड़े। कन्नौज आने पर इन लोगों को पुलिसकर्मियों ने रोका और उनसे पूछताछ की। हांलाकि पुलिसकर्मियों ने पूछताछ के बाद इन सभी लोगों को आगे के लिए जाने दिया। गुरुवार की सुबह देश की राजधानी दिल्ली से साइकिल पर सवार होकर लगभग एक दर्जन लोग कन्नौज पहुंचे। जीटी रोड तिर्वा क्रासिंग के निकट इन साइकिल सवार लोगों को पुलिस ने रोका और लाक डाउन होने के बावजूद सड़कों पर निकलने का कारण पूछा। इन लोगों ने बताया कि वह सभी दिल्ली में दिहाड़ी मजदूरी पर कार्य करते हैं। 21 दिनों का लाक डाउन घोषित किए जाने के बाद इनके सामने खाने-पीने की समस्या हो गई थी, जिसके चलते सभी लोग साइकिल से अपने घर मानिक चौक बंगाल जा रहे हैं। इन लोगों ने बताया कि वह सभी सोमवार को दिल्ली से चले थे और बंगाल जाने में कितने दिन लग जाएंगे इनको नही पता। सफर करते समय थक जाने पर रास्ते में ही रुक कर आराम कर लेते हैं और बिस्कुट और पानी पीकर भूख को शांत कर फिर आगे के लिए निकल पड़ते हैं।

लॉकडाउन इफेक्ट: हाईकोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेकर दिया निर्देश...

इलाहाबाद हाईकोर्ट, लखनऊ बेंच सहित प्रदेश की सभी निचली अदालतों में पारित अन्तरिम आदेश 26 अप्रैल तक बढ़े

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

प्रधानमंत्री द्वारा किए गए देशव्यापी लॉक डाउन की घोषणा के बाद गृह मंत्रालय द्वारा जारी एडवाइजरी को देखते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के वादकारियों को राहत देने को लेकर बड़ा कदम उठाया है। मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर तथा न्यायमूर्ति समित गोपाल की खंडपीठ ने जनहित याचिका कायम कर 19 मार्च से अगले एक माह के दौरान समाप्त होने वाले सभी अंतरिम आदेशों की अवधि 26 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दी है। यह आदेश हाईकोर्ट व इसकी लखनऊ बेंच समेत सभी निचली अदालतों द्वारा पारित अन्तरिम आदेश पर भी लागू रहेगा। कोर्ट ने कहा है जिन अन्तरिम आदेश में समय सीमा नहीं है, वहां वह आदेश उसी रूप में समझा जाएगा। कोर्ट ने यह भी कहा है कि जिन आपराधिक मामले में अग्रिम जमानत या नियमित जमानत दी गई है और एक माह के भीतर उसकी अवधि पूरी हो रही है तो वह अगले एक माह तक जारी रहेगी। कोर्ट ने कहा है कि हाईकोर्ट या जिला अदालतों द्वारा यदि कोई ध्वस्तीकरण या बेदखली आदेश जारी किया गया है, तो वह अगले एक माह तक निष्प्रभावी रहेगा। कोर्ट ने कोरोना वायरस के चलते गृह मंत्रालय द्वारा 24 मार्च 20 को जारी एडवाइजरी को देखते हुए कहा है कि राज्य सरकार या नगर निकाय या अन्य कोई ऐसी एजेंसी नागरिकों के खिलाफ ध्वस्तीकरण व बेदखली कार्रवाई करने में धीमा रुख अपनाएगी, क्योंकि कोर्ट बंद हैं। कोर्ट ने आदेश की प्रति प्रदेश के महाधिवक्ता, अपर सालीसिटर जनरल आफ इंडिया, सहायक सालीसिटर जनरल आफ इंडिया, राज्य लोक अभियोजक एवं बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के चेयरमैन को भेजे जाने का आदेश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने इस जनहित याचिका में जारी आदेश में कहा है कि 18 मार्च 2020 को 19, 20 और 21 मार्च को अवकाश घोषित करने का फैसला लिया गया था। जो इलाहाबाद और लखनऊ बेंच दोनों में लागू किया गया। इसके बाद यह अवधि 25 मार्च तक बढ़ा दी गई थी और पुन: 23 मार्च को अवकाश की अवधि 28 मार्च तक के लिए बढ़ा दी गई। इसी बीच 24 मार्च 2020 को देश के प्रधानमंत्री के उद्बोधन के बाद देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा को देखते हुए हाईकोर्ट ने अनिश्चितकाल के लिए अदालती कामकाज बंद करने का फैसला लिया। हाईकोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 226 एवं 227 के अंतर्गत मिली शक्तियों का प्रयोग करते हुए वादकारियों के हित में उनकी आवश्यकताओं को देखते हुए यह सामान्य समादेश जारी किए हैं। हाईकोर्ट का आदेश हाईकोर्ट के अलावा सभी जिला अदालतों, हाईकोर्ट के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले सभी अधिकरणों व न्यायिक संस्थाओं पर लागू होगा।

भाजपा ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना का किया स्वागत

कहा, गरीबों को बड़ी राहत मिलेगी

भाषा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस महामारी और उसके आर्थिक प्रभाव से निपटने के लिए 1.7 लाख करोड़ रूपए के सरकार के राहत पैकेज का स्वागत करते हुए भाजपा ने गुरूवार को कहा कि संकट की इस घड़ी में देश के गरीबों को इससे बड़ी राहत मिलेगी।

भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने अपने ट्वीट में कहा , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने देश के ग़रीबों के लिए संकट की इस घड़ी में बड़ी राहत की घोषणा की है। हमारा संकल्प है कि कोई भी व्यक्ति भूखा ना सोए। इसी क्रम में सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत ।,70,000 करोड़ रुपए के राहत पैकेज का ऐलान किया। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ गरीब लोगों को, अगले तीन महीनों तक मिलने वाली सहायता के अतिरिक्त, 5 किलो गेहूं, 5 किलो चावल और एक किलो दाल मुफ्त दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति तक पर्याप्त राशन पहुँचे, इसकी व्यवस्था की गई है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बार बार देश से इस संकट की घड़ी में अपना सब कुछ छोड़कर हमारी सेवा में लगे स्वास्थ्य कर्मियों का आभार व्यक्त करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा आज सरकार ने स्वास्थ्य कर्मियों के लिए 50 लाख रुपए के स्वास्थ्य बीमा की घोषणा की है और इससे 20 लाख लोग लाभान्वित होंगे। नड्डा ने भाजपा के प्रत्एक कार्यकर्ता की तरफ़ से देश के गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों और असंगठित क्षेत्र की मदद हेतु संकट की घड़ी में लिए गए इतने महत्वपूर्ण निर्णयों और राहत पैकेज के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोरोना वायरस महामारी और उसके आर्थिक प्रभाव से निपटने को लेकर बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 1.70 लाख करोड़ रुपए के राहत पैकेज की घोषणा की। इसमें कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए जुटे डाक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को बीमा कवर तथा मनरेगा के तहत दैनिक मजदूरी 182 रुपए से बढ़ाकर 202 रुपए करने के साथ प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत किसानों को अग्रिम भुगतान, 80 करोड़ परिवारों को 5 किलो गेहूं या चावल के साथ एक किलो दाल तीन महीने के लिए मुफ्त देने सहित गरीब वृद्धों, गरीब विधवाओं तथा गरीब दिव्यांगों के लिए भी घोषणाएं की गई है।

मोदी के नेतृत्व में उठाए गए कदम कोरोना वायरस की रोकथाम में कारगर सिद्ध होंगेः दलाई लामा

धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश)। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ नेतृत्व में सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम कोरोना वायरस की रोकथाम में प्रभावी सिद्ध होंगे।

कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे के मद्देजनजर भारत सरकार ने मंगलवार की रात 12 बजे से 21 दिन के देशव्यापी लॉकडाउन (बंद) का ऐलान किया है। अब तक देशभर में कोरोना वायरस से संक्रमण के 650 मामले सामने आए हैं। इसके अलावा कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने इस महामारी की रोकथाम के लिए लोगों की आवाजाही को प्रतिबंधित करने के वास्ते कर्फ्यू लगा दिया है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर द्वारा तेजी से बढ़ते संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का समर्थन करते हुए तिब्बती आध्यात्मिक गुरू दलाई लामा ने लिखा, हिमाचल प्रदेश लगभग 60 वर्षों से मेरा घर है, इसलिए मैं स्वाभाविक रूप से यहां के लोगों से जुड़ाव महसूस करता हूं। इसलिए, सम्मान और सहानुभूति के प्रतीक के रूप में मैं गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन और दवा जैसी आवश्यकताओं को पूरा करने में योगदान के लिए गादेन फोडरंग ट्रस्ट ऑफ दलाई लामा की तरफ से मुख्यमंत्री राहत कोष में दान कर रहा हूं।

आर्थिक पैकेज की घोषणा सही दिशा में पहला कदमः राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कोरोना वायरस संकट से प्रभावित गरीबों और मजदूरों के लिए 1.7 लाख करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज की सरकार की घोषणा की सराहना करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यह सही दिशा में उठाया गया पहला कदम है। गांधी ने ट्वीट कर कहा, सरकार की ओर वित्तीय पैकेज की घोषणा सही दिशा में पहला कदम है। भारत पर उसके किसानों, दिहाड़ी मजदूरों, श्रमिकों, महिलाओं और बुजुर्गों का कर्ज है जिन्हें मौजूदा लॉकडाउन में सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। केंद्र सरकार ने कोरोना वायरस के संक्रमण तथा इसकी रोकथाम के लिए किए गए लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था पर पड़ रहे असर को कम करने के लिए बृहस्पतिवार को आर्थिक राहत पैकेज की घोषणा की। वित्त मंत्री निर्मला

सीतारमण द्वारा पेश पैकेज के तहत कोरोना वायरस के संक्रमण में लोगों के इलाज में लगे डॉक्टरों, पैरामेडिकल कर्मियों, चिकित्सा सेवा कर्मियों को 50 लाख रुपए प्रति परिवार का बीमा कवर दिया जाएगा। इसके अलावा, राशन की दुकानों से 80 करोड़ परिवारों को अतिरिक्त 5 किलो गेहूं या चावल के साथ एक किलो दाल तीन महीने तक मुफ्त उपलब्ध कराई जाएगी तथा महिलाओं, विधवाओं और बुजुर्गों को वित्तीय सहायता दी जाएगी।

मुंबई में माहिम में कोरोनॉयरस महामारी के मद्देनजर लगाए गए राष्ट्रव्यापी तालाबंदी के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिस और यातायात पुलिस कर्मियों को भोजन वितरित करते सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के स्वयंसेवक

कोरोना वायरसः राजनाथ ने सशस्त्र बलों को प्रयासों को तेज करने को कहा

भाषा। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को सशस्त्र बलों, रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य सैन्य संगठनों को देश में कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के वास्ते नागरिक प्रशासन को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए कहा। सिंह ने कोरोना वायरस से निपटने के लिए रक्षा मंत्रालय की संपूर्ण तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए ए निर्देश जारी किए। भारत में कोरोना वायरस से अब तक 600 से अधिक लोग संक्रमित हुए है और कम से कम 10 लोगों की मौत हुई है।कोविड-19 को फैलने से रोकने के प्रयासों के तहत भारत में मंगलवार की मध्य रात्रि से 21 दिन का लॉकडाउन चल रहा है।

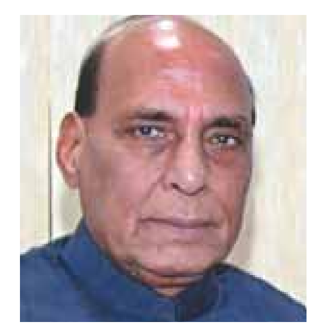

बैठक में सिंह ने कोरोना वायरस प्रभावित देशों से विदेशियों के साथ-साथ भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए सशस्त्र बलों और रक्षा मंत्रालय के विभिन्न विभागों द्वारा निभाई गई सक्रिय भूमिका की प्रशंसा की।रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, उन्होंने सशस्त्र बलों और अन्य विभागों से अपनी तैयारियों को पूरा करने और विभिन्न स्तरों पर नागरिक प्रशासन को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। विभिन्न रक्षा संस्थाओं द्वारा किए गए योगदान के बारे में जानकारी देते हुए बयान में बताया गया है कि डीआरडीओ प्रयोगशालाओं ने 20,000 लीटर सैनिटाइजर का निर्माण किया है और दिल्ली पुलिस को 10,000 लीटर सहित विभिन्न संगठनों को इसकी आपूर्ति की है। अधिकारियों ने बताया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने दिल्ली पुलिस के कर्मियों को 10,000 मॉस्क की भी आपूर्ति की है। बैठक में अधिकारियों ने सशस्त्र बलों द्वारा अब तक उठाए गए विभिन्न कदमों और सहायता के बारे में सिंह को अवगत कराया। यह भी बताया गया कि भारतीय वायुसेना के विमानों ने कई उड़ानें भरी और चीन, जापान तथा ईरान जैसे देशों से भारतीय नागरिकों को निकाला। सशस्त्र बलों के विभिन्न क्वारंटाइन केन्द्रों में ।,462 लोगों की देखरेख की गई और 389 लोगों को छुट्टी दी गई। इस समय मानेसर, हिंडन, जैसलमेर, जोधपुर और मुंबई में इन केन्द्रों में ।,073 लोगों की देखभाल की जा रही है। बैठक में चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत, रक्षा सचिव अजय कुमार, नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया, सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवाने, सचिव (रक्षा उत्पादन) राज कुमार और डीआरडीओ के अध्यक्ष जी सतीश रेड्डी शामिल हुए।

जावड़ेकर ने मंत्रालय के अधिकारियों को खुश और व्यस्त रहने को कहा

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने गुरूवार को अपने अधीन आने वाले तीनों मंत्रालयों के अधिकारियों से आडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संवाद किया और उनसे 21 दिनों के देशव्यापी बंद के दौरान खुश और व्यस्त रहने को कहा।

जावड़ेकर अभी सूचना प्रसारण मंत्रालय, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय तथा भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे हैं। उन्होंने ट्वीट किया, आडियो ब्रिज के माध्यम से सूचना प्रसारण, वन एवं पर्यावरण तथा भारी उद्योग मंत्रालय के 400 अधिकारियों से संवाद किया। उनसे घर में रहने, सकारात्मक रहने, खुश और व्यस्त रहने को कहा। मंत्री ने कहा कि इस संबंध में इंडिया फाइट्स कोरोना के तहत उन्होंने 21 दिनों की चुनौतियों के संबंध में कई गतिविधियां भी सुझाई। जावड़ेकर ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि उन्होंने उनसे (अधिकारियों से) 20 दिनों के लिए कार्यों की सूची तैयार करने को भी कहा। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि अगले 20 दिनों में तीनों मंत्रालय सार्थक कार्य करेंगे। बहरहाल, पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने सूचना प्रसारण मंत्रालय के अधिकारियों को 24 घंटे उपलब्ध रहने को कहा है।

पीआईबी ने ट्वीट किया, कोविड-19 के कारण उत्पन्न संकट के समय में मीडिया और संचार आवश्यक सेवा है। मंत्री ने सूचना प्रसारण मंत्रालय के अधिकारियों को 24 घंटे उपलब्ध रहने का सुझाव दिया है ताकि लोगों तक सही और पुष्ट जानकारी पहुंचे।

केंद्र की राहत योजना पश्चिम बंगाल सरकार की योजनाओं से प्रेरितः टीएमसी

भाषा। नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि केन्द्र सरकार ने पश्चिम बंगाल सरकार की तर्ज पर वित्तीय पैकेज का ऐलान किया है। पार्टी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा, केन्द्र सरकार ने बंगाल जैसी राज्य सरकारों सरकारों पर एक सप्ताह पहले ही पेश की जा चुकी राहत योजनाओं से प्रेरणा ली है। बंगाल की नई प्रोचेस्टा योजना में गरीबों को छह महीने का मुफ्त राशन, कोरोना वायरस से लड़ने के लिए स्वास्थ्य बीमा और दिहाड़ी मजदूरों को एक-एक हजार रुपए दिया जाना शामिल है। यह राज्य सरकार के प्रयासों को गति देगी।

गौरतलब है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोरोना वायरस महामारी और उसके आर्थिक प्रभाव से निपटने के लिए बृहस्पतिवार को खासतौर से गरीबों, बुजुर्गों, स्वयं सहायता समूहों और निम्न आयु वर्ग को राहत देते हुए 1.70 लाख करोड़ रुपए की प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत राशन की दुकानों से 80 करोड़ लोगों को अगले तीन महीने तक प्रति व्यक्ति 5 किलो गेहूं या चावल तथा इसके अलावा प्रति राशन कार्ड एक किलो दाल मुफ्त मिलेगी। सीतारमण ने पैकेज की घोषणा करते हुए कहा कि 20.5 करोड़ महिला जनधन खाताधारकों को अगले तीन महीने तक हर महीने 500 रुपए दिए जाएंगे ताकि उन्हें कुछ अतिरिक्त मदद मिल सके। वित्त मंत्री ने तीन करोड़ गरीब वृद्धों, विधवाओं तथा गरीब दिव्यांगों को एक-एक हजार रुपए की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न वर्गों के लिए भी राहत का ऐलान किया।

ठाणे में मुंब्रा में कोरोनवायरस महामारी के मददेनजर लगाए गए एक राष्ट्रव्यापी तालाबंदी के दौरान सब्जियां खरीदते लोग

आगस्ता वेस्टलैंडः कोरोना के खतरे को लेकर क्रिश्चियन मिशेल ने दायर की अंतरिम जमानत याचिका

भाषा। नई दिल्ली

अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकाप्टर घोटाला मामले में गिरफ्तार कथित बिचौलिए क्रिश्चियन मिशेल जेम्स ने तिहाड़ जेल में कोरोना वायरस के संक्रमण की चपेट में आने की आशंका व्यक्त करते हुए अंतरिम जमानत के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है।

क्रिश्चियन मिशेल ने अपनी उम्र के साथ गिरते स्वास्थ्य का हवाला देते हुए कहा है कि यह जेल की वर्तमान हालत के अनुरूप नहीं है। उसका कहना है कि वह पहले से ही स्वास्थ्य संबंधी गंभीर परेशानियों से जूझ रहा है और ऐसी स्थिति में उसके कोविड-19 के संक्रमण की चपेट में आने का बहुत खतरा है। क्रिश्चियन मिशेल ने अंतरिम जमानत याचिका अधिवक्ता श्रीराम परक्कट, विष्णु शंकर और अल्जो के जोसेफ के माध्यम से दायर की है। इस याचिका में सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में सात साल तक की सजा पाए दोषियों और विचाराधीन कैदियों को पैरोल अथवा अंतरिम जमानत पर रिहा करने पर विचार के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित करने के बारे में उच्चतम न्यायालय के 16 मार्च के निर्देशों का भी हवाला दिया है।

याचिका में कोरोना वायरस महामारी को फैलने से रोकने के लिए 21 दिन का लाकडाउन घोषित करने संबंधी प्रधानमंत्री के 24 मार्च के राष्ट्र के नाम संबोधन का भी सहारा लिया गया है। याचिका में कहा गया है कि मिशेल के स्वास्थ्य की नियमित रूप से निगरानी और उपचार के लिए घर जैसे माहौल की आवश्यकता है जहां वह अधिक प्रभावी तरीके से सामाजिक दूरी बना सके।क्रिश्चियन मिशेल को 22 दिसंबर 2018 को दुबई से प्रत्यर्पण के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था। वह पांच जनवरी, 2019 से न्यायिक हिरासत में है।

क्रिश्चियन मिशेल की नियमित जमानत की याचिका इस समय उच्च न्यायालय में लंबित है जहां सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय ने इसका विरोध किया है और यह दलील दी है कि आरोपी के प्रभावशाली व्यक्तियों से साठगांठ होने की वजह से वह गवाहों को प्रभावित कर सकता है। क्रिश्चियन मिशेल को सीबीआई की विशेष अदालत ने पहले ही जमानत देने से इंकार कर दिया था। क्रिश्चियन मिशेल उन तीन कथित बिचौलियों में शामिल है जिनके मामलों की जांच प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई कर रही है।

वार्ड में कुत्ते घुसने के बाद अस्पताल से घर आई थी कोरोना वायरस की संदिग्धः परिवार

भाषा। श्रीनगर

यूरोप से पिछले सप्ताह लौटने के बाद कोरोना वायरस के लक्षणों के कारण यहां एक अस्पताल में भर्ती महिला उसके वार्ड में आवारा कुत्ते घुस आने के बाद अस्पताल से घर चली आई। महिला के परिवार ने गुरुवार को उसके भाग जाने के प्रशासन के दावों को खारिज करते हुए यह बात कही।

महिला के एक परिजन ने पीटीआई से कहा, प्रशासन के ए दावे झूठे हैं कि उन्होंने उसका पता लगाया। उसे डलगेट में छाती रोग अस्पताल के जिस वार्ड में भर्ती किया गया था, उसमें आवारा कुत्ते घुस आने की वजह से हमें तड़के तीन बजे उसे घर लेकर आना पड़ा। उन्होंने कहा कि महिला घर वापसी के बाद से अधिकारियों के साथ सहयोग कर रही है। परिजन ने कहा, हवाईअड्डे पर उसकी जांच की गई और घर जाने को कहा गया था। हमने उसे अलग रखा लेकिन गुरूवार को उसे कुछ लक्षण महसूस हुए और हमने कोविड-19 की हेल्पलाइन पर फोन किया। एंबुलेंस आई और उसे सीडी अस्पताल ले जाया गया तथा भर्ती कर लिया गया। महिला के रिश्तेदार के अनुसार उसने बुधवार देर रात करीब ढाई बजे घर पर फोन किया कि वार्ड में कई आवारा कुत्ते घुस आए हैं और वह डरी हुई है। परिवार वालों का आरोप है कि सरकार संदिग्धों के नाम सार्वजनिक नहीं करने के परामर्श जारी कर रही है लेकिन महिला का पूरा ब्योरा मीडिया को लीक कर दिया गया। परिवार ने अस्पताल के कुछ डॉक्टरों के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि उसके नमूने लिए गए। उन्होंने कहा कि अगर नमूने लिए गए थे तो रिपोर्ट कहां है?

लॉकडाउन के बावजूद घर से बाहर निकलने पर एक व्यक्ति ने अपने भाई को मार डाला

मुंबई। कोविड-19 के कारण देशभर में जारी लॉकडाउन के दौरान घर से बाहर निकलने के लिए मुंबई के पश्चिमी उपनगरीय कांदिवली में अपने छोटे भाई की कथित तौर पर हत्या करने के आरोप में 28 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने गुरूवार को यह जानकारी दी। समता नगर थाने के एक अधिकारी ने कहा कि राजेश लक्ष्मी ठाकुर ने बुधवार रात लॉकडाउन के बारे में बार-बार चेतावनी के बावजूद घर से बाहर निकलने के कारण अपने छोटे भाई दुर्गेश की हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि मृतक पुणे में एक निजी फर्म में काम करता था, जो कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण घर लौट आया था। अधिकारी ने बताया कि जब दुर्गेश बाहर घूमने के बाद घर वापस आया, तो आरोपी और उसकी पत्नी ने उसपर नाराजगी जाहिर की और फिर उनके बीच तीखी बहस हो गई, जिसके बाद आरोपी ने उस पर किसी धारदार चीज से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि पीड़ित को पास के एक अस्पताल में ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

पाकिस्तानी सैनिकों ने पुंछ, कठुआ में गोलीबारी की

जम्मू। पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू कश्मीर के पुंछ और कठुआ जिलों में नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर छोटे हथियारों से गोलीबारी की और मोर्टार से गोले दागे। भारतीय सैनिकों ने इसका जवाब दिया। अधिकारियों ने गुरूवार को यह जानकारी दी। एक रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि पाकिस्तानी जवानों ने गुरूवार दोपहर बाद पुंछ जिले के देवार क्षेत्र में नियंत्रण रेखा से लगी अग्रिम चौकियों पर छोटे हथियारों से गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि भारतीय सैनिकों ने जवाबी कार्वाई की और यह करीब बीस मिनट तक चली। इससे पहले पाकिस्तानी रेंजरों ने बुधवार रात हीरानगर सेक्टर के पंसार, मनयारी और चक गंगा में मोर्टार से गोले दागे और गोलीबारी की।

कोरोना वायरस की फर्जी खबर छापने के आरोप में उर्दू अखबार के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में कोरोना वायरस के संबंध में कथित रूप से फर्जी खबर छापने को लेकर पुलिस ने एक उर्दू अखबार के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि पुंछ जिले में छह लोगों के कोविड-19 पॉजिटिव होने की फर्जी खबर छापने के आरोप में अखबार के मालिक और एक उर्दू रिपोर्टर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि इस खबर से स्थानीय लोगों में डर और भ्रम का माहौल बन गया था। उन्होंने बताया कि शिकायत के मद्देनजर पुंछ के एसएसपी रमेश अंग्राल के निर्देश पर अखबार के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे जांच जारी है। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने मीडिया संस्थानों से अनुरोध किया है कि वे कोरोना वायरस के संबंध में सत्यापित किए बगैर खबरें प्रकाशिताप्रसारित ना करें।

लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर 1200 से अधिक लोगों पर मामले दर्ज

भाषा। चेन्नई

कोरोना वायरस के प्रसार की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन (बंद) पर अमल करने के लिए तमिलनाडु सरकार द्वारा लगाई गई धारा 144 का उल्लंघन करने के आरोप में राज्य की पुलिस ने 1200 से अधिक लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। घरों में रहने को सुनिश्चित करने के लिए पुलिसकर्मी सड़कों पर लगातार गश्त कर रहे हैं और निगाह रख रह है ताकि बंद का उल्लंघन करने वालों को समझाकर उनके घर भेजा जा सके। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्वाई करने के साथ ही जनता को जागरूक करने के लिए नए-नए तरीके अपनाए जा रहे हैं।

पुलिस के मुताबिक, धारा 144 के आदेश का उल्लंघन करने पर 1252 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है जबकि बीते दो दिनों में 16 लोगों के खिलाफ अफवाह फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। साथ ही पृथक रहने के नियम का उल्लंघन करने पर भी छह लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ है। धारा 144 के आदेश के मुताबिक, पांच से अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक होती है। चेन्नई पुलिस ने कहा कि आदेशों को सख्ती से लागू करने के लिए शहर में करीब 156 जांच चौकियां बनाई गई हैं। शिवगंगा में पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वालों के हाथों में कुछ देर के लिए जागरूकता बैनर देकर खड़ा रखा। हालांकि, वायरस के प्रसार की रोकथाम के मद्देनजर उनके बीच उचित दूरी सुनिश्चित की गई।

वेल्लोर जिला पुलिस ने कानून का उल्लंघन कर सार्वजनिक तौर पर घूमने वाले लोगों को नियमों का पालन करने की शपथ भी दिलाई। लॉकडाउन के कारण अधिकतर सड़कें सुनसान दिखाई दीं। चेन्नई और नागपट्टीनम जैसी जगहों पर सरकारी बसें केवल पुलिसकर्मियों और स्वास्थ्य कर्मचारियों के अलावा सरकारी कर्मचारियों को ड्यूटी पर लाने-जाने में लगाई गईं।

मुरादाबाद में कोरोनोवायरस महामारी के मद्देनजर लगाए गए देशव्यापी बंद के दिन केमिस्ट शॉप के बाहर खड़े रहने के कारण लोग सामाजिक दूरी बनाए हुए हैं

घर जाने को सौ-सौ किमी पैदल चल रहे तेलंगाना के मजदूर

हैदराबाद। कोरोना वायरस के चलते तेलंगाना में लागू बंदी के बाद फंसे मजदूर यातायात के अभाव में पैदल ही अपने पैतृक घरों तक जाने की कोशिश कर रहे हैं। कई मामलों में तो मजदूर 100-100 किलोमीटर की दूरी पैदल तय कर रहे हैं। हालांकि, इन मजदूरों में कुछ खुशनसीब भी हैं जिन्हें सूचना प्रौद्योगिकी और उद्योग मंत्री केटी रामाराव सहित जनप्रतिनिधियों से मदद मिली है। बंदी के चलते शहरों में निर्माण कार्य ठप हो गया है। एक दिहाड़ी मजदूर वेंकट रमण ने बताया, हमारा गांव यहां (हैदराबाद) से 75 किलोमीटर दूर है। मुझे पता है कि परिवहन उपलब्ध नहीं है। ऐसे में हमारे पास पैदल जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। दिहाड़ी मजदूरों का एक समूह हैदराबाद से 120 किलोमीटर दूर सूर्यापेट जिले स्थित अपने पैतृक गांव जाने के लिए बुधवार को पैदल रवाना हुआ। हालांकि, ए मजदूर सौभाग्यशाली थे क्योंकि मंत्री रामा राव जो बंदी के बाद व्यवस्थाओं की देखरेख कर रहे हैं, उनकी नजर बुद्ध भवन के पास उनपर पड़ी और उन्होंने अपना काफिला रोककर उनसे बात की।

पैदल चल रहे मजदूरों की समस्या सुनने के बाद उन्होंने तुरंत प्रशासन को वाहन का इंतजाम कर मजदूरों को उनके घर तक पहुंचाने का निर्देश दिया। अंडोल के विधायक क्रांति किरण को भी कुछ मजदूरों की जानकारी मिली जो हैदराबाद से 130 किलोमीटर दूर नरायाणखेड पहुंचने के लिए पैदल निकले थे। मजदूरों ने बुधवार को सफर शुरू किया था और गुरुवार सुबह छुतापुर पहुंचे थे तभी विधायक की नजर पड़ी।

विधायक ने मजदूरों के लिए खाने-पीने की व्यवस्था की और ऐसी परिस्थिति में यात्रा नहीं करने की सलाह दी। वेंकट रमण ने बताया कि बंदी की वजह से उसका भविष्य अनिश्चित हो गया है। इसलिए उसने पत्नी और दो बच्चों के साथ नलगोंडा स्थित अपने गांव जाने का फैसला किया। तेलंगाना सरकार ने इससे पहले बताया कि बंदी के कारण उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर सभी 87.59 लाख खाद्य सुरक्षा कार्ड धारकों को सरकार प्रति व्यक्ति 12 किलोग्राम चावल मुहैया कराएगी। इस प्रकार 3.58 लाख टन अनाज पर।,103 करोड़ का खर्च आएगा। इसके अलावा राज्य सरकार कार्ड धारकों को अन्य जरूरी सामान जैसे सब्जी खरीदने के लिए।,500 रुपए की एक मुश्त सहायता राशि देगी जिसपर।,314 करोड़ रुपए व्यय होगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री और अभिनेता चिरंजीवी ने गुरुवार को एक करोड़ रुपए का दान फिल्म निर्माण में लगे लोगों के लिए देने की घोषणा की जो बंदी के कारण बेरोजगार हो गए हैं। वृहद हैदराबाद नगर निगम ने अपने 150 अन्नपूर्णा कैंटीन में 78 में मुफ्त में खाना देने की योजना शुरू की है। इससे पहले पांच रुपए में खाना मुहैया कराया जाता था।

केरल में सैनेटाइजर पीने से कैदी की मौत

पलक्कड (केरल)। गलती से शराब समझकर कथित तौर पर सैनेटाइजर पीने वाले एक कैदी की यहां जिला अस्पताल में मौत हो गई। जेल अधिकारियों ने बताया कि 18 फरवरी से रिमांड कैदी के तौर पर यहां जेल में बंद रमनकुट्टी को मंगलवार सुबह अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह जेल में बेहोश हो गया था। एक वरिष्ठ जेल अधिकारी ने पीटीआई को बताया, हमें संदेह है कि वह बोतल में भरा सैनेटाइजर पी गया जो राज्य सरकार के निर्देशानुसार जेल परिसर में (कैदियों द्वारा) बनाए जाता है। अधिकारियों ने कहा कि वह मंगलवार रात को सामान्य था लेकिन अगली सुबह 10:30 बजे के करीब बेहोश हो गया। जेल अधिकारी हाथों को संक्रमण मुक्त करने के लिए सैनेटाइजर के तौर पर मुख्य रूप से आइसोप्रोपाइल अल्कोहल का इस्तेमाल करते हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और पोस्टमार्टम के बाद ही उसकी मौत का वास्तविक कारण पता चलेगा।

सूरत में लॉकडाउन होने के बाद अपने-अपने घरों को जाते हुए मजदूर

अन्य राज्यों से लौट रहे दिहाड़ी मजदूरों की मदद के लिए कदम उठा रही राजस्थान सरकार

जोधपुर। हजारों की संख्या में अन्य राज्यों से पैदल ही अपने गांवों को लौट रहे दिहाड़ी मजदूरों की मदद के लिए राजस्थान सरकार ने कदम उठाने शुरू किए हैं। राज्य सरकार ने ऐसे लोगों की कोरोना वायरस की स्क्रीनिंग करने के बाद उन्हें उनकी मंजिल तक पहुंचाना शुरू किया है। राज्य सरकार के अधिकारियों ने बताया कि रोजी-रोटी की तलाश में गुजरात और अन्य राज्यों में गए हजारों राजस्थानी दिहाड़ी मजदूरों और श्रमिकों को 21 दिनों की बंदी लागू होने के बाद लौटने पर मजबूर होना पड़ा है। जालौर के पुलिस अधीक्षक हिम्मत अभिलाष ने कहा कि गुजरात से सटे जालौर और सिरोही जिले की सीमाओं पर बड़ी संख्या में आए लोगों को देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि 24-25 की मध्यरात्रि से बंदी लागू होने के बाद ए मजदूर पड़ोसी राज्य के विभिन्न स्थानों से पैदल चलकर वापस अपने घरों को लौट रहे हैं। उन्होंने कहा, इनमें से अधिकतर लोग पैदल चलकर ही आ रहे हैं और मजदूर वर्ग के हैं। इन्हें राज्य की सीमाओं से कुछ किलोमीटर पहले ही उतार दिया गया, जहां से ए राजस्थान की सीमा की ओर चले। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह गतिविधि केवल गुजरात से सटे दो जिलों की सीमाओं तक ही सीमित नहीं है जबकि राजस्थान की सीमा से लगे पंजाब, हरियाणा और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों से भी लोग लौट रहे हैं।

गुजरात से हजारों श्रमिक पैदल ही वापस लौट रहे मध्यप्रदेश

भाषा। भोपाल

कोरोना वायरस के मद्देनजर देशभर में लगाए गए लॉकडाउन के चलते पड़ोसी राज्य गुजरात में बेरोजगार हुए हजारों श्रमिक पैदल ही अपने घर मध्यप्रदेश लौट रहे हैं। इनमें कई महिलाएं भी हैं। मध्य प्रदेश के कई जिलों से अच्छे रोजगार की तलाश में ए श्रमिक गुजरात के सूरत, अहमदाबाद, राजकोट, नवसारी और अन्य जिलों में रहने के लिए गए थे। लॉकडाउन के बाद अब ए श्रमिक अपने घर मध्यप्रदेश के झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, रतलाम, भिण्ड और मुरैना जिलों में वापस लौट रहे हैं। ए श्रमिक समूह में गुजरात से सटे मध्यप्रदेश के पश्चिमी भाग के आदिवासी बहुल जिलों--झाबुआ या अलीराजपुर से प्रवेश कर रहे हैं। ए श्रमिक सैकड़ों किलोमीटर या तो पैदल चलकर आए हैं या तो किसी वाहन द्वारा इन्हें प्रदेश की सीमा पर छोड़ा गया है। एक व्यक्ति ने अपनी पहचान जाहिर नहीं करने हुए झाबुआ जिले की पिटोल चेक पोस्ट पर बताया, 3300 विस्थापित श्रमिक मध्यप्रदेश वापस आए हैं। उनमें से अधिकतर ने मंगलवार रात को लॉकडाउन घोषित होने के बाद से गुजरात से वापस घर (मध्यप्रदेश) की ओर चलना शुरु किया था। रास्ते में भले लोगों ने इन्हें खाना और अन्य जरुरी चीजें दीं। उनमें से सिर पर सामान उठाए महिलाओं सहित कुछ लोगों ने कहा कि उन्होंने केवल पानी पीकर मध्यप्रदेश की सीमा तक रास्ता तय किया है। सूरत से पैदल चलकर झाबुआ जिले के पिटोल चेक पोस्ट से प्रवेश करने वाले मुरैना जिले के विजय अहीरवार (28) ने कहा कि बिना काम के खाली पेट गुजरात में रहने का अब कोई मतलब नहीं था इसलिए वह घर लौट रहे हैं।

एक अन्य व्यक्ति शंकर ने बताया कि वह अपनी रोजी रोटी के लिए सूरत में सड़क किनारे पानी पुरी की रेहड़ी लगाता था लेकिन अब वह वापस अपने घर मुरैना जिले जा रहा है।

जामिया के प्रोफेसर ने कहा, उसने गैर-मुसलमान छात्रों को फेल किया, निलंबित

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के एक प्राध्यापक ने यह ट्वीट करके विवाद पैदा कर दिया है कि उन्होंने 15 गैर-मुसलमान छात्रों को परीक्षा में फेल कर दिया है। इसे लेकर प्रोफेसर की बहुत आलोचना हो रही है जिसके बाद विश्वविद्यालय ने उन्हें निलंबित कर गुरुवार को मामले की जांच का आदेश दिया। हालांकि, प्राध्यापक डॉक्टर अबरार अहमद का कहना है कि उनके ट्वीट को गलत समझा गया और उन्होंने इसे व्यंग्य के रूप में लिखा था कि कैसे संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। अहमद ने बुधवार को ट्वीट किया, मेरे सभी छात्र पास हो गए सिवाय 15 गैर-मुसलमानों के, जिन्हें फिर से परीक्षा देनी होगी। अगर आप प्रदर्शन करते हैं (सीएए विरोध), मेरे पक्ष में 55 छात्र हैं (सीएए समर्थन)। बहुसंख्यक आपको सबक सिखाएंगे, अगर प्रदर्शन समाप्त नहीं हुआ (दंगे)। कोरोना (वायरस) के कारण आपके प्रदर्शन का संकेत मिल जाएगा। मैं सोच रहा हूं कि वे मुझसे नफरत क्यों करते हैं? हालांकि प्रोफेसर ने बाद में ट्वीट को मिटा दिया।

बिहार के निवासी जहां भी फंसे हों वहीं पर उनके भोजन एवं रहने की व्यवस्था की जाएगी: नीतीश

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरूवार को कहा कि बिहार के निवासी राज्य या उसके बाहर जहां भी फंसे हों वहीं पर उन्हें मदद की जाएगी तथा उनके भोजन एवं रहने की व्यवस्था सरकार करेगी। यहां मुख्यमंत्री निवास पर कोरोना संक्रमण एवं लॉकडाउन से उत्पन्न स्थिति पर एक उच्चस्तरीय बैठक के दौरान नीतीश ने कहा कि सरकार कोरोना संक्रमण के कारण लोगों के फंसे होने की स्थिति को आपदा मान रही है और ऐसे लोगों की मदद उसी तरह की जाएगी जैसी अन्य आपदा पीड़ितों की की जाती है।

उन्होंने कहा कि राज्य के निवासी बिहार या उसके बाहर जहां भी फंसे हों वहीं पर उनकी मदद की जाएगी तथा बिहार में अन्य राज्यों के जो लोग फंसे हैं उनके लिए भी राज्य सरकार अपने स्तर से भोजन एवं रहने की व्यवस्था करेगी। नीतीश ने कहा कि अन्य राज्यों में बिहार के जो निवासी काम करते हैं और वे लॉकडाउन के कारण वहां के शहरों में फंसे गए हैं या रास्ते में हैं उनके लिए भी राज्य सरकार नई दिल्ली में स्थानीय आयुक्त के माध्यम से संबंधित राज्य सरकारों एवं जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित करेगी और उनके भोजन एवं रहने के लिए आवश्यक व्यवस्था करेगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि तत्काल पटना तथा बिहार के अन्य शहरों में जो भी रिक्शा चालक, दैनिक मजदूर एवं अन्य राज्यों के व्यक्ति लॉकडाउन के चलते फंसे हुए हैं उनके रहने तथा भोजन की व्यवस्था राज्य सरकार अपने स्तर से करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में पटना तथा अन्य शहरों में ऐसे लोगों के लिए वहीं पर आपदा राहत केन्द्र स्थापित किया जाएगा तथा इन जगहों पर व्यवस्था करने में सोशल डिस्टेंसिंग का भी ख्याल रखा जाएगा। आपदा राहत केन्द्रों पर कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए चिकित्सक उपलब्ध रहेंगे।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस कार्य हेतु मुख्यमंत्री राहत कोष से आपदा प्रबंधन विभाग को 100 करोड़ रूपए की राशि जारी कर दी गई है। बैठक में उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, जल संसाधन मंत्री संजय झा, मुख्य सचिव दीपक कुमार, पुलिस महानिदेशक गुप्तेश्वर पाण्डेय, आपदा विभाग के प्रधान सचिव प्रत्यय अमृत सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

पेज एक का शेष

कोई नहीं ...

विधवाओं को बढ़ी हुई पेंशन। अन्नदाताओं के खाते में किसान योजना के तहत 2 हजार रुपये जबकि महिलाओं के जनधन खाते में 500 रुपये (कुल 1500 रु)जमा होंगे। अपनी जान का जोखिम उठाकर लोगों की सेवा कर रहे डॉक्टरों , स्वास्थ्य कर्मियों का 50 लाख रुपये का जीवन बीमा भी सरकार कराएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 130 करोड़ भारतीयों को बचाने के लिए देश भर में 21 दिनों के लॉकडाउन की घोषणा के 36 घंटे बाद वित्त मंत्री ने आर्थिक बूस्टर का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ लोगों के भोजन की व्यवस्था की जाएगी। इसके तहत अगले तीन महीनों तक 80 करोड़ राशन कार्ड धारकों में से प्रत्येक को 5 किलो गेहूं अथवा चावल और एक किलो दाल भी दी जाएगी। इसका उन्हें कोई मूल्य नहीं चुकाना होगा और यह पीडीएस में मिलने वाले लाभ के इतर होगा। उन्होंने कहा कि पीएम किसान योजना के तहत किसानों को हर साल 6000 रुपये दिए जाते हैं। अप्रैल के पहले सप्ताह में उनके खातों में 2-2 हजार रुपये की किस्त डाल दी जाएगी। 8.69 करोड़ किसान इससे लाभान्वित होंगे। मनरेगा के तहत कामगारों की दैनिक मजदूरी को 182 रुपये से बढ़ाकर 202 रुपये कर दिया गया है। इससे 5 करोड़ परिवारों को लाभ होगा। सीतारमण के अनुसार, 20.5 करोड़ महिला जनधन खाता धारकों को अगले तीन महीने तक प्रति माह 500 रुपये दिए जाएंगे। इससे उन्हें 1500 रुपये की अतिरिक्त मदद मिल जाएगी। उज्जवला योजना के लाभार्थियों को तीन माह तक रसोई गैस सिलिंडर मुफ्त मिलेगा इससे 8.3 करोड़ गरीब परिवारों को फायदा पहुंचेगा। वित्त मंत्री ने कोरोना वायरस महामारी से संक्रमित लोगों के इलाज में जुटे डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के लिए 50 लाख रुपये के जीवन बीमा कवर की घोषणा करते हुए बुजुर्गों, दिव्यांगों और विधवाओं को एक हजार रुपये अनुग्रह राशि दिए जाने की भी जानकारी दी। सीतारमण ने बताया कि 63 लाख महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए बिना किसी गारंटी के ऋण राशि को दोगुना कर 20 लाख रुपये कर दिया गया है। इससे 7 करोड़ परिवार लाभान्वित होंगे। कर्मचारियों को भविष्य निधि खाते से 75 प्रतिशत जमा राशि अथवा तीन महीने के वेतन में से जो भी कम हो उसे निकालने की अनुमति भी दी गई है। छोटी इकाइयों को राहत पहुंचाती वित्त मंत्री ने कहा कि अगले तीन महीने तक उन प्रतिष्ठानों के नियोक्ताओं और कर्मचारी दोनों का भविष्य निधि योगदान सरकार जमा करेगी। यह मदद उन प्रतिष्ठानों को मिलेगी जिनमें 90 प्रतिशत कर्मचारियों का वेतन 15 हजार रुपये तक है। उद्योग जगत के लिए राहत पैकेज के बाबत उठे सवाल पर वित्त मंत्री ने कहा कि इस पर बाद में बात करेंगे। सरकार ने निर्माण क्षेत्र में काम करने वाले 3.5 करोड़ असंगठित मजदूरों के लिए भी बड़ा ऐलान किया है। राज्य सरकारों से कहा गया है कि वे इसके लिए बनाए गए 31,000 करोड़ रुपये के राहत पैकेज का उचित इस्तेमाल करें। इसके इलावा डिस्ट्रिक्ट मिनरल्स फंड की भी घोषणा की गई है जिसका उपयोग मेडिकल जांच, स्क्रीनिंग और हेल्थ केयर के लिए होगा। वित्त मंत्री ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए 21 दिनों के देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान लोगों को परेशानियों से बचाने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज को अंतिम रूप दिया गया। 1.70 लाख करोड़ रुपये के राहत पैकेज का क्रियान्वयन तत्काल प्रभाव से होगा और इसके तहत कैश सहायता एक अप्रैल से मिलेगी। आने वाले दिनों में और राहत देने के स्पष्ट संकेत देते हुए सीतारमण ने कहा कि जरूरत पड़ने पर हालात के मद्देनजर ऐसे फैसले लिए जाएंगे। इस मौके पर मौजूद वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह पैकेज मुख्य रूप से गरीब और वंचित तबके के लिए है। लॉकडाउन के चलते गरीबों को खाने-पीने की दिक्कत न हो यह सुनिश्चित करने के लिए बीपीएल परिवारों को तीन माह तक मुफ्त राशन-गैस और नकद सहायता मुहैया कराई जाएगी। सरकार ने राहत पैकेज का ऐलान लॉकडाउन के कारण कमजोर वर्ग के लोगों को खाने पीने में हो रही दिक्कतों और बड़ी संख्या में नौकरियों के जाने की खबरों के बीच किया है।

सरकार के...

को पीडीएस और अन्य योजनाओं के तहत पूरे साल अनाज दिया जा सकता है। सरकार के गोदामों में तीन मिलियन मिट्रिक टन दालें, 1.1 मिलियन मिट्रिक टन तिलहन और चार मिलियन टन चीनी भी है।इसके अलावा गेहूं की खरीद बहुत जल्द शुरू होने वाली है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने एफसीआई को खुदरा बाजार विक्रय योजना के तहत खुले बाजार में खाद्य सामग्री बेचने की इजाजत दे दी है। घरेलू जरूरतें पूरी करने के लिए भी सरकार ने तेज आपूर्तिकर्ता उपभोक्ता कंपनियों को आपूर्ति बढ़ाने कहा है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री राम विलास पासवान ने कहा कि एफसीआई के पास पर्याप्त अनाज भंडार है ओर अधिकारियों को स्थिति पर करीब से नजर रखने के आदेष दिए गए हैं। केंद्र सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत देश के 80 करोड़ लोगों को पांच किलो अनाज भारी सब्सिडी पर हर महीने दे रही है। गेहूं दो रुपये और चावल तीन रुपये प्रति किलो दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने ...

जी-20 को कोरोना वायरस महामारी से उपजी आर्थिक मुश्किलों से निपटने के लिए साथ मिलकर काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मानव के विकास के लिए मेडिकल शोध को स्वतंत्र रूप से और खुल कर साझा करने की अपील भी की। उन्होंने कहाकि वैश्विक समृद्धि, सहयोग के लिए हमारे दृष्टिकोण के केन्द्र बिंदु में आर्थिक लक्ष्यों के स्थान पर मानव को रखा जाए।

फेस मास्क ...

तय की है। केन्द्र ने कहा है कि हैंड सैनिटाइजर की मांग और आपूर्ति के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए, राज्यों को हैंड सैनिटाइज़र बनाने के लिए कच्चे माल की आपूर्ति में किसी भी अड़चन को दूर करने और डिस्टिलरीज सहित तमाम उन आवेदकों को अनुमति देने के लिए कहा गया है, जो हैंड सैनिटाइज़र बनाने का इरादा रखते हैं। उपभोक्ता मामलों के सचिव पवन अग्रवाल ने बताया कि हमने अब तक 564 अन्य विनिर्माताओं के अलावा 45 डिस्टलरी को लाइसेंस दिया है। उन्होंने कहा कि एक या दो दिनों में 55 से अधिक डिस्टिलरी को अनुमति दी जा सकती है और कई और कंपनियों को हैंड सैनिटाइजर बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दवा मूल्य नियंत्रण आदेश के तहत यह अनुमति दी गई है।

युद्ध जीतने...

कि जरूरी सामानों की कोई दिक्कत न हो। साथ ही उन लोगों के बारे में विस्तृत जानकारी हासिल करें जो विदेश से लौटे हैं। उन्हें जिस राज्य का दायित्व दिया गया है वहां के कितने जिलों में कोरोना पॉजिटिव मामलों और क्वेरेंटाइन में रखे गए लोगों की संख्या पता कर विस्तृत जानकारी उन्हें दें। प्रभारी मंत्रियों को प्रति दिन कोरोना वायरस संक्रमण व बचाव राहत कार्यों का अपडेट प्रधानमंत्री कार्यालय को देना होगा। प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मत्स्यपालन मंत्री संजीव बलयान, महेंद्र नाथ पांडे व कृष्णपाल गुर्जर को, राजस्थान व पंजाब की गजेंद्र सिंह शेखावत को, असम का जनरल (रिटायर्ड) वीके सिंह को, बिहार का रविशंकर प्रसाद व रामविलास पासवान को, ओडिशा का धर्मेंद्र प्रधान को, छत्तीसगढ़ का अर्जुन मुंडा व झारखंड का मुख्तार अब्बास नकवी को सौंपा है। महाराष्ट्र जहां कोरोना के सबसे ज्यादा मरीज पाए गए है उसकी जिम्मेदारी केंद्रीय राजमार्ग व सड़क यातायात मंत्री नितिन गडकरी एवं सूचना प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर को सौंपी गई है।

कम्युनिटी किचन...

सीमावर्ती जनपदों के प्रशासन को निर्देश दिये हैं कि जो भी व्यक्ति प्रदेश के अन्दर आश्रय स्थलों, रैन बसेरों आदि स्थलों में रुके हैं, उनके लिए भोजन और पानी की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से प्रदेश के 60,000 से अधिक ग्राम पंचायतों से संवाद स्थापित कर उन्हें कोरोना से बचाव एवं इलाज की जानकारी देने के साथ ही ग्राम पंचायतों में इससे जुड़ी किसी भी तरह की जानकारी प्राप्त करने की कार्यवाही की जा रही है।

कोरोना से...

भेजे जा रहे हैं। नियोजकों को निर्देश दिया गया है कि वह किसी के वेतन में कटौती न करें। योगी ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि गरीब तबके के जो लोग अब तक इस लाभ से वंचित हैं उनको एक हजार रुपये के साथ खाद्यान्न भी उपलब्ध कराएं। लोगों के व्यापक हित में पुलिस और प्रशासन मिल कर लॉकडाउन को प्रभावी बनाएं। स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी के लिए एक अलग कमेटी बनायी गयी है। अब तक 11 हजार से अधिक आइसोलेशन बेड तैयार हो चुके हैं। कोरोना के जांच की सुविधा लगातार बढ़ाया जा रहा है।

16 मौत...

की है, वहीं 17 राज्यों ने सिर्फ कोरोना के इलाज लिए अस्पतालों का चयन कर लिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न स्थिति के बारे में संवाददाताओं को बताया कि यद्यपि संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन संक्रमण की दर तुलनात्मक रूप से मामूली गिरावट के साथ फिलहाल स्थिर है। अग्रवाल ने कहा कि देश में इस वायरस के सामुदायिक संक्रमण की तीसरी स्थिति उत्पन्न होने के फिलहाल कोई ठोस प्रमाण नहीं मिले हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि लोगों द्वारा सामाजिक मेलजोल से दूरी (सोशल डिस्टेंसिंग) बनाए रखने की मौजूदा रणनीति का सख्ती से पालन किए जाने पर ही कहा जा सकता है कि भारत संक्रमण के तीसरे चरण में नहीं जाएगा। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस के संक्रमण की शृंखला को तोड़ने के लिए बुधवार से पूरे देश में बंद लागू किया गया। वैश्विक स्तर पर 170 देशों में अब तक इस वायरस के संक्रमण के 471518 मामले सामने आ चुके हैं और इनमें से 21293 मरीजों की मौत हो गई है। मंत्रालय के अनुसार भारत में अब तक 13 संक्रमित मरीजों की मौत हो गई है। इनमें महाराष्ट्र में तीन, गुजरात में दो और मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, कर्नाटक, पंजाब, दिल्ली, पश्चिम बंगाल एवं हिमाचल प्रदेश में एक एक संक्रमित मरीज की मौत शामिल है। देश में मौजूद संक्रमण के कुल 649 मरीजों में से 42 मरीजों को सफल इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और 593 का देश के विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। भारत में मौजूद मरीजों में 47 विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक देश में कोरोना के सर्वाधिक 124 मरीज महाराष्ट्र में हैं जबकि केरल में आठ विदेशी मरीज सहित कुल 118 मरीज हैं। इसके अलावा तेलंगाना और कर्नाटक में 41-41, गुजरात में 38, उत्तर प्रदेश में 37, राजस्थान में 38, दिल्ली में 35, पंजाब में 33 और हरियाणा में 30 मरीजों में कोरोना के संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। इनके अलावा तमिलनाडु में संक्रमित मरीजों की संख्या 26, मध्य प्रदेश में 15, लद्दाख में 13, आंध्र प्रदेश और जम्मू कश्मीर में 11-11, पश्चिम बंगाल में नौ, चंडीगढ़ में सात,उत्तराखंड में पांच, बिहार, गोवा, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश में तीन-तीन और ओडिशा में दो हो गई है। जबकि पुडुचेरी, मणिपुर और मिजोरम में भी एक-एक मरीज के कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है।

आईआईटी कानपुर ...

कार्डियक साइंसेज, बेंगलुरू के डॉक्टरों समेत नौ सदस्यों का दल बनाया है जो प्रोटोटाइप पर मुहर लगाएगा और उसके बाद एक महीने में करीब एक हजार पोर्टेबल वेंटिलेटर तैयार किए जाएंगे। आईआईटी कानपुर के इनक्यूबेशन सेंटर के प्रभारी और प्रोफेसर अमिताभ बंदोपाध्याय ने कहा, कोविड-19 ने भयावह तरीके से मानवता को प्रभावित किया है। जब अमेरिका और इटली जैसे विकसित देश इस वायरस के संकट से जूझ रहे हैं जहां चिकित्सा की पर्याप्त सुविधाएं हैं तो भारत में हम तो बिल्कुल भी तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा, हम तेजी से, संभवतः एक महीने में वेंटिलेटर बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

दायित्व के ...

बातचीत में पता चला कि सभी भूखे है तो पुलिस ने तुरंत उनके खान-पीने का इंतजाम किया। इनमें से जो मध्य प्रदेश के रहने वाले थे उनको एक अलग ट्रेन से और बांदा चित्रकूट के रहने वालों को बस से अलग उनके गंतव्य रवाना कर दिया गया। ऐसा ही कुछ देखने को मिला बिहार यूपी से सटे जिले चंदौली में यहां पर 16 कामगार युवक रेलवे ट्रैक के सहारे पैदल ही बिहार के समस्तीपुर जिले के लिए निकल पड़े। पुलिस ने सभी 16 कामगार युवकों को रेस्क्यू किया। बताया जा रहा है कि ये लोग रेलवे ट्रैक के सहारे वाराणसी से समस्तीपुर पैदल ही जा रहे थे। ये लोग कई दिनों से वाराणसी में भूखे-प्यासे फंसे थे। साधन न मिलता देख ये पैदल ही रेलवे ट्रैक के सहारे समस्तीपुर के लिए निकल पड़े। लगभग 25 किलोमीटर का सफ़र कर ये लोग चंदौली के कुछमन स्टेशन के पास पहुंचे थे। इस दौरान चंदौली के एसपी हेमंत कुटियाल को इस बात की जानकारी मिल गई। पुलिस ने इनका मेडिकल चेकअप कराया। इन सभी के खाने-पीने का इंतजाम किया। एसपी हेमंत कुटियाल ने गुरुवार 26 मार्च को निजी वाहन से विशेष अनुमति करा कर इनको इनके गंतव्य तक भेजने की व्यवस्था की। वहीं कानपुर देहात में रसूलाबाद कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान दिल्ली से आ रहे कंटेनर को रोका तो उसमें 60 यात्री सवार मिले। इसमें महिला, पुरुष समेत बच्चे भी शामिल थे। ये सभी दिल्ली और गुरुग्राम की फैक्ट्रियों के कर्मचारी थे। लॉक डाउन के चलते ये अपने घर वापसी के लिए निकले थे। पुलिस ने इन सभी को फिलहाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया गया है। पुलिस की ओर से ही उनके खाने-पीने के भी इंतजाम करा दिए गए हैं। मेरठ में गांधी आश्रम गढ़ रोड पर दोपहर करीब दो बजे कुछ पुलिसकर्मियों ने साधू को रोक लिया। पूछताछ की तो उसने बताया कि वह दो दिन से भूखा है। मेरठ ट्रैफिक पुलिस ने साधू को बैठाया और उसे खाना खिलवाया। इसके बाद कुछ पैसा भी दिया। दिल्ली से साढ़े पांच सौ किलोमीटर की दूरी तय करके बहराइच की ओर अवैध तरीके से जा रहे तीन वाहनों को जरवलरोड पुलिस ने रोका तो दो डीसीएम में त्रिपाल लगाकर लोग भूसे की तरह भरे गए लोग थे। इसके साथ में ही एक पानी का टैंकर भी है, उसमें भी लोगों को भर कर लाया जा रहा था। जरवल में पकड़े गए इन अवैध वाहनों से 160 लोगों को निकाला गया है। डॉक्टरों की टीम की जांच में किसी में कोरोना वायरस के लक्षण नहीं मिले हैं। परीक्षण के बाद सभी को उनके निवास के लिए रवाना कर दिया गया। पुलिस का उदार चेहरा बीते मंगलवार की आधी रात को आगरा के एमजी रोड पर सामने आया। वृंदावन से पैदल ही धौलपुर को निकले 25 श्रमिक लॉकडाउन के चलते आगरा में फंस गए। पुलिस ने इन सभी को थाने की मेस से खाना लाकर खिलाया। इसके बाद पुलिस की गाड़ी से धौलपुर की सीमा तक ले जाकर छोड़ा। श्रमिकों से जानकारी करने पर उन्होंने अपनी समस्या बताई। पुलिसकर्मियों ने श्रमिकों से खाना खाने के लिए पूछा तो उन्होंने मना कर दिया। मगर बच्चों ने पुलिसकर्मियों से कहाकि उन्हें भूख लगी है। करीब 70 किलोमीटर का सफर पैदल तय करने के चलते महिलाएं भी बुरी तरह से थक चुकी थीं। पुलिस ने इन सभी को हरीपर्वत थाने की मेस से लाकर खाना खिलाया। इसके बाद पुलिस की गाड़ी को बुलाकर सभी को धौलपुर की सीमा पर ले जाकर छोड़ा। आगरा पुलिस के इस मानवीय पहलू से श्रमिक प्रभावित थे। वह आगरा पुलिस के कायल हो गए।

महाराष्ट्र में आवश्यक वस्तुओं की दुकानें दिन रात खुली रहेंगी: उद्धव

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को घोषणा की कि राज्य में आवश्यक वस्तुओं की दुकानों को दिनरात खोलने की अनुमति होगी। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक यह फैसला कोरोना वायरस की वजह से घोषित लॉकडाउन के दौरान बाजारों और दुकानों में भीड़ रोकने के लिए किया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया कि ठाकरे ने कोरोना वायरस के खतरे से निपटने के लिए मंत्रालय (राज्य सचिवालय) में गठित विशेष नियंत्रण कक्ष के प्रभारी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इस बात पर चर्चा की कि कैसे शुरुआती दिनों में आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री कार्यालय की विज्ञप्ति में स्पष्ट किया गया कि दुकानदार सामाजिक मेल मिलाप में दूरी सुनिश्चित करेंगे और स्वच्छता और संक्रमण से मुक्ति के नियमों का अनुपालन करेंगे। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में गुरुवार तक 125 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हो चुकी है जो देश के किसी भी राज्य में सबसे अधिक है।

कोई काम व साधन न होने से दिल्ली में फंसे कई लोग

नई दिल्ली। कोरोना वायरस का मुकाबला करने के लिए लागू किए गए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कारण सड़क और रेल यातायात बंद होने से प्रवासी श्रमिकों सहित कई लोग परिवहन का कोई साधन न होने के चलते राष्ट्रीय राजधानी में फंसे हुए हैं। आजीविका के लिए कोई काम न होने के कारण दिल्ली में फंसे हुए लोगों में शामिल सुरेश चौधरी ने कहा हमने खुद को एक कमरे में बंद कर लिया है क्योंकि कोई काम नहीं है.... हमारी थोड़ी-बहुत जो बचत है, वह भी खत्म हो रही है। हमें नहीं पता कि हम अपना गुजारा कब तक चला सकते हैं। पांच अन्य मजदूरों के साथ एक कमरे में रहने वाले चौधरी कहते हैं, मैं एक ऐसी जगह फंस गया हूं जो जेल से भी बदतर है। यहां तक कि जेल में बंद कैदियों को भी हमसे बेहतर भोजन, सुविधाएं मिल रही हैं। मैंने पिछले हफ्ते जो भी थोड़े पैसे कमाए थे, उससे किसी तरह गुजारा कर रहा हूं।

बटलर को छोटा आईपीएल होने की उम्मीद

लंदन। इंग्लैंड विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने कहा कि कोविड 19 महामारी के कारण आईपीएल पूरा नही हो सकता लेकिन उन्हें उम्मीद है कि कम से कम छोटा टूर्नामेंट हो जाए। आईपीएल 29 मार्च से शुरू होना था लेकिन इसे 15 अप्रैल तक टाल दिया गया। उन्होंने स्काय स्पोर्टर्स से कहा , अभी कोई समाचार नही है।शुरूआत में इसे स्थगित किया गया था। हालात तुरंत बदलने वाले नही है। मुझे नही लगता कि आईपीएल हो सकेगा। यह विश्व क्रिकेट के लिए बहुत बड़ा टूर्नामेंट है।

विलियमसन ने कोविड 19 से जूझते स्वास्थ्यकर्मियों की तारीफ की

वेलिंगटन। कोविड 19 महामारी से निपटने में लगे अपने देश के डाक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की तारीफ करते हुए न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान केन विलियमसन ने गुरुवार को कहा कि ए लोग सही मायने में समझते है कि दबाव क्या है ? न्यूजीलैंड हेराल्ड में लिखे पत्र में विलियमसन ने डाक्टरों , नर्सों और सभी स्वास्थ्यकर्मियों को संबोधित किया जो दुनिया भर में 21000 से अधिक जिंदगियां ले चुकी इस महामारी से निपटने में लगे है। पिछले कुछ दिनों से साफ हो गया है कि हम ऐसे स्वास्थ्य संकट से गुजर रहे है जो हमने कभी नही देखा है। हम आपके आभारी है। लोग बात करते है कि खिलाड़ियों पर प्रदर्शन का दबाव होता है लेकिन असलियत यह है कि हम वह काम करते है जिससे हमें प्यार है और हमारी आजीविका चलती है।

विम्बलडन पर फैसला अगले सप्ताह

लंदन। आल इंग्लैंड क्लब ने कहा है कि वह अगले सप्ताह तक फैसला लेगा कि कोविड 19 के कारण विम्बलडन स्थगित करना है या रद्द करना है। क्लब के मुख्य बोर्ड ने इसके लिए आपात बैठक बुलाई है। विम्बलडन के मुख्य ड्रा के मुकाबले 29 जून से शुरू होने है। टूर्नामेंट की तैयारी अप्रैल के आखिर में शुरू होनी है।

मुक्केबाजों के संक्रमित होने पर आईओसी पर बरसा तुर्की

इस्तांबुल। तुर्की मुक्केबाजी महासंघ ने लंदन में ओलंपिक क्वालीफाईंग टूर्नामेंट के दौरान अपने तीन मुक्केबाजों और कोच के कोरोना वायरस के संक्रमण में आने पर गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) और स्थानीय आयोजकों को आड़े हाथों लिया। लंदन में इस प्रतियोगिता में यूरोपीय देशों के लिए लगभग 350 पुरुष और महिला मुक्केबाजों ने हिस्सा लिया था। यह यूरोप से तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का पहला मौका था।

भारत में विदेशी कोचों के अनुबंध बने रहेंगे

● इनके करार तोक्यो ओलंपिक 2020 तक ही थे

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय खिलाड़ियों के साथ जुड़े कई विदेशी कोचों के अनुबंध तोक्यो ओलंपिक तक ही थे लेकिन खेलों के 2021 तक स्थगित होने के बाद अब उनका अधूरा अभियान पूरा होने तक उन्हें पद पर बरकरार रखा जाएगा। महिला कुश्ती कोच एंड्रयू कुक, पिस्टल निशानेबाजी कोच पावेल स्मिरनोव, मुक्केबाजी कोच सैंटियागो नीवा और रफेले बर्गामास्को या एथलेटिक्स के हाई परफार्मेंस निदेशक वोल्कर हर्मान के अनुबंध तोक्यो ओलंपिक 2020 तक ही थे। अब कोविड 19 के कारण खेल अगले साल होंगे लिहाजा भारत के विदेशी कोचों का कार्यकाल एक साल के लिए और बढाया जाएगा। देशव्यापी लॉकडाउन खत्म होने के बाद इस बारे में औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी। भारतीय कुश्ती महासंघ के सचिव वी एन प्रसूद ने कहा , भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) उन्हें वेतन देता है। हमें उनसे बात करनी होगी। हमें नहीं लगता कि उनका कार्यकाल बढ़ाने में कोई दिक्कत आएगी। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ को भी यकीन है कि स्मिरोव और राइफल कोच ओलेग मिकाहिलोव के कार्यकाल को विस्तार दे दिया जाएगा। उनके अनुबंध अगस्त तक ही थे। एनआरएआई के एक अधिकारी ने कहा , इसकी समीक्षा की जाएगी। हम साइ से बात करेंगे कि कोचों का कार्यकाल बढाया जाए। दफ्तर खुलने के बाद इस बारे में कार्वाई की जाएगी। लेकिन क्या कोच अतिरिक्त एक साल रूकने को तैयार हैं ? मुक्केबाजी के कोच तो हैं। नीवा ने कहा , साइ के साथ मेरा करार दिसंबर तक का है लेकिन विस्तार मिलने पर मैं रूक जाऊंगा। ओलंपिक से पहले मैं जा नहीं सकता। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के एक अधिकारी ने कहा , हमारे साथ जुड़े सभी विदेशी कोचों का कार्यकाल बढाया जाएगा। मंत्रालय तो चाहता था कि वे 2024 तक बने रहे लिहाजा कोई दिक्कत नहीं होगी। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष आदिले सुमरिवाला ने तो कहा कि करार की मियाद बढना लाजमी है। हाकी इंडिया ने तो साइ के पास पहले ही पुरूष टीम के कोच ग्राहम रीड और महिला टीम के कोच शोर्ड मारिन का करार बढाने का आवेदन दे दिया है। हाकी इंडिया की सीईओ एलेना नार्मन ने कहा , हमने अपने सभी विदेशी कोचों से बात की है और वे ओलंपिक तक रूकने को तैयार हैं।

आईओसी ने ओलंपिक खेलों को स्थगित करने में त्वरित फैसला किया : बिंद्रा

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज निशानेबाज अभिनव बिंद्रा का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने तोक्यो ओलंपिक खेलों को स्थगित करने में त्वरित फैसला किया जबकि कुछ अन्य शीर्ष खिलाड़ी और राष्ट्रीय संघ घोषणा करने में देरी के लिए आईओसी की आलोचना कर रहे थे।

तोक्यो ओलंपिक 2020 को कोविड-19 महामारी के कारण मंगलवार को अगले साल तक टाल दिया गया। इस फैसले से पहले हालांकि कुछ शीर्ष खिलाड़ियों तथा ब्रिटिश ओर कनाडा ओलंपिक संघों ने आईओसी के फैसला करने में देरी के लिए नाराजगी जताई थी। लेकिन भारत के एकमात्र व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बिंद्रा की राय इसके विपरीत है। बिंद्रा

ने कहा, यह देखकर अच्छा लगा कि फैसला त्वरित किया गया क्योकि खेल होंगे या नही इसको लेकर काफी अनिश्चितता बनी हुई थी। मेरा मानना है कि यह फैसला सही समय पर किया गया। यह काफी जटिल फैसला था। खिलाड़ी अब थोड़ा शांति से रह सकते है और अब वे इस पर ध्यान दे सकते है कि वे और उनके आसपास के लोग स्वस्थ रहे। यह सबसे महत्वपूर्ण चीज है। बिंद्रा स्वयं आईओसी एथलीट आयोग के सदस्य है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के खिलाड़ी खेलो को स्थगित करने के पक्ष में थे जो कि आईसीसी को बता दिया गया था। बीजिंग ओलंपिक में दस मीटर एयर राइफल के स्वर्ण पदक विजेता ने कहा, हम खिलाड़ियों के लगातार संपर्क में थे। यह देखकर अच्छा लगा कि खिलाड़ियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता में रखा गया। यह अप्रत्याशित स्थिति थी। आईओसी का सिद्धांत रहा है कि सभी खिलाड़ियों और खेलों से जुड़े प्रत्एक व्यक्ति का स्वास्थ्य सर्वोपरि है और वायरस के नियंत्रण के लिए उसने जिम्मेदारी से कार्य किया। यह पूरी तरह से सही फैसला है।

प्रतिबंध के दौरान काफी मेहनत की , वापसी को तैयार : नरसिंह यादव

नई दिल्ली-तोक्यो। ओलंपिक 2021 स्थगित होने से नरसिंह पंचम यादव के कैरियर को संजीवनी मिल गई और डोप कलंकित इस पहलवान ने गुरुवार को कहा कि वह इस मौके का पूरा फायदा उठाएंगे जबकि भारतीय कुश्ती महासंघ ने कहा दिया है कि वह अगर तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करते है तो उन्हें रोका नही जाएगा। चार साल का प्रतिबंध जुलाई मे खत्म करने वाले नरसिंह पंचम यादव जुलाई अगस्त मे ओलंपिक नही खेल सकते थे लेकिन अब कोविड 19 के चलते ओलंपिक एक साल के लिए टल चुके है। ऐसे मे वह 74 किलो वर्ग मे दावा कर सकता है जिसमे भारत ने कोटा हासिल नही किया है। नरसिंह को अगस्त 2016 मे खेल पंचाट ने डोप टेस्ट मे नाकाम रहने पर चार साल के प्रतिबंध की सजा सुनाई थी। रियो ओलंपिक मे उनका मुकाबला शुरू होने से चंद घंटे पहले विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी की अपील पर यह सुनवाई हुई थी। महासंघ के सहायक सचिव विनोद तोमर ने कहा , हम उसे रोकेंगे नही अगर वह हमारे पास आकर भाग लेने की इच्छा जताता है। हमने इस पर बात की है।उसका प्रतिबंध पूरा हो चुका है और वह वापसी कर सकता है। नरसिंह ने मुंबई से प्रेस ट्रस्ट से कहा , मेरा हमेशा से यह विश्वास था कि मैने कुछ अलग नही किया है तो मेरे साथ कुछ गलत नही होगा। जीत सच की होती है। अब ईश्वर की कृपा से मुझे एक मौका और मिल सकता है। मुझे लगता था कि मै ओलंपिक खेल सकता हूं। पता नही क्यो पर हमेशा लगता था। मै अपनी वापसी पर पूरा फोकस कर रहा हू ताकि तोक्यो मे पदक जीत सकूं। रियो ओलंपिक से पहले उसके डोप टेस्ट मे नाकाम रहने के बाद राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी (नाडा) ने स्वीकार कर लिया था कि उसके पेय पदार्थ मे मिलावट की गई थी। उसने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई भी किया लेकिन चोट के कारण ओलंपिक क्वालीफिकेशन से चूके दो बार के पदक विजेता सुशील कुमार ने ट्रायल की मांग की और नरसिंह को अदालत मे घसीटा। नरसिंह डोप टेस्ट मे नाटकीय रूप से नाकाम रहा और उस पर चार साल का प्रतिबंध लगा दिया गया।

डब्ल्यूएफआई ने नरसिंह के लिए दरवाजे खुले रखे

नई दिल्ली। चार साल का प्रतिबंध जुलाई मे खत्म करने वाले नरसिंह पंचम यादव अगर तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करते है तो भारतीय कुश्ती महासंघ उन्हें रोकेगा नही। ओलंपिक अगर जुलाई अगस्त मे होते तो नरसिंह के पास मौका नही था लेकिन अब कोविड 19 के चलते ओलंपिक एक साल के लिए टल चुके है। ऐसे मे वह 74 किलो वर्ग मे दावा कर सकता है जिसमे भारत ने कोटा हासिल नही किया है। नरसिंह को अगस्त 2016 मे खेल पंचाट ने डोप टेस्ट मे नाकाम रहने पर चार साल के प्रतिबंध की सजा सुनाई थी। रियो ओलंपिक मे उनका मुकाबला शुरू होने से चंद घंटे पहले विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी की अपील पर यह सुनवाई हुईथी। महासंघ के सहायक सचिव विनोद तोमर ने कहा , हम उसे रोकेंगे नही अगर वह हमारे पास आकर भाग लेने की इच्छा जताता है। हमने इस पर बात की है।उसका प्रतिबंध पूरा हो चुका है और वह वापसी कर सकता है। रियो ओलंपिक से पहले उसके डोप टेस्ट मे नाकाम रहने के बाद राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी (नाडा) ने स्वीकार कर लिया था कि उसके पेय पदार्थ मे मिलावट की गई थी। उसने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई भी किया लेकिन चोट के कारण ओलंपिक क्वालीफिकेशन से चूके दो बार के पदक विजेता सुशील कुमार ने ट्रायल की मांग की और नरसिंह को अदालत मे घसीटा। नरसिंह डोप टेस्ट मे नाटकीय रूप से नाकाम रहा और उस पर चार साल का प्रतिबंध लगा दिया गया।

आईसीसी ने सभी क्वालीफाइंग टूर्नामेंट स्थगित किए

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने कोविड 19 महामारी के कारण 30 जून से पहले होने वाले सभी क्वालीफाइंग टूर्नामेंट स्थगित कर दिए है। दुनिया भर मे कोरोना वायरस से 21000 से अधिक लोग मारे जा चुके है और चार लाख से अधिक लोग संक्रमित है। आईसीसी के टूर्नामेंट प्रमुख क्रिस टेटली ने कहा , दुनिया भर मे यात्रा को लेकर पाबंदियों और मौजूदा माहौल मे सेहत को लेकर चिंताओ को देखते हुए आईसीसी ने आगामी समीक्षा तक जून के आखिर तक सारे टूर्नामेंट स्थगित करने का फैसला किया है। खिलाड़ियों, अधिकारियों, स्टाफ और प्रशंसकों की सेहत और सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। हमें सभी संबंधित पक्षो के हितो को ध्यान मे रखकर फैसला लेना है। हमारा मानना हैकि यह समझदारी भरा फैसला लेने का समय है। आईसीसी महिला विश्व कप क्वालीफायर श्रीलंका मे तीन से 19 जुलाई के बीच होने है। आईसीसी पुरूष टी20 विश्व कप ट्राफी टूर भी अप्रैल में नही होगा। आईसीसी ने कहा कि पुरूष टी20 विश्व कप 2021 और विश्व कप 2023 क्वालीफाइंग टूर्नामेंटो को लेकर लगातार हालात पर नजर रखी जा रही है।

डब्ल्यूटीसी अंक आवंटन, आपात योजना पर बात करेगा आईसीसी बोर्ड

भाषा। नई दिल्ली

आईसीसी बोर्ड के सदस्य शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए कोविड 19 के मद्देनजर अपने कई टूर्नामेंटों को लेकर आपात योजना पर बात करेंगे। आईसीसी बोर्ड के कुछ सदस्यों ने प्रेस ट्रस्ट को बताया कि इस कांफ्रेंस कॉल में कोई ठोस फैसले नहीं लिए जाएंगे लेकिन आपात योजनाओं पर बात करने के लिए यह बैठक जरूरी है। आईसीसी टी20 पुरूष विश्व कप अक्तूबर नवंबर में होना है। इसके अलावा कई द्विपक्षीय श्रृंखलाएं भी खेली जानी है जो विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का भी हिस्सा हैं। श्रृंखला रद्द होने पर अंक व्यवस्था को लेकर भी बात की जाएगी। एक सदस्य देश के अधिकारी ने कहा , फिलहाल कोई फैसला नहीं लिया जा सकता क्योंकि हालात कब सामान्य होंगे, कोई नहीं जानता। सभी सदस्य अपने अपने देशों के हालात की जानकारी देंगे। लेकिन हमें योजना तैयार रखनी होगी अगर यह लॉकडाउन दो महीने से ज्यादा खिंच गया। पूरा एफटीपी उथल पुथल हो जाएगा। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान की टीमों को जून और जुलाई में इंग्लैंड जाना है जबकि न्यूजीलैंड को अगस्त में बांग्लादेश जाना है। भारत को नवंबर में आस्ट्रेलिया में खेलना है। आदर्श अंक वितरण व्यवस्था पर बात की जाएगी। दोनों टीमों को 60 अंक देने हैं या कुछ और। सभी सदस्यों से बात की जाएगी। फिलहाल टी20 विश्व कप को कोईखतरा नहीं दिख रहा लेकिन बंद लंबा चलने पर आस्ट्रेलियाई सरकार यात्रा पाबंदियों पर फैसला लेगी। बीसीसीआई की ओर से अध्यक्ष सौरव गांगुली बैठक में भाग लेंगे। उनके उपलब्ध नहीं होने पर सचिव जय शाह भाग ले सकते हैं।

ओलंपिक टलने से लागत कई गुना बढेगी : आयोजक

भाषा। तोक्यो

तोक्यो ओलंपिक के आयोजकों ने कहा हैकि खेलों को स्थगित करने से अतिरिक्त लागत कई गुना बढ़ जाएगी। उन्होंने इस पेचीदा और अभूतपूर्व काम की शुरूआत के लिए गुरूवार को एक कार्यबल का गठन किया। कोविड 19 के कारण ओलंपिक स्थगित करने के ऐतिहासिक फैसले के बाद आयोजकों के सामने अब अगले साल खेलों के आयोजन की कठिन चुनौती है। तोक्यो 2020 के सीईओ तोशिरो मुतो ने कार्यबल की पहली बैठक में कहा , एक एक करके हमें सुनिश्चित करना होगा कि हर समस्या का हल निकल सके। अतिरिक्त लागत काफी अधिक होगी। हमें इसके लिए काफी प्रयास करने होंगे। निक्केइ दैनिक के अनुसार आयोजकों का मानना हैकि अतिरिक्त लागत करीब 27 अरब डॉलर होगी। इसमें आयोजन स्थलों का किराया, होटलों की दोबारा बुकिंग , स्टाफ और सुरक्षाकर्मियों को अतिरिक्त भुगतान शामिल है।

कोहली से प्रभावित जैक्सन को रणजी सत्र में मिला अच्छी फिटनेस का फायदा

भाषा। नई दिल्ली

सौराष्ट्र के बल्लेबाज शेल्डन जैकसन ने भारतीय कप्तान विराट कोहली से प्रेरणा लेकर अपनी फिटनेस को नए स्तर पर पहुंचाया जिसका फायदा उन्हें रणजी ट्राफी के इस सत्र में मिला जहां उन्होंने रनों का अंबार लगाया। तैतीस वर्षीय जैकसन ने रणजी ट्राफी में लगातार दूसरे सत्र में 800 से अधिक रन बनाए और सौराष्ट्र को पहली बार रणजी खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। सौराष्ट्र की इस उपलब्धि में जैकसन की भूमिका अहम रही। उन्होंने इस सत्र में 50.56 की औसत से 809 रन बनाए। भावनगर के इस बल्लेबाज ने कहा कि पिछले 12 महीनों में उन्होंने अपनी फिटनेस में सुधार पर ध्यान दिया जिसका उन्हें फायदा मिला। जैकसन ने 2013 में रायल चैलेंजर्स बेंगलोर की तरफ से खेलते हुए देखा था कि कोहली फिटनेस को बहुत अधिक महत्व देते हैं। यह असल में विराट की कहानी थी जिससे मुझे प्रेरणा मिली। वे बेहद कुशल बल्लेबाज हैं और अगर वह तब भी उन्हें लगता है कि उन्हें और फिट होने की जरूरत है तो फिर उनके सामने हमारी क्या बिसात। 2013 में वह अपरिपक्व थे लेकिन छह सत्र बाद वह सभी प्रारूपों में सौराष्ट्र के मुख्य बल्लेबाज बन गए। जिन लोगों ने मेरी मदद की वे जिम में काम करने वाले सामान्य ट्रेनर थे। मेरे दोस्त थे जिन्होंने अहमदाबाद में मेरी मदद की क्योंकि वे समझ रहे थे कि मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं लेकिन मुझे उसके अनुरूप परिणाम नहीं मिल रहे हैं। पिछले साल तक मैं कुछ भी खा लेता था। सभी तरह के जंक फूड खा देता था लेकिन उन लोगों (जिम ट्रेनर) ने मुझे सिखाया कि अच्छा प्रदर्शन करने के लिए खाना भी बेहतर खाना होगा। इससे मुझे बहुत फायदा मिला। इस बल्लेबाज ने पिछले सत्र में भी 854 रन बनाए थे लेकिन उन्हें लगा कि फिटनेस के क्षेत्र में अभी उन्हें काफी कुछ करना है। बस इसके बाद वह अपनी फिटनेस सुधारने में लग गए। पहले मैं सोचता था कि क्रिकेट कौशल से जुड़ा खेल है लेकिन मैं पूरी तरह से गलत था। क्रिकेट कौशल से जुड़ा खेल है लेकिन इसमें बहुत अच्छी फिटनेस की जरूरत पड़ती है क्योंकि अगर आप फिट हैं तो आप दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं जबकि आपका शरीर थक गया हो।

फलों-सब्जियों की 1,600 थोक मंडियां खुली हैं

● आज से 300 और मंडियां खुल जाएंगी: कृषि मंत्रालय

भाषा। नई दिल्ली

देश भर में फलों-सब्जियों की 1,600 थोक मंडियों में सामान्य ढंग से काम हो रहा है और शुक्रवार से 300 अन्य मंडियां भी खुलने लगेंगी। कृषि मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। सरकार ने देश में कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए 21 दिनों की बंदी (लॉकडाउन) लागू की है। इसके बाद जरूरी चीजों की आपूर्ति बहाल करने के लिए केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को हस्तक्षेप किया है। अधिकारी ने पीटीआई -भाषा से कहा, कुछ शुरुआती दिक्कतें थीं, लेकिन हमने राज्य सरकारों तथा कृषि उत्पाद विपणन समितियों (एपीएमसी), थोक मंडी बोर्डो को तैयार कर लिया। इसके कारण बृहस्पतिवार तक फलों एवं सब्जियों की 1,600 थोक मंडियां खुलने लगी हैं। शुक्रवार से 300 और मंडियां खुलने लगेंगी। अधिकारी ने कहा कि देश भर में करीब 6,900 थोक मंडियां हैं। इनमें अनाज मंडियां भी शामिल हैं। अनाज मंडियां फसल कटाई के सत्र में सक्रिय रहती हैं। अभी हमारा ध्यान फलों एवं सब्जियों की थोक मंडियों पर है। केंद्र सरकार ने बड़े शहरों में आपूर्ति सामान्य बनाने के लिए दिल्ली में मदर डेयरी के सफल बिक्री केन्द्रों, कोलकाता में सुफल बांग्ला आउटलेट, बेंगलुरू में हॉपकॉम्स रिटेल आउटलेट तथा चेन्नई और मुंबई में भी इसी तरह के आउटलेट को आपूर्ति की निगरानी करने व स्थानीय प्रशासन से समन्वय बिठाए रखने को कहा है। अधिकारी ने एक राज्य से दूसरे राज्य में सब्जियां ले जाने के बारे में कहा कि व्यापारियों को जमीनी स्तर पर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि पुलिस सख्ती से बंदी का पालन करा रही है। हालांकि, मंडियों को स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय बिठाने व दखल देने के लिए नियंत्रण कक्ष बनाने को कहा गया है। उन्होंने सुरक्षा व बचाव के उपायों के बारे में कहा कि लाउडस्पीकरों के जरिए कोरोना वायरस को लेकर जागरुकता फैलाई जा रही है। मंडियों में पोस्टर भी लगाए गए हैं। इनके साथ ही मंडियों में लोगों के एक दूसरे से दूर रहने, कारोबारियों को मास्क पहनने, लगातार हैंड सेनिटाइजर का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

खाद्य निगम के पास पर्याप्त खाद्यान्न, सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली नजर रखे हुए है : पासवान

नई दिल्ली। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए देशव्यापी रोक के बीच गरीबों का पेट भरने के लिए सरकार के पास पर्याप्त खाद्यान्न भंडार है। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री राम विलास पासवान ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकारी क्षेत्र के भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) राशन कार्ड धारकों के लिए सब्सिडी युक्त खाद्यान्न की आपूर्ति पर करीब से नजर रख रहा है। सरकार की सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत खाद्यान्नों की खरीद और वितरण की जिम्मेदारी एफसीआई के पास है। पासवान ने ट्वीट किया, एफसीआई के गोदामों में मांग की पूर्ति के लिए पर्याप्त खाद्यान्न भंडार है। अधिकारी खाद्यान्नों की आपूर्ति पर करीबी नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि एफसीआई के वरिष्ठ अधिकारियों को 24x7 आपूर्ति की स्थिति की निगरानी करने के लिए कहा गया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक सरकार के पास एफसीआई के गोदामों मे वर्तमान में कुल 5.85 करोड़ टन खाद्यान्न उपलब्ध है। इसमें 3.09 करोड़ टन चावल और 2.75 करोड़ टन गेहूं है। यह एक अप्रैल को अनुमानित 2.1 करोड़ टन खाद्यान्न की जरूरत से कई गुना अधिक है।

प्रोत्साहन पैकेज से निवेशक उत्साहित

भाषा। मुंबई

● सेंसेक्स 1,411 अंक उछला

शेयर बाजारों में तेजी का सिलसिला लगातार तीसरे दिन जारी रहा और बंबई शेयर बाजार का संसेक्स बृहस्पतिवार को 1,411 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कोरोना वायरस महामारी को रोकने को लेकर तीन सप्ताह के लॉकडाउन के प्रभाव से निपटने के लिए 1.70 लाख करोड़ रुपए के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा के बाद बाजार में तेजी का रुख बन गया। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,410.99 अंक यानी 4.94 प्रतिशत मजबूत होकर 29,946.77 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,564 अंक से अधिक मजबूत हुआ था। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 323.60 अंक यानी 3.89 प्रतिशत उछलकर 8,641.45 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के प्रमुख शेयरों में सर्वाधिक लाभ में इंडसइंड बैंक रहा जिसमें 46 प्रतिशत की तेजी आई। लाभ में रहने वाले प्रमुख शेयरों में भारती एयरटेल, एल एंड टी, बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज ऑटो, एचयूएल और एचडीएफसी शामिल हैं। इनमें 10 प्रतिशत तक की तेजी आई। वहीं दूसरी तरफ मारुति सुजुकी, टेक महिंद्रा, सन फार्मा और रिलायंस इंडस्ट्रीज नुकसान में रहे। कोरोना वायरस महामारी रोकने को लेकर 21 दिन के बंद के आर्थिक प्रभाव से निपटने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम लोगों की मदद के लिए 1.70 लाख करोड़ रुपए के पैकेज की घोषणा की। इस पैकेज में गरीब परिवार को अगले तीन महीने तक मुफ्त अनाज और रसोई गैस देना, महिलाओं और गरीब वरिष्ठ नागरिकों को आर्थिक मदद तथा कर्मचारियों को नकदी उपलब्ध कराना शामिल हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, यह पैकेज लॉकडाउन से प्रभावित लोगों के लिए है। सरकार इन्हें प्राथमिकता दे रही है। उद्योग केंद्रित उपायों की घोषणा अगले पैकेज में की जा सकती है। लॉकडाउन को लागू करने में यह कारगर हो सकता है। कारोबारियों के अनुसार कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव रहा। इसका कारण वायदा एवं विकल्प खंड में मार्च महीने का अनुबंध आज समाप्त हुआ। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, हांगकांग, तोक्यो और सोल नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख शेयर बाजारों में भी शुरूआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा। इस बीच,अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 2.15 प्रतिशत टूटकर 26.80 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इधर, स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में कोरोना वायरस संक्रमित मामलों की संख्या बढ़कर 649 पहुंच गई है। वहीं 13 लोगों की मौत हुई है। गुजरात, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश में एक-एक लोगों की मौत हुई है।

शुरुआती कारोबार में रुपया 13 पैसे मजबूत

मुंबई। शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया बृहस्पतिवार को 13 पैसे सुधरकर 75.81 पर खुला। कोरोना वायरस से निपटने के लिए प्रोत्साहन पैकेज दिए जाने के आश्वासन और शेयर बाजारों के सकारात्मक रुख के साथ खुलने से निवेशकों की धारणा मे सुधार देखा गया। मुद्रा कारोबारियों के अनुसार सरकार की ओर से 21 दिन के लिए सार्वजनिक बंद (लॉकडाउन) किया जाना दिखाता है कि कोरोना वायरस से निपटने के लिए सरकार कड़े कदम उठाने को भी तैयार है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार पर रुपया 75.91 पर खुला। जल्द ही इसमें सुधार देखा गया। सुबह के कारोबार में पिछले बंद स्तर के मुकाबले यह 13 पैसे सुधार के साथ 75.81 रुपया प्रति डॉलर पर रहा।

बिजली मांग 22 प्रतिशत घटकर 1,27,960 मेगावाट

नई दिल्ली। देश मे बिजली की अधिकतम मांग मे बुधवार को करीब 22 प्रतिशत की कमी आई और यह 1,27,960 मेगावाट रह गई जो 20 मार्च को 1,63,720 मेगावाट थी। बिजली की मांग मे कमी कोरोना महामारी के बीच लॉकडाउन के प्रभाव को बताती है। वास्तविक रूप से देखा जाए तो एक सप्ताह मे बिजली मांग मे करीब 35,000 मेगावाट की कमी आई है। बिजली की अधिकतम मांग मे कमी का कारण उद्योग और राज्य बिजली वितरण कंपनियो की तरफ से मांग का कम होना है। इसकी वजह देशव्यापी लॉकडाउन के कारण वाणज्यिक प्रतिष्ठानों और उद्योग में कामकाज का पूरी तरह ठप होना है।

मूडीज का 2020 में जी-20 देशों में मंदी आने का अनुमान

पेरिस। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कोरोना वायरस संकट के चलते बुधवार को जी-20 समूह देशो मे इस साल मंदी आने का अनुमान जताया है। मूडीज ने अनुमान जताया है कि जी-20 समूह देशों का सब मिलाकर सकल घरेलू उत्पाद 2020 मे 0.5 प्रतिशत घटेगी। इसमें अमेरिकी अर्थव्यवस्था मे दो प्रतिशत और यूरोजोन (यूरो को मुद्रा के तौर पर अपनाने वाले देश) की अर्थव्यवस्था मे 2.2 प्रतिशत का सिकुड़न होगा।

बैंकिंग लेनदेन में गिरावट लेकिन ज्यादातर एटीएम चालू : एसबीआई

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संकट के बीच देशव्यापी लॉकडाउन के बीच भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बैंकिंग गतिविधियो मे कमी देखने को मिली है। लेकिन उसके ग्राहकों की ओर से ऑनलाइन और डिजिटल लेनदेन सामान्य रहा। एसबीआई के खुदरा, भुगतान और डिजिटल बैंकिंग प्रमुख पी. के. गुप्ता ने कहा कि ऑनलाइन लेनदेन चल रहे है। लेकिन कुल मिलाकर बैंकिंग गतिविधियां गिरी है। बंद के बीच बैंक राज्य और जिला प्रशासन के साथ मिलकर किन-किन शाखाओं को कितनी देर के लिए खोलना है, इस पर सहयोग कर रहे है। गुप्ता ने कहा कि पिछले दो दिन मे उसकी अधिकतर शाखाएं सीमित अवधि के लिए खुली रही।

अगली दो तिमाहियों में तीन प्रतिशत से अधिक नहीं रह सकती वृद्धि दर: प्रणब सेन

नई दिल्ली। पूर्व मुख्य सांख्यिकीविद प्रणब सेन ने बृहस्पतिवार को कहा कि देशभर में लागू की गई सार्वजनिक पाबंदी का असर देश की आर्थिक वृद्धिदर पर पड़ेगा और अगली दो तिमाहियों में यह तीन प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। सेन ने पीटीआई-भाषा के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि देश में 21 दिन के लिए लोगों को घर से बाहर निकलने पर पाबंदी लगाई गई है। इससे सकल घरेलू उत्पाद में करीब पांच लाख करोड़ रुपए की कमी आ सकती है। देशभर में 21 दिन की सार्वजनिक पाबंदी लगाए जाने से अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर काफी कम रहेगी। वित्त वर्ष 2020-21 की अगली दो तिमाहियों में मुझे आर्थिक वृद्धि दर के तीन प्रतिशत से ऊपर जाने की उम्मीद नहीं है। इससे 2024-25 तक पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य पाना बेहद मुश्किल हो गया है। कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर में मंगलवार की मध्यरात्रि से 21 दिन की सार्वजनिक पाबंदी घोषित की है। अभी मेरा अनुमान सार्वजनिक पाबंदी की घोषित अवधि पर आधारित है। अभी तीन हफ्ते के लिए यह पाबंदी लगाई गई है और इन तीन हफ्तों में अर्थव्यवस्था में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में करीब पांच लाख करोड़ रुपए की कमी आएगी। भारत की आर्थिक वृद्धिदर 2019-20 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 4.7 प्रतिशत पर आ गई। यह सात साल का सबसे निचला स्तर है। इससे पहले चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि में संशोधित आर्थिक वृद्धि दर 5.1 प्रतिशत रही जिसके पहले 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान था। सरकार ने 2024-25 तक देश को पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। सरकार के वित्तीय प्रोत्साहन देने से आर्थिक गतिविधियों पर पड़ने वाले फर्क के सवाल पर सेन ने कहा कि इससे वृद्धि दर को लेकर कोई मदद नहीं मिलेगी क्योंकि समस्या आपूर्ति से जुड़ी है।

सेबी ने कंपनियों के लिए वार्षिक आम सभा, विज्ञापन के नियम सरल किए

कोरोना का प्रभाव

भाषा, नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने बृहस्पतिवार को सूचीबद्ध कंपनियों के लिए वार्षिक आम सभा (एजीएम) करने और अखबारों में विज्ञापन देने के नियम से छूट प्रदान कर दी। कोरोना वायरस संकट के चलते देशव्यापी लॉकडाउन को देखते हुए यह फैसला किया गया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सूचीबद्ध कंपनियों और अन्य बाजार इकाइयों के लिए कानून अनुपालन का बोझ घटाने के प्रयासों के तहत इन नियमों में ढील दी है। बाजार पूंजीकरण के हिसाब से 100 शीर्ष सूचीबद्ध कंपनियों को 2019-20 के लिए उनकी वार्षिक आमसभा करने के नियम से 30 सितंबर तक के लिए छूट दी गई है।

आपूर्ति श्रृंखला बनाए रखने में सरकार की मदद की दरकार : ब्रिटेनिया

बेंगलुरु । ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक वरुण बेरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि आपूर्ति श्रृंखला को तत्काल प्रभाव से बहाल करने के लिए सरकार के समर्थन और हस्तक्षेप की आवश्यकता रहेगी। उन्होंने आगाह किया कि अगर आपूर्ति श्रृंखला की एक भी कड़ी टूटती है तो दस दिनों के भीतर देश में पैकबंद खाद्य का स्टॉक खत्म हो सकता है।

घरेलू इस्पात कंपनियां घटा सकती हैं उत्पादन

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संकट के बीच घरेलू इस्पात कंपनियां अपना उत्पान घटा सकती हैं। इसमें निजी और सार्वजनिक क्षेत्र दोनो की कंपनियां शामिल हैं। निजी क्षेत्र की जेएसडब्ल्यू स्टील पहले ही अपने संयंत्रों मे उत्पादन घटाने का निर्णय कर चुकी है। इस्पात उद्योग से जुड़े सूत्रों ने बताया कि टाटा स्टील, जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड, आर्सेलर मित्तल, निप्पॉन स्टील इंडिया के साथ स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) उत्पादन कटौती पर विचार कर रही है।

कर्मचारियों, उनके परिजनों की संक्रमण जांच का खर्च वहन करेगी कोटक महिंद्रा समूह

मुंबई। वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनी कोटक महिंद्रा समूह ने कर्मचारियों तथा उनके परिजनों की कोरोना वायरस संक्रमण जांच का खर्च उठाने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। समूह कोटक महिंद्रा बैंक का संचालन करती है। इस समूह मे अभी करीब 60 हजार लोग काम करते है। कंपनी ने एक बयान मे कहा, वैसे सभी कर्मचारी तथा उनके करीबी परिजन, जिन्हे कोरोना वायरस के संक्रमण की जांच कराने का परामर्श दिया गया है, कंपनी निजी जांच घरो मे उनकी जांच के खर्च का वहन करेगी। सरकार ने इसी सप्ताह चुनिंदा निजी कंपनियों को कोरोना वायरस के संक्रमण की जांच करने की मंजूरी प्रदान की है।

विश्व में संक्रमितों की संख्या बढ़कर पांच लाख हुई

एपी। मैड्रिड

कोरोना वायरस से दुनिया भर में संक्रमित लोगों की संख्या गुरुवार को करीब पांच लाख हो जाने के बीच यूरोप तथा अमेरिका में ऐसे मामलों की संख्या चीन से ज्यादा हो गई। इस बीमारी की शुरू आत चीन से ही हुई थी। यूरोप और न्यूयॉर्क की स्वास्थ्य सेवाएं इस बीमारी के कारण चरमराती प्रतीत हो रही है और अधिकारी गंभीर रूप से बीमार पीड़ितों को जीवित रखने के लिए पर्याप्त वेंटिलेटरों की तलाश में जुटे हैं। इस महामारी का सामना करने के लिए अमेरिकी सीनेट ने कारोबारियों, श्रमिकों और स्वास्थ्य तंत्र के लिए 2.2 ट्रीलियन अमेरिकी डॉलर का प्रस्ताव पारित किया है। लाखों अमेरिकियों को उम्मीद है कि इस कदम से उन्हें जीवनदान मिल जाएगा क्योंकि वायरस के प्रसार पर काबू के लिए आवश्यक कदमों के कारण उन्होंने नौकरी, आय आदि खो दी है। इस रोग के कारण 21,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और लाखों लोगों की आजीविका प्रभावित हुई है और उसने विश्व अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है।

उन्होंने इसे आम लोगों का दुश्मन नंबर। बताया। कहा। उन्होंने कहा कि हमने पहला मौका गंवा दिया। यह दूसरा मौका है और हमें इसे बर्बाद नहीं करना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उम्मीद जताई है कि ईस्टर तक चर्च सामान्य हो जाएंगे। हालांकि ईस्टर केवल 17 दिन ही दूर है। उन्होंने कहा, हमारा देश बंद होने के लिए नहीं बना है। वह संभवत: इस बात को लेकर आशंकित हैं कि वायरस के प्रकोप के कारण वित्तीय बाजारों और रोजगार पर पड़ने वाले विनाशकारी प्रभावों से उनके पुन: निर्वाचित होने के अवसर प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि डेमोक्रेटों का कहना है कि ट्रम्प अमेरिकियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से ज्यादा अर्थव्यवस्था को प्राथमिकता दे रहे हैं। इस बीच स्पेन ने होटलों को अस्थाई अस्पतालों में बदल दिया है। स्पेन में संक्रमण की संख्या में कमी नहीं आई है और अब तक 3,600 से अधिक मौतें हुई हैं वहीं इटली में 7,503 लोगों की मौत हुई है। मैड्रिड के एक अस्पताल में नर्स लिडिया परेरा ने कहा कि हमारी व्यवस्था चरमरा रही है। उन्होंने कहा कि मरीजों को अकेले मरते देखना हम सभी को अंदर ही अंदर मार रहा है। एक अन्य नर्स जो खुद ही संक्रमित होने के बाद उबर रही है, ने कहा कि शारीरिक रूप से यह बेहद जटिल है, लेकिन मनोवैज्ञानिक रूप से यह भयावह है।

अमेरिका में 1000 से अधिक लोगों की मौत

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में घातक कोरोना वायरस के मामले 65,000 के पार होने और।,000 से अधिक लोगों की मौत होने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस वैश्विक महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित न्यूयॉर्क समेत कई राज्यों के लिए जन स्वास्थ्य पर आपदा संबंधी बड़ी घोषणाओं को मंजूरी दी है। जॉन्स हॉप्किन्स कोरोना वायरस ट्रैकर के अनुसार, अमेरिका में कोरोना वायरस से।,031 लोगों की मौत हो चुकी है और 68,572 लोग संक्रमित हैं। चीन और इटली के बाद सबसे अधिक संक्रमण के मामलों में अमेरिका तीसरे नंबर पर है। राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करने के साथ ही राष्ट्रपति ने न्यूयॉर्क, कैलिफोर्निया, वाशिंगटन, आयोवा, लुइसियाना, नॉर्थ कैरोलिना, टेक्सास और फ्लोरिडा के लिए प्रमुख आपदा घोषणाओं को मंजूरी दी है। हाल के इतिहास में संभवत: यह पहली बार है जब छह से अधिक राज्यों में जन स्वास्थ्य पर प्रमुख आपदा घोषणाओं को मंजूरी दी गई है। न्यूयॉर्क शहर में हालात बदतर होते जा रहे हैं। यह शहर देश में कोविड-19 का केंद्र बन चुका है। मंगलवार तक न्यूयॉर्क में संक्रमित लोगों की संख्या 30,000 को पार कर गई और कम से कम 285 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा न्यू जर्सी में 4,402 मामले सामने आए और 62 लोगों की मौत हुई। कैलिफोर्निया में करीब 3000 मामले सामने आए और 65 लोगों की मौत हो गई। ए सभी राज्य लॉकडाउन (बंद) हैं।अमेरिका में कोरोना वायरस से पहली मौत का मामला वाशिंगटन से सामने आया है। वहां संक्रमित लोगों की संख्या 2,588 है और 130 लोग जान गंवा चुके हैं।ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि वह न्यूयॉर्क शहर को इस चुनौती से बाहर निकालने के लिए अपनी शक्ति के तहत हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि उनका प्रशासन देश भर में बड़े पैमाने पर कोविड-19 की जांच कर रहा है। 10 करोड़ से अधिक अमेरिकी बंद जैसे हालात में रह रहे हैं जिसका देश की अर्थव्यवस्था पर विध्वंसकारी असर पड़ रहा है। अमेरिका में सीनेट नेताओं और व्हाइट हाउस के बीच बुधवार को अर्थव्यवस्था को 2,000 अरब डालर का प्रोत्साहन पैकेज दिए जाने के प्रावधान वाले विधेयक पर सहमति बन गई। इस पैकेज के जरिए अमेरिकियों के हाथ में सीधे नकदी पहुंचाई जाएगी, छोटे कारोबारियों को अनुदान मिलेगा और बड़ी कंपनियों को अरबों डॉलर का कर्ज उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही बेरोजगार लाभों का भी विस्तार किया जाएगा। इस बीच, अमेरिका के रक्षा मंत्री मार्क एस्पर ने कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए विदेशों में अमेरिकी सेना और सिविल रक्षा कर्मचारियों की गतिविधि पर 60 दिन की रोक लगाने का आदेश दिया है। इस कदम से करीब 90,000 अमेरिकी सेवा सदस्यों की तैनाती या पुन: तैनाती अगले दो महीनों के लिए रुक जाएगी। पेंटागन ने बुधवार को एक बयान में कहा, यह कदम अमेरिकी कर्मियों की रक्षा करने और हमारे वैश्विक बल की संचालनात्मक तत्परता की रक्षा करने के वास्ते कोरोना वायरस बीमारी को फैलने से रोकने में मदद के लिए उठाया गया है।

टोकियो में कोरोना वायरस को लेकर बैठक करते जापान के प्रधानमंत्री शिजों अबे

कोरोना पीड़ितों की सुनामी से जूझ रहे लंदन के अस्पताल

भाषा। लंदन

ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि लंदन के अस्पतालों में अत्याधिक संख्या में कोरोना वायरस संक्रमण से गंभीर रूप से ग्रस्त मरीज आ रहे हैं।देश में कोरोना वायरस संक्रमण से सबसे खराब हालत लंदन की ही है। देश के कुल 9,529 पुष्ट मामलों में आधे से ज्यादा (3,000 से ज्यादा) लंदन के ही हैं। ब्रिटेन में आज लॉकडाउन का तीसरा दिन है। अस्पतालों के प्रमुखों के प्रतिनिधि संगठन एनएचएस प्रोवाइडर्स के मुख्य कार्यकारी क्रिस हॉप्सन ने कहा कि उन्हें सूचना मिल रही है कि जिस दर से अस्पतालों के बिस्तर भर रहे हैं, वह बहुत चिंताजनक है क्योंकि संक्रमण के कारण अस्पतालों में कर्मियों की संख्या भी कम हो रही है।उन्होंने बीबीसी से कहा, वे बता रहे हैं कि (मरीजों की) लहर पर लहर आ रही है। उन्होंने मेरे सामने इसके लिए जिस शब्द का प्रयोग किया, वह है लगातार आ रही सुनामी। जैसा कि एक ने मुझे बताया, यह संख्या इतनी है जितनी की आप संभवत: कल्पना नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि अस्पताल गंभीर रूप से बीमार मरीजों की बढ़ती संख्या से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ना सिर्फ संख्या, बल्कि जिस गति से और जितनी गंभीर स्थिति में वे आ रहे हैं, सबकुछ मायने रखता है। कोरोना वायरस संक्रमण से और 43 लोगों की मौत होने के साथ ही मरने वालों की संख्या गुरुवार को 465 पहुंच गई है। हालांकि ब्रिटेन में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 9,529 पहुंच गई है।

ईरान में संक्रमण से और 157 लोगों की मौत, शहरों के बीच आवाजाही पर प्रतिबंध

तेहरान। ईरान ने गुरुवार को बताया कि देश में कोरोना वायरस संक्रमण से और 157 लोगों की मौत हुई है। इसके साथ ही मरने वालों का आधिकारिक आंकड़ा 2,234 पहुंच गया है। इस बीच, कोरोना वैश्विक महामारी से निपटने के लिए सरकार ने शहरों के बीच आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता किआनुश जहांपुर ने बताया कि पिछले 24 घंटे में और 2,389 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही देश में वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 29,406 हो गई है। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा, सौभाग्य से आज तक संक्रमित लोगों मे से 10,457 का इलाज हो चुका है और उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई है।

कोविड-19

कोरोना से उत्पन्न हालतों पर मोदी और पुतिन ने चर्चा की

भाषा। मॉस्को, नई दिल्ली

जी-20 की आगामी आपात वार्ता से पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को टेलीफोन पर बात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने कोरोना वायरस की महामारी से उत्पन्न हालात पर अपने-अपने विचार साझा किए।

नई दिल्ली से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक दोनों नेता वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर, स्वास्थ्य, चिकित्सा, वैज्ञानिक शोध और मानवीय मामलों सहित महत्वपूर्ण वैश्चिक संकट की सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए और अधिक विचार विमर्श और सहयोग करने पर सहमत हुए। विज्ञप्ति के मुताबिक प्रधानमंत्री ने रूस में कोरोना वायरस के संक्रमितों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति पुतिन के नेतृत्व में रूस की कोशिशें कामयाब होंगी। राष्ट्रपति पुतिन ने भी प्रधानमंत्री मोदी को भारत द्वारा कोरोना वायरस से निपटने के लिए उठाए गए कदमों में सफलता की कामना की। विज्ञप्ति के मुताबिक दोनों नेताओं ने कोरोना वायरस खिलाफ एकजुट लड़ाई में जी-20 समूह के अंदर सहित अंतराष्ट्रीय सहयोग पर जोर दिया।प्रधानमंत्री मोदी ने रूस में मौजूद भारतीय छात्रों के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने में रूसी प्रशासन के सहयोग की प्रशंसा की और उम्मीद जताई कि रूस इसे आगे भी जारी रखेगा। राष्ट्रपति पुतिन ने मदद का भरोसा दिया। विज्ञप्ति के मुताबिक मोदी ने पुतिन से कहा कि भारतीय प्रशासन जहां और जब भी जरूरत होगी रूसी नागरिकों की सुरक्षा और वापसी के लिए हर संभव प्रयास करेगा।

उल्लेखनीय है कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के समूह जी-20 के वैश्विक संकट से निपटने में कथित ढुलमुल रवैए की आलोचना के बीच सऊदी अरब जिसके पास अभी जी-20 समूह की अध्यक्षता है, ने पिछले हफ्ते वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए सम्मेलन बुलाने का आह्वान किया था। कोरोना वायरस के संक्रमण को नियंत्रित करने में सहयोग बढ़ाने के लिए गुरुवार को सम्मेलन होगा जिसकी अध्यक्षता सऊदी अरब के शाह सलमान करेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तथा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प सहित जी-20 समूह के नेता इसमें शामिल होंगे।

ऑस्ट्रेलिया में कोरोना वायरस संक्रमण से मरने वालों की संख्या 12 हुई 2,800 लोग संक्रमित

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में कोरोना वायरस संक्रमण से मरने वालों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है और देश में करीब 2,800 लोग इस वायरस से संक्रमित हैं।पिछले 24 घंटे में विक्टोरिया प्रांत में तीन लोगों की मौत हुई है, इसके साथ ही वायरस संक्रमण से मरने वालों की संख्या 12 हो गई है। विक्टोरिया के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी ब्रेट सूटन ने बताया, राज्य में जिन तीन लोगों की मौत हुई है उनकी उम्र 70-75 वर्ष के आसपास थी और वे सभी पहले से स्वास्थ्य संबंधी परेशानी का सामना कर रहे थे। ऑस्ट्रेलिया के स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक हालात से गंभीरता से निपटा जा रहा है और देश में अब तक।,78,000 लोगों की जांच हुई है। उन्होंने बताया कि रोजाना अब 10,000 जांच की जा सकेगी। देश में संक्रमित लोगों की संख्या 2,800 के आसपास पहुंच गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया, बृहस्पतिवार दोपहर तक संक्रमित लोगों की संख्या 2,793 हो गई थी। न्यू साउथ वेल्स में संक्रमण के अब तक।,219 मामले सामने आए हैं। यहां दस साल से कम उम्र के दो बच्चे भी वायरस से संक्रमित हुए हैं।

मियामी तट बंद होने के बावजूद तट पर कुत्ते के साथ गई महिला को वापस करती पुलिस

चीन में विदेशों से आए संक्रमित लोगों के 67 नए मामले दर्ज

एजेंसी। बीजिंग

● हुबेई और वुहान में जनवरी से बुधवार तक 3,169 लोगों की मौत हो गई

चीन में लगातार दूसरे दिन स्थानीय स्तर पर हुए कोरोना वायरस संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया लेकिन विदेशों से आए संक्रमित लोगों के 67 नए मामले देश में दर्ज किए गए। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बृहस्पतिवार को बताया कि बुधवार को चीनी मुख्यभूमि में घरेलू स्तर पर हुए संक्रमण का कोई नया मामला दर्ज नहीं किया गया लेकिन विदेशों से आए संक्रमित लोगों के 67 नए मामलों की पुष्टि हुई है। इससे एक दिन पहले ऐसे 47 मामले दर्ज हुए थे। हालांकि हुबेई प्रांत और उसकी राजधानी वुहान में पिछले कुछ समय से कोई नया मामला सामने नहीं आया है, लेकिन मृतक संख्या लगातार बढ़ रही है। हुबेई में बुधवार को छह संक्रमित लोगों की मौत हो गई और इसके साथ ही चीन में मृतक संख्या बढ़कर 3,287 हो गई। देश में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 81,285 हो गए हैं। हुबेई और वुहान में जनवरी से बुधवार तक 3,169 लोगों की मौत हो गई। इस संक्रमण का पहला मामला दिसंबर के अंत में वुहान में ही सामने आया था। इस बीच, चीन ने कोरोना वायरस के केंद्र वुहान में खतरे का स्तर उच्च से कम करके बुधवार को मध्यम कर दिया और नौ सप्ताह के लॉकडाउन के बाद पहली बार शहर में बस सेवाएं बहाल की गईं।

हमारा गुनाह क्या है? अफगान हमले में अपनों को गंवा चुके सिखों ने पूछा

भाषा। काबुल

अफगानिस्तान के काबुल में हुए भयावह हमले का जिक्र करते हुए अपार सिंह ने कहा, उन्होंने सभी को मार डाला, कोई जिंदा नहीं बचा। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक प्रमुख गुरुद्वारे पर बुधवार को हथियारों से लैस एक आत्मघाती आतंकवादी ने पर हमला किया जिसमें कम से कम 25 लोगों की जान चली गई। समझा जाता है कि हमलावर पाकिस्तान के हक्कानी ग्रुप से जुड़ा था। अफगानिस्तान में अल्पसंख्यकों सिखों पर यह सबसे घातक हमलों में एक था। टोलो न्यूज के अनुसार अपने परिवार के सभी सदस्यों को गंवा चुके कई अफगान सिख सवाल कर रहे हैं कि आखिर उनका गुनाह क्या था। अखबार के अनुसार कई प्रभावित परिवार इस हमले को मानवता के खिलाफ अपराध करार दे रहे हैं। इस हमले में अपने परिवार के सात सदस्यों को खो चुके एक व्यक्ति ने कहा कि हमलावर ने पुरूष-महिला और बच्चों पर गोलियां चलाई और उसने किसी पर भी रत्ती भर दया नहीं दिखाई। हरविंदर सिंह नामक इस व्यक्ति ने कहा, उन्होंने मेरी मां, मेरी पत्नी और मेरे छोटे बच्चे को मेरी आंखों के सामने गोलियां दागकर मार डाला। इस हमले में अपनी मां को गंवा बैठे एक अन्य व्यक्ति ने कहा, मेरी मां का क्या अपराध था ।

चीन ने जापान के विवि के प्रोफेसर को जासूसी के आरोप में हिरासत में लिया

बीजिंग। चीन ने जापान में प्रोफेसर के तौर पर कार्यरत अपने एक नागरिक को जासूसी के आरोप में हिरासत में लिया है। उसने जासूसी और अन्य गतिविधियों में लिप्त होने की बात स्वीकार कर ली है। चीन के विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।मंत्रालय के प्रवक्ता गेंग शुआंग ने कहा कि युआन केकिन के खिलाफ स्पष्ट तथ्यों और सबूतों के आधार पर मामला दर्ज किया गया है और उसे अभियोजकों के पास भेज दिया गया है शुआंग ने कहा, उसने अपराध स्वीकार कर लिया है। प्रवक्ता ने कहा कि कानून के मुताबिक इस मामले में आगे बढ़ा जा रहा है और उसके कानूनी अधिकार पूरी तरह सुरक्षित हैं। युआन उत्तरी जापान में होक्काइदो शिक्षा विश्वविद्यालय में पूर्वी एशियाई राजनीतिक इतिहास के प्रोफेसर हैं। वह पिछले महीने अपनी मां के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए चीन आए थे।

फिलीपीन में कोरोना वायरस संक्रमण से नौ डॉक्टरों की मौत

मनीला। फिलीपीन की शीर्ष मेडिकल एसोसिएशन ने बृहस्पतिवार को बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण से देश में नौ डॉक्टरों की मौत हो गई है।गौरतलब है कि देश के अस्पतालों में वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या क्षमता के मुकाबले बहुत ज्यादा है और डॉक्टरों के पास अपनी सुरक्षा के उपकरण नहीं हैं। डॉक्टरों की मौत की खबर फिलीपीन के स्वास्थ्य संकट को उजागर कर रही है, जोकि सरकारी सूचना के मुकाबले कहीं बुरी अवस्था में है। देश में अभी तक वायरस संक्रमण से 38 लोगों की मौत हुई है। मुख्य द्वीप लुजोन में करीब 5.5 करोड़ की आबादी रहती है, और वहां पिछले दो सप्ताह से लॉकडाउन है। लेकिन डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि लॉकडाउन के बावजूद वहां संख्या में वृद्धि हो रही है। फिलीपीन मेडिकल एसोसिएशन ने बताया कि वायरस संक्रमण से नौवें डॉक्टर की मौत हुई है और स्वास्थ्यकर्मियों को समुचित सुरक्षा नहीं मिल रही है।

भारतीय छात्रों को होटल में निशुल्क ठहराने की पेशकश की

भाषा। वाशिंगटन

● होटलों की तरफ से प्रेम भंडारी ने बताया कि न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने इस संबंध में उनसे दस दिन पहले संपर्क किया था

कोरोना वायरस के मद्देनजर लॉकडाउन (बंद) जैसे कदम उठाए जाने के बाद अमेरिका में फंसे भारतीय छात्रों की मदद के लिए भारतीय-अमेरिकी होटल मालिक आगे आए हैं और उन्होंने छात्रों को नि:शुल्क ठहराने और कुछ मामलों में भोजन की पेशकश की है।

अपने हॉस्टल खाली करने के लिए कहने और भारत द्वारा कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण 22 मार्च से एक हफ्ते के लिए अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर रोक लगाने के कारण कई छात्रों के सिर पर छत भी नहीं रही है। भारतीय दूतावास की अपील के बाद बुधवार तक उन्हें करीब 700 होटलों में 6,000 से अधिक कमरों में रहने की पेशकश की गई।भारतीय दूतावास अमेरिका में भारतीय छात्रों के लिए पिछले हफ्ते से ही चौबीसों घंटे हेल्पलाइन चला रहा है। देश में 2,50,000 से अधिक भारतीय छात्र फंसे हुए हैं। ज्यादातर जिन होटलों की पेशकश की गई है वे विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के आसपास हैं लेकिन समुदाय के नेताओं की अपील के बाद देशभर में बड़ी संख्या में होटल मालिक आगे आए हैं। अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने ट्वीट किया, यह देखकर खुशी हो रही है कि भारतीय, भारतीय अमेरिकी और अन्य होटल मालिक संकट के इस समय में लोगों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। एक साथ मिलकर हम कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई जीत सकते हैं। शिकागो स्थित समुदाय के नेता नीरव पटेल ने कहा, भारतीय समुदाय छात्रों की मदद के लिए एक साथ आया है और कई होटल मालिकों ने उन्हें नि:शुल्क कमरे देने की पेशकश की है। उनमें से कई इन छात्रों को मुफ्त में भोजन भी दे रहे हैं।

होटल चलाने वाले भारतीय-अमेरिकी दंपत्ति के. के. मेहता और चंद्रा मेहता ने न्यूयॉर्क शहर में टाइम्स स्क्वायर और बार्कलेज सेंटर के समीप स्थित अपने दो प्रमुख होटलों में भारतीय छात्रों को 100 से अधिक कमरों की पेशकश की है। होटलों की तरफ से प्रेम भंडारी ने बताया कि न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने इस संबंध में उनसे दस दिन पहले संपर्क किया था।भंडारी ने कहा, ए छात्र भारत और अमेरिका दोनों का भविष्य हैं। सभी शीर्ष भारतीय अमेरिकी सीईओ, वैज्ञानिक और डॉक्टर छात्र के तौर पर इस देश में आते हैं। यह हमारा नैतिक कर्तव्य है कि अपने संसाधनों से उनकी मदद की जाए। एएएचओए अपर मिडवेस्ट के क्षेत्रीय निदेशक कल्पेश जोशी ने कहा, भारतीय दूतावास और उसके वाणिज्य दूतावास इन छात्रों को कमरे दिलाने के लिए अथक लगातार काम कर रहे हैं। एशियन अमेरिकन स्टोर ऑनर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष फ्लोरिडा के विपुल पटेल ने कहा कि भारतीय छात्रों के लिए भारतीय अमेरिकी होटल मालिकों की ओर से भरपूर समर्थन आ रहा है। उन्होंने कहा, मुझे एक भी होटल मालिक ऐसा नहीं मिला जिसने हमें न कहा हो। कम्प्यूटर सोसायटी ऑफ इंडिया (नॉर्थ अमेरिका) ने कहा कि जो भी वित्तीय मुश्किल का सामना कर रहा है उसे या तो निशुल्क होटल में ठहराया जाएगा या किराया 50 डॉलर से अधिक का नहीं होगा। छात्रों को भारतीय दूतावास और ह्यूस्टन, शिकागो, अटलांटा, सैन फ्रांसिस्को और न्यूयॉर्क में उसके वाणिज्य दूतावासों की सिफारिश पर कमरे आवंटित किए जाएंगे।एशियन अमेरिकन होटल ऑनर्स एसोसिएशन अपर मिडवेस्ट के क्षेत्रीय निदेशक कल्पेश जोशी ने कहा कि शुरुआत में छात्रों से 20-25 डॉलर प्रति दिन का सुविधा शुल्क लेने का सुझाव था लेकिन जब उनमें से कुछ ने निशुल्क कमरे और भोजन देने की पेशकश दी तो हर कोई इस पर राजी हो गया।

दक्षिण कोरिया में कोरोना वायरस को लेकर लोगों को जागरूक करते पर्यावरण कार्यकर्ता

सहज और सरल अभिनय की मिसाल थीं निम्मी

भाषा। मुंबई

आन, बरसात और दीदार जैसी हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी 1950 और 60 के दशक की मशहूर अभिनेत्री निम्मी का बुधवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 88 वर्ष की थीं। निम्मी का बृहस्पतिवार को मुंबई में अंतिम संस्कार किया गया।

उनके परिवार के लोगों ने बताया कि अभिनेत्री को सांस लेने में दिक्कत होने के बाद उपनगरीय जुहू अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी कल शाम को मृत्यु हुई। निम्मी को भायखला के रहमताबाद कब्रिस्तान में दफनाया गया। परिवार के लागों ने बताया, निम्मी जी के करीबी रिश्तेदारों ने शाम करीब चार बजे कब्रिस्तान में दफनाया।

उनका असली नाम नवाब बानो था और निम्मी नाम फिल्मकार राज कपूर ने दिया था जिन्होंने अपनी फिल्म अंदाज के सेट पर एक शर्मीली किशोरी के रूप में निम्मी को पहली बार देखा था। पचास और साठ के दशक में निम्मी ने उस जमाने के कई बड़े-बड़े अभिनेताओं के साथ काम किया, जिनमें राज कपूर, दिलीप कुमार, देव आनंद भी शामिल हैं। इनकी तिकड़ी उस वक्त फिल्म इंडस्ट्री में राज करती थी। खबरों के अनुसार वे अपने करियर के शुरुआती दिनों में निम्मी काफी डिमांड में थीं. कहा जाता है कि दिलीप कुमार से लेकर राज कपूर, अशोक कुमार, धर्मेंद्र जैसे कई बड़े सितारे उनके साथ काम करने को लेकर उत्सुक थे। उनकी बेहतरीन फिल्मों में उड़न खटोला (1955), भाई-भाई (1956), कुंदन (1955), मेरे महबूब (1963) और आकाशदीप (1965) सहित और भी कई यादगार फिल्में हैं। निम-?मी ने एस अली राजा से शादी की थी जिनका 2007 में देहांत हो गया था।

बरसात और दीदार जैसी हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी 1950 और 60 के दशक की मशहूर अभिनेत्री निम्मी का बुधवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 88 वर्ष की थीं। निम्मी का बृहस्पतिवार को मुंबई में अंतिम संस्कार किया गया।

दिलीप कुमार, सायरा बानो ने जताया शोक

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार और अभिनेत्री सायरा बानो ने अभिनेत्री निम्मी के निधन पर शोक जताते हुए कहा है कि उनके निधन से उन्हें व्यक्तिगत क्षति की अनुभूति हो रही है।

दिलीप कुमार के ट्विटर हैंडल से एक ट्वीट किया गया, जो कुछ इस प्रकार है, सायरा बानो खान की तरफ से संदेश = दिलीप साहब और मैं हमारी प्यारी निम्मी जी के निधन से व्यक्तिगत क्षति की गहरी अनुभूति का एहसास कर रहे हैं। निम्मी जी मुझसे बड़ी थीं। दिलीप साहब से हमेशा उनका करीबी रिश्ता रहा है और मैं हमेशा हाथ से लिखे गए उनके उर्दू के खूबसूरत, महत्वपूर्ण खतों की आदी रही हूं।

कमल हासन ने की अपने आवास को अस्पताल में बदलने की पेशकश

चेन्नई। अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन ने कोरोनोवायरस रोगियों के इलाज के लिए अपने आवास को यहां अस्पताल के रूप में बदलने की पेशकश की है। हासन ने एक ट्वीट में अपनी पार्टी मक्कल नीधि माईम (एमएनएम) में डॉक्टरों की मदद से कहा कि वह उस आवास को कोरोनोवायरस रोगियों के इलाज के लिए अस्पताल में बदलने के लिए तैयार हैं जहां कभी वह रहा करते थे। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार द्वारा अनुमति मिलने के बाद वह ऐसा करने के लिए तैयार हैं।

वाणी कपूर ने स्वयं को माना भाग्यशाली

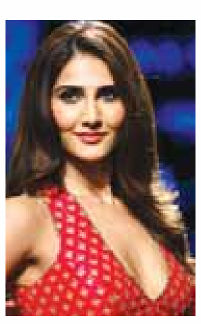

अभिनेत्री वाणी कपूर का कहना है कि 'मेरा हमेशा से मानना रहा है कि हमें अधिक से अधिक कला विधाओं का ज्ञान होना चाहिये ताकि आपकी परफॉर्मेंस सफल हो सके। मैं अत्यंत भाग्यशाली हूं कि इस इंडस्ट्री ने मेरे नृत्य को काफी सराहा है।

हॉलीवुड निर्देशक ने रूसो ने सलमान को सराहा

हॉलीवुड की फिल्म अवेंजर्स: एंडगेम के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले निर्देषक जो रूसो ने सलमान खान की प्रषंसा की है। जो ने एक साक्षात्कार में भारतीय सिनेमा के बारे में बताते हुए सलमान की प्रषंसा की। सलमान की फिल्म दबंग के बारे जो ने कहा, 'वो अच्छा है मुझे ये फिल्म पसंद है। इसमें काफी ऊर्जा है। इसके ऐक्शन दृश्यों को काफी बुद्धिमानी से किया गया है। सलमान का अभिनय बेजोड़ है। आपको पता ही है कि परदे पर वो चुंबक जैसा काम करता है।'

सोफी टर्नर ने की एवेंजेलीन की आलोचना की

हॉलीवुड फिल्म गेम ऑफ थ्रोन्स की अभिनेत्री सोफी टर्नर ने 'द एंट मैन एंड द वैस्प' की अभिनेत्री एवेंजेलीन लिली की कोरोना वायरस के लिए जरूरी सोषल डिस्टेंसिंग का पालन न करने के लिए आलोचना की है। इंस्टाग्राम पर एक लाइव वीडियो में उन्होंने कहा, 'भीतर रहें और मूर्खता न करें। चाहे आपकी स्वतंत्रता में क्षणिक अवरोध आ जाए लेकिन स्वास्थ्य के लिए ये जरूरी है। ऐसा लगता है कि टर्नर ने लिली के एक आपत्तिजनक इंस्टाग्राम पोस्ट के संदर्भ में ही अपना पोस्ट दिया है जिसमें वायरस से लड़ने के लिए एकांतवास जैसे सुरक्षा कदमों के ऊपर लिली ने अपनी स्वतंत्रता को रखा था।

'अभिनय और सिंगिंग दोनों करना चाहती हूं'

पार्श्वगायक, अभिनेत्री और टीवी परिचारक **खुशबू ग्रेवाल** ने अपनी अब तक की यात्रा और 'मीत ब्रदर्स' की लीड गायक बने रहने सहित अन्य विषयों पर पायनियर संवाददाता **शालिनी सक्सेना** से बात की -

■ **आपने गायन का व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया है। आपके लिए गायन कितना कठिन रहा है?**

– मेरे अभिनय करने और वीजे के काम में व्यावसयिक स्तर पर लंबा अंतराल रहा हैं। मुझमें रियाज़ करने जैसा अनुशासन नहीं था। मैं एक तनावरहित जीवन का आदी बन चुकी थी जिसमें मैं जब मन चाहती था, तभी उठा करता थी। संगीत में अनुशासन और समर्पण की आवश्यकता होती है और ये बात मैंने बॉलीवुड में काम करके ही सीखी। मुझमें आज भी काफी सुधार की जरूरत है। मैं आज भी कपट करती रहती हूं। जबसे मैंने प्रशिक्षण प्रारंभ किया और अपनी कमियों को समझने का प्रयास किया है, तभी मुझे ये पता लग सका कि मैं कितना गलत थी। पहले मैं पार्टियों में आकर जैसे ही गाने के लिए कहा जाता था, गाने लगती थी। उसके बाद से ही मुझमें गायकों के प्रति सम्मान का भाव जागृत हुआ। आप जितना अधिक सीखते हैं उतना ही आपमें एक अहसास भी जागृत होता जाता है। बस इन सब बातों में आपको कई साल लग जाते हैं जब जाकर आप अपने कौशल के विशेषज्ञ बन पाते हैं।

■ **क्या आप आज भी 'मीत ब्रदर्स' की लीड सिंगर हैं? आप पार्श्वगायन कर रही हैं, लाइव परफॉर्मेंस, गायन और अभिनय भी कर रही हैं। क्या आपको वो सब मिल गया है जो आपने चाहा था?**

– जी हां मैं आज भी मीत ब्रदर्स की लीड सिंगर हूं। मुझे काम करने की लत है अत: मैं ये नहीं कह सकता हूं कि मुझे सब कुछ मिल चुका है। मैं कुछ उस तरह का व्यक्ति हूं जो पूरे महीने सातों दिन 24 घंटे काम कर सकता हूं लेकिन आपसे षिकायत नहीं करूंगी। मैं किसी काम को इंकार नहीं करती। हाल ही में मैंने एक पंजाबी शो 'हसदेयां दे, घर वसदे' स्वीकार किया है जो कपिल शर्मा के ही कॉमेडी नाइट्स विद कपिल शर्मा की ही थीम पर है। मैं इसे गुरप्रीत घुग्गी के साथ कर रहा हूं। ये पति और पत्नी आधारित शो है जिसमें घुग्गी मेरी पत्नी है और मैं पति। शो पर विभिन्न अतिथि आते रहते हैं।

■ **आपके परफॉर्मर होने के कारण ही क्या इस प्रकार के विविध रोल करना आपके लिए सरल होता है?**

– पार्श्वगायक, अभिनेता और टीवी परिचारक (होस्ट) और लाइव परफॉर्मेंस करना किसी भी परफॉर्मर के अपरिहार्य पहलू होते हैं। यदि आप किसी अभिनेता को ही लें तो उसे डांस करना, ताल आदि की भी प्रारंभिक जानकारी होती है अर्थात उन्हें भी संगीत की प्रारंभिक जानकारी तो होती ही है। जब मेरे सामने माइक होता है और मैं किसी उदास गाने को गा रहा हूं तो ये मेरे स्वरों में भी झलकना चाहिये। लेकिन डांस नंबर गाते समय मेरे हाव-भाव अलग हो जाते हैं। हम ये सभी विशेषताएं समय समय पर प्रयोग करते रहते हैं लेकिन उन्हें सामने लाने के लिए कुछ नहीं करते। एक कला से दूसरी कला में जाना उतना कठिन भी नहीं होता।

■ **आप डॉक्टरों के परिवार से आती हैं। आपके प्रति उनकी प्रतिक्रिया किस प्रकार की रहती है?**

– मैं सदा से ही स्वयं को परिवार का कलंक मानती हूं। मेरे पिता एनस्थेसिस्ट, मेरी मां गायनोकोलोजिस्ट, मेरी बहन डेंटिस्ट और मेरे जीजा जी एक्सीडेंट एवं ट्रॉमा के विशेषज्ञ हैं। मेरी भाभी क्लिनिकल सायकोलॉजिस्ट और मैं क्या हूं? मैं तो बस उनका मनोरंजन करने का ही प्रयास कर सकती हूं। किसी को तो ये करना ही था। वे सभी अत्यंत गंभीर लोग हैं। हमारे यहां कोई भी परफॉर्मिंग आर्ट्स के क्षेत्र से नहीं है लेकिन मेरी मां अच्छा गाती हैं और बहन अच्छी डांसर थी। मैं भी उसकी नकल किया करती थी। छोटी आयु में ही मैंने स्टेज़ की ओर रुख कर दिया था। मुझे जो भी अवसर मिला करते थे मैं उन्हें स्वीकार करके ही मैं आज इतने साल बाद व्यावसायिक कॅरियर की नींव डालने में सफल हुई हूं।

■ **आजकल महिला पार्श्वगायकों के बीच काफी प्रतिस्पर्धा रहती है? आप ये सब कैसे मैनेज कर पाती हैं?**

– प्रतिस्पर्धा तो पुरुष और महिला दोनों के लिए ही है। हर जगह प्रतियोगिता होती है। आज संगीत हर जगह मिलता है। चाहे ये यूट्यूब या अन्य प्लेटफॉर्म ही क्यों न हों। छोटे नगरों में रहने वाले भी अब इसे अपना सकते हैं जो अच्छी बात है। अब कम से कम युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच तो है।

■ **आपको किस प्रकार का संगीत सुनना प्रिय है?**

– मैं हर तरह का संगीत सुनती हूं। मेरे पास प्लेलिस्ट है जिसमें पंजाबी गाने, अकाउस्टिक या नए गाने भी इसमें हैं। इस लिस्ट में कई गाने काफी भड़कीले भी हैं। लेकिन ड्राइव करते समय मैं अकाउस्टिक गाने ही सुनती हूं।

■ **आगे आपकी क्या योजनाएं हैं?**

– मेरी ही एक फिल्म का एक संवाद है-जब कोई योजना बनाता है तो ईष्वर उसपर हंसते हैं। ये काफी अर्थपूर्ण है। जिस साल मैं मुंबई आई थी उस समय मैंने कई योजनाएं बनाई थीं लेकिन उनमें से एक भी पूरी नहीं हुई। इसके बाद मैंने योजना बनाकर काम करना बंद कर दिया। मैं लंबी अवधि की अवास्तविक योजनाएं बनाने से बेहतर कुछ लघुअवधि के लक्ष्य निर्धारित करना समझती हूं। जितना मैं जानती हूं तो मैं लंदन के किसी गांव में एक छोटे से फार्महाउस में स्ट्रॉबेरी चुनना और जैविक खेती करना चाहती हूं, साथ ही एक कॉफी शॉप खोलने की भी योजना है। मैं इस साल कुछ अच्छा संगीत बनाना चाहती हूं। मैं पंजाबी फिल्मों में काम करके प्रसन्न हूं। यहां मैं फिल्म में अभिनय और गायन दोनों करना चाहती हूं।

कोरोनावायरस से संक्रमित नहीं हैं हिडी क्लम

लॉस एंजेलिस। अमेरिकी-जर्मन मॉडल और हॉलीवुड सेलेब्रिटी हिडी क्लम ने इस बात की पुष्टि की है कि उन्हें कोरोनावायरस नहीं है। परीक्षण कराने के दस दिन बाद उन्होंने इस बात का खुलासा किया। 46 वर्षीय हिडी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैं पहले से काफी ठीक हूं। मुझे बस सर्दी-खांसी हुई थी और मैं इससे उबरने की कोशिश कर रही हूं। आज घर में रहते हुए 14 दिन हो गए हैं। सबको अपनी तरफ से प्यार भेज रही हूं। हैशटैगकोविड 19नेगेटिव। रिपोर्ट के मुताबिक, 7 मार्च को बीमार पड़ने के बाद क्लम बेल-एयर में स्थित अपने घर में सेल्फ क्वॉरेंटाइन में थी, जिसके चलते अमेरिकाज गॉट टैलेंट = द चैंपियनंस के तीसरे संस्करण की शूटिंग बंद हो गई। क्लम के तीसरे पति टॉम कौलिट्ज का भी 16 मार्च को किए गए जांच में नतीजा नेगेटिव आया। दोनों ने 22 फरवरी को शादी की अपनी पहली सालगिरह का जश्न मनाया।

पवन कल्याण राहत कोष में देंगे 2 करोड़ रुपये

मुंबई। तेलुगू सुपरस्टार पवन कल्याण ने इस बात का ऐलान किया है कि कोविड-19 के खिलाफ देश के इस जंग में वह सरकार के राहत कोष में दो करोड़ 2 रुपये की राशि दान में देंगे। उन्होंने ट्विटर पर इस बात की घोषणा की कि वह आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्री राहत कोष में 50-50 लाख रुपये का दान करेंगे और प्रधानमंत्री राहत कोष में एक करोड़ रुपये दान में देंगे।

दो अलग-अलग ट्वीट में अभिनेता ने कहा, कोरोना महामारी के खिलाफ जंग लड़ने के लिए मैं आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्री राहत कोष में हर एक को 50 लाख रुपये की राशि दान में दूंगा। उन्होंने यह भी कहा, एक ऐसी मुश्किल घड़ी में हमारे सम्माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का समर्थन करने के लिए मैं प्रधानमंत्री राहत कोष में एक करोड़ रुपये की राशि दान करूंगा। उनका अनुकरणीय और प्रेरणादायक नेतृत्व वास्तव में हमारे देश को इस कोरोना महामारी से बाहर निकालेगा।

फराह ने बॉलीवुड हस्तियों से कहा -

कसरत करते वीडियो पोस्ट ना करें, हमारे सामने इससे बड़ी चिंताएं हैं

भाषा। मुंबई

फिल्मकार फराह खान ने कोरोना वायरस महामारी के समय में बालीवुड हस्तियों द्वारा कसरत करते हुए अपना वीडियो साझा करने को लेकर निराशा जताई है।

देश भर में लागू 21 दिन के लॉकडाउन के दौरान सभी अपने घरों में बंद हैं। ऐसे समय में कटरीना कैफ, आलिया भट्ट, अनिल कपूर, रकुल प्रीत सिंह और जैक्लीन फर्नांडिस सहित कई फिल्म जगत की हस्तियों ने सोशल मीडिया पर कसरत करते हुए वीडियो को साझा किया है।

ट्विटर पर साझा एक वीडियो में फराह ने कहा कि वह ैसार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के हितै में वीडियो बना रही हैं। फराह ने कहा है, सभी सेलिब्रटी और स्टार से मेरा नम्र निवेदन है कि आप कसरत करते हुए अपना वीडियो बनाना बंद करें। मैं समझ सकती हूं कि आप सब विशेषाधिकार प्राप्त लोग हैं और इस वैश्विक महामारी में आपकी अपनी काया की देखभाल करने के अलावा कोई चिंता नहीं है। लेकिन हममें से कुछ की इस संकट के दौरान बड़ी चिंता है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सेलिब्रिटी ने ऐसा करना बंद नहीं किया तो वह उन्हें अनफॉलो कर देंगी। उन्होंने कहा, कृपया हम पर दया करें और अपने वर्कआउट वीडियो अपलोड करना बंद करें। यदि आप यह नहीं कर सकते हैं तो कृपया मेरे अनफॉलो करने पर बुरा न मानें। सुरक्षित रहें।

भारत में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या बृहस्पतिवार को 649 पहुंच गई।

कोरोना वायरस से जंग

बॉलीवुड हस्तियों ने दिहाड़ी मजदूरों की मदद करने का संकल्प लिया

मुंबई(भाषा)। करण जौहर, तापसी पन्नू और आयुष्मान खुराना सहित कई बालीवुड हस्तियों ने देशव्यापी लॉकडाउन से प्रभावित हुए दिहाड़ी मजदूरों की मदद करने की पहल की है। कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को 21 दिन के देशव्यापी लॉकडाउन का ऐलान किया था। इस वायरस के संक्रमण से विश्व भर में अब तक 20,000 से अधिक जानें जा चुकी हैं। आई स्टैंड विद ह्यूमेनिटी, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर ह्यूमन वैल्यूज, द आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन और भारतीय फिल्म और टीवी उद्योग जैसे संगठनों द्वारा शुरू की गई इस पहल के तहत दिहाड़ी मजदूरों के परिवारों को 10 दिनों के लिए भोजन सामग्री प्रदान की जाएगी।

इस संबंध में करण जौहर ने ट्वीट किया, मैं इस पहल का समर्थन करने और इसमें योगदान देने की प्रतिज्ञा करता हूं, यह एक ऐसी स्थिति है जहां हमें आगे आकर मदद करनी होगी। तापसी ने कहा कि दिहाड़ी मजदूरों की मदद के लिए सभी को आगे आना चाहिए। उन्होंने लिखा, यह दिहाड़ी मजदूरों के लिए है। हमारे लिए और हमारे साथ काम करने वालों के लिए हमें अपना योगदान देना होगा। अगर कोरोना से नहीं तो वे भोजन की कमी से हार जाएंगे। आइए हम सभी इस हालात से निपटने में उनकी मदद करें।

आयुष्मान ने इस पहल को नेक बताया। उन्होंने ट्वीट किया, मैं इसका समर्थन करने और योगदान देने का संकल्प लेता हूं। भारत और भारतीय खतरे में हैं और हम सभी में इसे बदलने की शक्ति है। संकट के इस समय में जितना हो सके हम एक-दूसरे का समर्थन और देखभाल करें। मैं मानवता के साथ हूं। कियारा आडवाणी और रकुल प्रीत सिंह ने भी इस पहल में योगदान देने का संकल्प लिया।

एंजेलिना जोली, काइली जेनर ने 10 लाख डॉलर की मदद दी

लॉस एंजिलिस। कोरोना वायरस के प्रकोप के मद्देनजर हालीवुड अभिनेत्री एंजेलिना जोली और व्यवसाई काइली जेनर ने 10-10 लाख अमेरिकी डॉलर की राहत राशि दान की है। एंजेलिना ने नो किड हंग्री नाम के एनजीओ को 10 लाख अमेरिकी डॉलर की मदद की है वहीं जेनर ने लॉस एंजिलिस के अस्पतालों में चिकित्सीय सामग्री खरीदने के लिए राशि दी है।

ई न्यूज की रिपोर्ट में एंजेलिना के हवाले से लिखा गया है, इस सप्ताह तक एक अरब से अधिक बच्चे कोरोना वायरस के कारण लॉकडाउन के कारण स्कूलों से बाहर हैं। अमेरिका के लगभग 2.2 करोड़ बच्चे भोजन मदद पर निर्भर हैं। इनमें वे बच्चे भी शामिल हैं, जो स्कूल में मिलने वाली देखभाल और पोषण पर निर्भर होते हैं। नो किड हंग्री लगातार प्रयास कर रहा है कि अधिक से अधिक जरूरतमंद बच्चों तक पहुंचा जाए। प्रसाधन कंपनी काइली कॉस्मेटिक्स की संस्थापक-मालिक काइली जेनर के सहयोग के बारे में अरबपति डॉक्टर थाइस आलियाबादी ने इंस्टाग्राम पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जेनर ने हमें ।,000,000 अमेरिकी डॉलर की राशि दी जिससे हमें हजारों मास्क और अन्य सुरक्षात्मक सामग्री खरीदने में मदद मिली।

कोविड-19: कैथी ग्रिफिन को पृथक वार्ड में भर्ती कराया गया

लॉस एंजिलिस। दिग्गज अभिनेत्री और हास्य कलाकार कैथी ग्रिफिन ने बताया है कि उनमें कोरोना वायरस के लक्षण दिखाई देने के बाद उन्हें अस्पताल के पृथक वार्ड में भर्ती कराया गया है। ग्रिफिन (59) ने अस्पताल के वार्ड से अपनी एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है। उन्होंने देश में कोरोना वायरस की जांच कराए जाने के बारे में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर झूठ बोलने के आरोप लगाए। फोटो में ग्रिफिन ऑक्सीजन मास्क लगाए हुए दिख रही हैं।अभिनेत्री ने कहा कि हालांकि उनमें बीमारी के गंभीर लक्षण थे लेकिन उन्हें जांच के योग्य नहीं समझा गया। ट्रंप ने बुधवार को ट्वीट कर बताया था कि अमेरिका में किसी भी अन्य देश की तुलना में ज्यादा जांच हुई है।